रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	32.9	26.9
जमशेदपुर	34.4	26.0
डालटनगंज	34.4	26.1

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

* *

www.lagatar.in रांची, सोमवार 29 जुलाई 2024 ● श्रावण कृष्ण पक्ष 08 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~5~~ ● वर्ष : 2, अंक : 111 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक से खुला भारत का खाता, पीएम मोदी ने दी बधाई, बोले- ये सफलता बेहद खास

मनु भाकर ने दिलाया पहला मेडल, खुशी से झूमा देश, बधाइयों का तांता

एजेंसी। पेरिस

पेरिस ओलंपिक में भारत ने मेडल का खाता खोल दिया है. भारतीय निशानेबाज मनु भाकर ने निशानेबाजी में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रच दिया है. उन्होंने 10 मीटर एयर पिस्टल इवेंट में कांस्य पदक जीता और इस तरह वह ओलंपिक में मेडल जीतने वाली पहली भारतीय निशानेबाज बन गई हैं. महज 22 साल की शूटर मनु भाकर 221.7 पॉइंट के साथ वह सिल्वर मेडल से बेहद करीबी अंतर से चूक गईं. गोल्ड और सिल्वर मेडल कोरियाई शूटर्स को मिला.

यह मनु का दूसरा ओलिंपिक है. तोक्यो ओलिंपिक में मनु भाकर मेडल की सबसे बड़ी उम्मीद थीं, लेकिन इवेंट के दौरान पिस्टल में आई खराबी के कारण उनका सफर क्वॉलिफिकेशन से आगे नहीं बढ़ पाया था. भारत का मौजूदा पेरिस ओलंपिक में यह पहला मेडल रहा. साथ ही ओलंपिक के

इतिहास में भारत का यह शूटिंग में पांचवां मेडल रहा. कोरियाई खिलाड़ियों ओह ये जिन ने गोल्ड (243.2 अंक) और किम येजी (241.3) ने सिल्वर मेडल जीता. मनु भाकर ने जैसे ही मेडल पर निशाना लगाया, देश खुशी से झूम उठा. निशानेबाज मनु भाकर को चारों ओर से बधाइयां मिल रही हैं. राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मनु को बधाई देते हुए कहा, मुझे आप पर गर्व है. पीएम नरेंद्र मोदी ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए बधाई दी है और उनकी इस जीत को ऐतिहासिक बताया है. पीएम मोदी ने मनु भाकर की सफलता को अविश्वसनीय उपलब्धि बताया है.

पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि, बहुत अच्छा, पेरिस ओलंपिक 2024 में भारत का पहला पदक जीतने के लिए! कांस्य पदक के लिए बधाई. यह सफलता इसलिए और भी खास है क्योंकि वह भारत के लिए शूटिंग में पदक जीतने वाली पहली महिला बन गई हैं. एक अविश्वसनीय उपलब्धि!

कांटे के फाइनल में जब तीसरे स्थान के लिए उनके नाम का ऐलान हुआ, तो उनके चेहरे पर सुकून की एक मुस्कान थी और एक कसक भी कि 0.1 अंक और होते तो पदक का रंग कुछ और होता. लेकिन ओलंपिक पदक तो ओलंपिक पदक है. इसलिए भी अहम है क्योंकि पिछले 12 साल से भारतीय निशानेबाज ओलंपिक से खाली हाथ लौट रहे थे. अपनी गर्दन के पीछे स्टिल आई राइज का टैटू बनवाने वाली मनु की इस कामयाबी की दास्तान उनके गुरु पिस्टल किंग जसपाल राणा के जिक्र के बिना अधूरी रहेगी. राष्ट्रमंडल और एशियाई खेलों में दर्जनों पदक जीत चुके पिस्टल निशानेबाजी के लीजैंड राणा के साथ मनु का खट्टा मीठा रिश्ता रहा है. वह 2018 एशियाई खेलों से पहले मनु के कोच बने और उनके मार्गदर्शन में मनु ने सीनियर विश्व कप के दस पदक (2018 से 2021) जीते. तोक्यो ओलंपिक से पहले मार्च 2021 में मनमुटाव के कारण दोनों अलग हो गए थे. पिछले साल मनु ने एक बार फिर द्रोणाचार्य सम्मानित कोच राणा के साथ जुड़ने का फैसला किया और नतीजा सामने है.

बता नहीं सकती कैसा लग रहा है

मनु ने कहा, तोक्यो के बाद मैं बहुत निराश थी और मुझे इससे उबरने में बहुत लंबा समय लगा. सच कहूं तो मैं यह नहीं बता सकती कि आज मैं कितना अच्छा महसूस कर रही हूं. मनु का तोक्यो ओलंपिक में इसी स्पर्धा के क्वालिफिकेशन के दौरान पिस्टल में खराबी के कारण आंसुओं के साथ अभियान समाप्त हो गया था, लेकिन आज उनके चेहरे पर मुस्कान थी. उन्होंने कहा, मैं अपनी पूरी ऊर्जा के साथ लड़ रही थी. मैं आभारी हूं कि कांस्य पदक जीत सकी. मैंने भगवद गीता पढ़ी है और हमेशा वही करने की कोशिश की जो मुझे करना चाहिए, बाकी सब भगवान पर छोड़ दिया. 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा की विश्व चैंपियन निशानेबाज ने कहा, हम भाग्य से नहीं लड़ सकते. मनु ने कहा, चिंता नहीं करनी है. भारत इस ओलंपिक में बहुत सारे पदक जीतने वाला है.

ऐसा करनेवाली पांचवीं भारतीय

मनु ओलंपिक में मेडल जीतनेवाली पांचवीं भारतीय निशानेबाज हैं. भारत ने ओलंपिक में सबसे पहला मेडल 2004 में एथेंस ओलंपिक में जीता था. तब राजवर्धन सिंह राठौर ने डबल ट्रैप इवेंट में सिल्वर हासिल किया था. अभिनव बिंद्रा ने 2008 में बीजिंग में 10 मीटर एयर राइफल में गोल्ड पर निशाना लगाया था. यह भारत के लिए किसी व्यक्तिगत खेल में पहला स्वर्ण था. विजय कुमार ने 2012 में लंदन में 25 मीटर पुरुष पिस्टल इवेंट में सिल्वर जीता था. गगन नारंग ने लंदन ओलंपिक में 10 मीटर एयर राइफल में ब्रॉन्ज अपने नाम किया था.

क्वॉलिफाइंग राउंड में मनु का प्रदर्शन

मनु ने क्वॉलिफाइंग राउंड में दमदार प्रदर्शन किया. उन्होंने अपनी छह श्रृंखलाओं में सटीक निशानेबाजी का प्रदर्शन करते हुए 580 अंक प्राप्त किए. उनके 97, 97, 98, 96, 96 और 96 के स्कोर ने उन्हें लगातार शीर्ष पर बनाए रखा, लेकिन वह आखिर में टॉप-3 में रहीं. बता दें कि मनु टोक्यो ओलंपिक में मेडल जीतने से चूक गई थीं. वह टोक्यो में पिस्टल में खराबी के कारण फाइनल में एंट्री करने में विफल रही थीं.

सर्राफा

सोना (बिक्री)	64,700
चांदी (किलो)	85,000

ब्रीफ खबरें

जज जमानत मामलों में अपना विवेक लगाएं

बेंगलुरु। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि आपराधिक मामलों में, संदेह की गुंजाइश रहने की स्थिति में अधीनस्थ अदालत के जज जमानत देकर कोई जोखिम नहीं उठाना चाहते हैं. उन्होंने प्रत्येक मामले की बारीकियों पर गौर करने के लिए सामान्य समझ और विवेक का इस्तेमाल करने पर बल दिया. चीफ जस्टिस ने कहा, जिन लोगों को निचली अदालतों से जमानत मिलनी चाहिए, उन्हें वहां जमानत नहीं मिल रही, जिससे उन्हें उच्च न्यायालयों का रुख करना पड़ता है. यह देरी उन लोगों की समस्या को और बढ़ा देती है, जो मनमाने तरीके से गिरफ्तारियों का सामना कर रहे हैं.

भोजपुरी को आधिकारिक दर्जा के लिए निजी बिल

नयी दिल्ली। भोजपुरी सुपरस्टार और भाजपा सांसद रवि किशन ने भोजपुरी को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने के लिए लोकसभा में एक निजी सदस्य विधेयक पेश किया है, ताकि इसे आधिकारिक भाषा का दर्जा दिया जा सके. रवि किशन ने संविधान (संशोधन) विधेयक, 2024 पेश किया और कहा कि वह इस बात को रेखांकित करना चाहते हैं कि भोजपुरी भाषा बकवास गीतों के बारे में नहीं है, बल्कि इसका एक समृद्ध सांस्कृतिक इतिहास और साहित्य है जिसे बढ़ावा देने की आवश्यकता है.

खादी का कारोबार डेढ़ लाख करोड़ के पार

नयी दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि खादी ग्रामोद्योग का कारोबार पहली बार डेढ़ लाख करोड़ रुपए के पार पहुंच गया है तथा खादी एवं हथकरघा की बढ़ती बिक्री बड़ी संख्या में रोजगार के नए अवसर पैदा कर रही है.

माता प्रसाद पांडेय यूपी विस में नेता प्रतिपक्ष

लखनऊ। यूपी विधानसभा में समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ सदस्य माता प्रसाद पांडेय नेता प्रतिपक्ष होंगे. यह पद सपा प्रमुख अखिलेश यादव के सांसद चुने जाने के बाद विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा देने की वजह से रिक्त हुआ था.

महात्मा गांधी का संदेश आज भी प्रासंगिक है

टोक्यो। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने रविवार को कहा कि महात्मा गांधी का यह शाश्वत संदेश संघर्ष, धुव्रीकरण और रक्तपात देख रही दुनिया पर आज भी लागू होता है कि समाधान युद्ध के मैदान से नहीं निकलते और कोई भी युग युद्ध का युग नहीं होना चाहिए.

बड़ी खबर: झारखंड की 23 बड़ी खदानें नीलामी के लिए तैयार

सर्वे का काम पूरा

रवि भारती। रांची

- पांच बॉक्साइट, एक तांबा और आठ आयरन ओर की हैं खदानें
- छह ग्रेफाइट, दो डोलोमाइट और एक मैग्नेटाइट की खदान का सर्वे पूरा
- झारखंड की मस्कानिया-गरेरियाटोला-बारवारी पोटाश ब्लॉक की नीलामी रद्द

झारखंड की 23 बड़ी खदानें नीलामी के लिए तैयार हैं. इनके सर्वे का काम पूरा हो गया है. ये खदानें गुमला, लोहरदगा, गिरिडीह, चाईबासा, प. सिंहभूम और पलामू में स्थित हैं. इनमें 5 बॉक्साइट, 1 तांबा, 8 आयरन ओर, 6 ग्रेफाइट, 2 डोलामाइट व 1 मैग्नेटाइट की खदान शामिल हैं. गिरिडीह के अंबाडीह में 47 हेक्टेयर में तांबे की खदान है. वहीं लोहरदगा और गुमला में 6 बॉक्साइट खदानें हैं. चाईबासा में 8 आयरन ओर, पलामू में 6 ग्रेफाइट की खदाने हैं. वहीं पलामू में ही 2 डोलामाइट-लाइम स्टोन खदानें हैं.

राज्य में फिलहाल 12 अधिक बड़ी खदानों की भी नीलामी होगी. इसकी भी प्रक्रिया पूरी की जा रही है. इनमें दो ग्रेफाइड, 3 बॉक्साइट खदानें शामिल हैं. इसके अलावा हरिपुर लेम में 5 चूना पत्थर की खदानों की नीलामी की जानी है. आयरन ओर की दो खदान घाटकुरी वन और टू की भी नीलामी की जाएगी. इसके अलावा मैगनीज की खदान की नीलामी की प्रक्रिया पूरी की जा रही है. जानकारी के अनुसार राज्य में 20 लघु खनिज खदानों की नीलामी की प्रक्रिया लगभग पूरी कर ली गई है. बताते चलें कि राज्य में मौजूद 79 लघु खनिज खदानों में अब तक 49 लघु खनिज खदानों की बोली लग चुकी है.

झारखंड सहित तीन राज्यों की तीन खदानों की नीलामी रद्द

झारखंड सहित तीन राज्यों की तीन खनिज खदानों की नीलामी रद्द कर दी गई है. इसकी वजह यह रही कि नीलामी के नियमों के अनुसार जरूरत की संख्या के अनुसार बोली नहीं लग पाई. बताते चलें कि कोल मंत्रालय ने 14 मार्च को नीलामी के तीसरे चरण में सात खनिज खदानों की बिक्री शुरू की थी. जिस खदानों की नीलामी रद्द की गई, उनमें जम्मू-कश्मीर का सलाल-हैमना लिथियम, टाइटेनियम और बॉक्साइट (एल्युमिनस लेटराइट) खदान, झारखंड की मस्कानिया-गरेरियाटोला-बारवारी पोटाश खदान और तमिलनाडु का कुरुंजाकुलम ग्रेफाइट खदान शामिल हैं.

चाईबासा में किस खनिज की खदान

खदान का नाम	खनिज	कितने हेक्टेयर में
बंधबुरू	आयरन ओर	19.331
नोवामुंडी वन	आयरन ओर	141.64
नोवामुंडी टू	आयरन ओर	31.97
करमपदा	आयरन ओर	233.99
बोकना	आयरन ओर	202.35
मीठा झरना	मैग्नेटाइट	1608.90
मेरालगारा	आयरन ओर	66.78
ठाकुरानी	आयरन ओर	84.68
खासजमदा	आयरन ओर	265.88

लोहरदगा में किस खनिज की खदान

खदान का नाम	खनिज	कितने हेक्टेयर में
मनहिपत	बॉक्साइट	23
डुबंरटोली वन	बॉक्साइट	50
डुंबरटोली टू	बॉक्साइट	15

पलामू में किस खनिज की खदान

खदान का नाम	खनिज	कितने हेक्टेयर में
पुरनाडीह	ग्रेफाइट	37
गुटूआ	ग्रेफाइट	35.8
चंपी	ग्रेफाइट	100
सोकरा	ग्रेफाइट	700
भागपरसिया	ग्रेफाइट	45
सिकट	ग्रेफाइट	100
चामाकालन	डोलोमाइट	191
हेसलदाग	डोलोमाइट	180

गुमला में किस खनिज की खदान

खदान का नाम	खनिज	कितने हेक्टेयर में
उडनी वन	बॉक्साइट	300
उडनी टू	बॉक्साइट	100

गिरिडीह में किस खनिज की खदान

खदान का नाम	खनिज	कितने हेक्टेयर में
अंबाडीह	तांबा	47

नरसिंह इस्पात की जांच में ढिलाई से ग्रामीण मायूस

दिलीप कुमार। चांडिल

नरसिंह इस्पात कंपनी मामले में प्रशासनिक हलचल के बाद ग्रामीणों में जो आस जगी थी, अब वह धीरे-धीरे धूमिल हो रही है. कंपनी पर ग्रामीणों द्वारा लगाए गए आरोप की जांच के लिए चांडिल के अनुमंडल पदाधिकारी द्वारा वन और पर्यावरण विभाग को भेजी गई चिट्ठी का जवाब नहीं आने और सरायकेला-खरसांवा के उपायुक्त द्वारा आरोपों की जांच के लिए गठित टीम द्वारा अबतक जांच नहीं किए जाने से ग्रामीणों में आक्रोश भी व्याप्त है. ग्रामीणों का कहना है कि प्रशासन इस मामले में शिथिलता बरतते हुए अब इसे ठंडे बस्ते में डाल देगी.

उनके अनुसार इसका एकमात्र कारण कंपनी के कमियों पर पर्दा नहीं डाल पाना है. ग्रामीणों का कहना है कि जांच होने पर गैर कानूनी रूप से चलाई जा रही इस कंपनी पर गाज गिरना तय है. कंपनी प्रबंधन अपनी पहुंच और पैसे के बल पर जांच को रुकवाने का प्रयास कर रही है. इसी का नतीजा है कि जांच के लिए तय तिथि बार-बार बदल दिया जा रहा है. उपायुक्त द्वारा गठित जांच टीम को सबसे पहले 16 जुलाई तक जांच रिपोर्ट सौंपनी थी, लेकिन जांच नहीं हुई और टीम ने 16 जुलाई को जांच रिपोर्ट नहीं सौंपा. इसके बाद जांच के लिए दूसरी तिथि 24 जुलाई निर्धारित की गई थी. इस तिथि तक भी कंपनी पर लगे आरोपों की जांच नहीं की जा सकी है. लंबे समय के बाद भी जांच नहीं होने से ग्रामीणों के बीच तरह-तरह की चर्चा हो रही है. ग्रामीणों का कहना है कि प्रशासन वास्तविकता उजागर नहीं कर कंपनी का सहयोग कर रहा है. ग्रामीणों का कहना है कि जब सरकार ने विधानसभा के पटल पर यह स्वीकार किया है कि कंपनी प्रबंधन ने सरकारी जमीन को अतिक्रमण किया है, तो अब जांच किसकी होनी है. क्या अब जांच में उसे निराधार बताया जाएगा. खूंटी ग्राम सभा और ग्रामीणों का कहना है कि अब वह अपनी समस्या लेकर कहां जाएंगे. जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक पदाधिकारी ग्रामीणों की समस्या पर अगर इस प्रकार का उदासीन रवैया अपनाएंगे, तो समाधान कैसे होगा.

- लोगों को अंदेशा प्रशासन मामले को ठंडे बस्ते में डाल देगा
- जमीन की जांच के लिए गठित टीम ने 10 दिन बाद भी नहीं शुरू किया काम
- वन और प्रदूषण विभाग एसडीओ की चिट्ठी के बाद सो गया है

वन- प्रदूषण विभाग ने अब तक नहीं किया सत्यापन

हिंदी दैनिक अखबार शुभम संदेश में छपी खबर के आधार पर चांडिल की अनुमंडल पदाधिकारी शुभ्रा रानी ने नरसिंह इस्पात कंपनी को नोटिस जारी कर तीन बिंदुओं पर जवाब मांगा था. एसडीओ ने कंपनी प्रबंधन को नोटिस जारी कर सरकारी जमीन हस्तांतरण का दस्तावेज, वन एवं पर्यावरण विभाग का क्लीयरेंस और झारखंड प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड का अनापत्ति प्रमाण पत्र जमा करने का निर्देश दिया था. नोटिस का जवाब देते हुए कंपनी प्रबंधन ने कहा है कि कंपनी के नाम पर सरकारी जमीन का हस्तांतरण नहीं किया गया है. वहीं कंपनी प्रबंधन ने 26 जून 2024 को निर्गत प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड का प्रमाण पत्र और वर्ष 2018 का एमओईएफ जमा किया था. कंपनी प्रबंधन ने वन विभाग से मिले किसी भी प्रकार का अनापत्ति प्रमाण पत्र जमा नहीं किया था. अनुमंडल पदाधिकारी ने एमओईएफ और प्रदूषण अनापत्ति प्रमाण पत्र को सत्यापन के लिए संबंधित विभाग के पास भेजा था. दोनों प्रमाण पत्रों का सत्यापन अब तक नहीं किया जा सका है.

खुशखबरी: एनटीए ने जारी किया सीयूईटी यूजी का रिजल्ट

रांची। सीयूईटी यूजी रिजल्ट का इंतजार कर रहे छात्रों के लिए बड़ी खबर आई है. नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट - अंडरग्रेजुएट 2024 का परिणाम रविवार को घोषित कर दिया.

एनटीए ने सीयूईटी यूजी परीक्षा हाइब्रिड मोड (ऑनलाइन और ऑफलाइन) में 15, 16, 17, 18, 21, 22, 24 व 29 मई को 26 अंतरराष्ट्रीय स्थानों सहित 379 शहरों के कई परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की थी. सीयूईटी यूजी की पुनः परीक्षा 19 जुलाई को हुई थी. परीक्षा के लिए लगभग 13.48 लाख उम्मीदवार शामिल हुए. सीयूईटी अनंतिम उत्तर कुंजी 7 जुलाई को जारी हुई थी, और उम्मीदवार 9 जुलाई तक आपत्तियां उठा सकते थे.

खराब शहरी नियोजन की कीमत चुका रहे लोग: राहुल

एजेंसी। नयी दिल्ली

दिल्ली के ओल्ड राजेंद्र नगर स्थित एक कोचिंग संस्थान में हादसे को लेकर लोकसभा में विपक्ष और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सरकार पर हमला बोला है. उन्होंने कोचिंग संस्थान के बेसमेंट में जलभराव में मृत तीन बच्चों की मौत पर शोक जताया. राहुल ने कहा कि लोग असुरक्षित निर्माण, खराब शहरी नियोजन और संस्थानों की गैर जिम्मेदारी की कीमत चुका रहे हैं.

राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट किया कि दिल्ली में इमारत के बेसमेंट में जलभराव के कारण प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों की मौत बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है. कुछ दिन पहले बारिश के दौरान बिजली का झटका लगने से एक छात्र की मौत हो गई थी. उन्होंने शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना जताई. साथ ही कहा कि बुनियादी ढांचे का यह पतन सिस्टम की विफलता है. लोग असुरक्षित निर्माण, खराब टाउन प्लानिंग और हर स्तर पर संस्थानों की गैरजिम्मेदारी की कीमत अपनी जान गंवा कर चुका रहे हैं. राहुल गांधी ने कहा कि सुरक्षित और आरामदायक जीवन प्रत्येक नागरिक का अधिकार है. सरकार की जिम्मेदारी है कि वह उनको सुरक्षित जीवन जीने का माहौल दे.

झारखंड के नए राज्यपाल ने मोदी का जताया आभार

मुझे जो नई जिम्मेदारी मिली है, उस पर खरा उतरूंगा

एजेंसी। बरेली (यूपी)

झारखंड का राज्यपाल नियुक्त किए जाने के बाद पूर्व केंद्रीय मंत्री संतोष गंगवार ने पीएम मोदी का आभार जताया और कहा कि पीएम ने उन्हें जो नयी जिम्मेदारी दी है, वह उस पर खरा उतरेंगे. वह आठ बार सांसद रह चुके हैं. उनको राज्यपाल नियुक्त किए जाने की घोषणा होते ही बीती रात में उनके आवास पर कार्यकर्ताओं का पहुंचना शुरू हो गया और मिठाई खिला कर खुशी जाहिर की.

गंगवार ने कहा, जो जिम्मेदारी मिली है, उस पर खरा उतरूंगा. नई भूमिका मिलने से अभिभूत गंगवार ने कहा, पार्टी ने हमेशा बिना मांगे मुझे सब कुछ दिया. -शेष पेज 7 पर

झारखंड हमेशा मेरे दिल के करीब रहेगा

रांची। निवर्तमान राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने महाराष्ट्र का राज्यपाल बनने पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और पीएम नरेंद्र मोदी का आभार जताया है. राधाकृष्णन महाराष्ट्र में रमेश बैस का स्थान लेंगे. राधाकृष्णन के पास तेलंगाना का अतिरिक्त प्रभार भी था. राज्यपाल राधाकृष्णन ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, मुझे बहुत गर्व है और मेरे लिए यह सम्मान की बात है कि मुझे तीन राज्यों-झारखंड, तेलंगाना और पुडुचेरी की सेवा करने का अद्भुत अवसर मिला. ये राज्य हमेशा मेरे दिल के करीब रहेंगे. मैं इन तीन राज्यों को शुभकामनाएं देता हूं. उन्होंने महाराष्ट्र के राज्यपाल के तौर पर नयी जिम्मेदारी सौंपने के लिए गृह मंत्री अमित शाह का भी आभार व्यक्त किया.

चिंताजनक नए अध्ययन में हुआ खुलासा, गिद्धों का इंसानों से कैसे है सीधा कनेक्शन

गिद्धों की संख्या में होती कमी से बढ़ी इंसानी मौत

एजेंसी। नयी दिल्ली

एक नई स्टडी में पता चला है कि भारत में गिद्धों की संख्या में आई तेज गिरावट का संबंध इंसानों की मौतों में हुई बढ़ोतरी से है. 2000 से 2005 के आंकड़ों के आधार पर अमेरिकन इकोनॉमिक एसोसिएशन जर्नल में ये स्टडी सामने आई है. इसमें बताया गया है कि जिन जिलों में गिद्धों की संख्या घटी है, वहां इंसानों की मौत के मामलों में कम से कम 4% की बढ़ोतरी दर्ज की गई है. स्टडी में इस बढ़ोतरी के पीछे आवारा कुत्तों और चूहों से रेबीज के बढ़ते मामलों को वजह बताया गया है, जो मरे हुए जानवरों को खाते हैं. इसके अलावा, वॉटर पॉल्यूशन और सतह पर बहने वाले दूषित पानी को भी इसकी वजह माना गया है.

गिद्धों का मानव मौत से क्या कनेक्शन

अमेरिकन इकोनॉमिक एसोसिएशन (एईए) जर्नल में छपी इस स्टडी के मुताबिक, 2000 से 2005 के बीच जिन जिलों में गिद्धों की संख्या घटी है, वहां इंसानों की मौत के मामलों में कम से कम 4% की बढ़ोतरी दर्ज की गई है. ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि कुछ जानवर मरे हुए जानवरों को खाते हैं. लेकिन गिद्धों के लिए यही खाने का एकमात्र स्रोत होता है. इसलिए, गिद्धों को बहुत ही कुशल सफाईकर्मी माना जाता है. कुत्तों और चूहों जैसी प्रजातियों के विपरीत, गिद्ध मांस को पीछे नहीं छोड़ते हैं और उनसे बीमारियों के फैलने का खतरा कम होता है.

स्टडी में चौंकाने वाला खुलासा

अमेरिकन इकोनॉमिक एसोसिएशन की स्टडी में बताया गया है कि कैसे गिद्धों के न रहने पर सड़ता हुआ मांस और उसकी गंध कुत्तों को आकर्षित करती है. कुत्ते और चूहे जब मांस को खाते हैं, तो पूरा साफ नहीं करते, जिससे बीमारियां फैलती हैं. ये जानवर कम कुशल सफाईकर्मी होते हैं, जिससे शव बीमारियों का अड्डा बन जाते हैं. चूहों और कुत्तों की आबादी में वृद्धि से रेबीज के मामले बढ़ते हैं. एंथ्रेक्स जैसी बीमारियां दूसरे जानवरों और इंसानों में तेजी से फैलती हैं.

तेजी से लुप्त हो रहे गिद्ध, क्यों है टेंशन की बात

दिल्ली का गाजीपुर लैंडफिल साइट उन चुनिंदा जगहों में से एक है, जहां अब भी गिद्ध देखे जा सकते हैं. 1990 के दशक तक भारत में अक्सर दिखने वाले ये पक्षी अब तेजी से विलुप्त होते जा रहे हैं. पांच करोड़ की आबादी वाला ये पक्षी अब देश में सबसे ज्यादा खतरे में हैं. गिद्धों की घटती संख्या गंभीर चिंता का विषय है और उनकी आबादी को फिर से बढ़ाने की कोशिशें की जा रही हैं. इस बीच, एक नई स्टडी से पहली बार खुलासा हुआ कि कैसे इस प्रजाति की संख्या में तेज गिरावट का संबंध इंसानों की मौतों में बढ़ोतरी से है.

इसलिए बढ़ रही इंसानों की मौत: वहीं बात करें गिद्ध की तो वो हमेशा मांस को पूरा खत्म करते हैं. पीछे कुछ भी नहीं छोड़ते. ऐसे में उनसे बीमारियों के फैलने का खतरा कम हो जाता है. स्टडी के मुताबिक, शवों को नदियों में फेंकने से इसका भी पानी प्रदूषित होता है. खास तौर पर सतह पर बहने वाला दूषित पानी भी बीमारियों को बढ़ाते हैं. अमेरिकन इकोनॉमिक एसोसिएशन की स्टडी के अनुसार, इन सभी कारणों से इंसानों की मौतों में बढ़ोतरी हुई है.

मुख्यमंत्री ने दी नए राज्यपाल को बधाई

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने झारखंड के नवनियुक्त राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार को बधाई दी है. सोरेन ने एक्स पर कहा, झारखंड के नव नियुक्त राज्यपाल संतोष गंगवार जी को बधाई, शुभकामनाएं और जोहार. झारखंड की महान और वीर भूमि पर आपका स्वागत है. सोरेन ने महाराष्ट्र का राज्यपाल नियुक्त किए जाने के लिए राधाकृष्णन को भी बधाई दी है.

तेजी से बदल रही है संतालपरगना की डेमोग्राफी : आशा लकड़ा

आदिवासी युवतियों से शादी कर हड़प रहे जमीन

प्रमुख संवाददाता। रांची

रांची की पूर्व मेयर, सह राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग की सदस्य आशा लकड़ा ने कहा है कि संताल परगना प्रमंडल की डेमोग्राफी तेजी से बदल रही है. बांग्लादेशी मुसलमान वहां की आदिवासी युवतियों से शादी कर उनकी जमीन हड़प रहे हैं. स्थिति इतनी भयावह हो गई है कि बांग्लादेशी मुसलमानों के करण वहां के आदिवासी समुदाय उनके खिलाफ कुछ भी नहीं बोल पा रहे हैं. ना ही उनके खिलाफ थाना में एसटी केस दर्ज करा पा रहे हैं. आशा लकड़ा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कई उदाहरणों को भी सामने रखा. कहा कि इन उदाहरणों से स्पष्ट हो जाएगा कि बांग्लादेशी मुसलमान कैसे

संथाल परगना की भोली-भाली आदिवासी युवतियों से शादी कर डेमोग्राफी को चेंज कर रहे हैं.

संतालपरगना ऐसे हो रही डेमोग्राफी चेंज : लकड़ा

- साहिबगंज के बरहेट प्रखंड स्थित कदमा पंचायत के संथाली उत्तर की मुखिया सोनाली हांसदा है, उनके पति मोहम्मद आजाद है.
- कदमा पंचायत की मुखिया एंजेलना हांसदा हैं और उनके पति का नाम जैनुल शेख है.
- गोपालडीह पंचायत की मुखिया सुनीता टुडू हैं और उनके पति का नाम समनु शेख है.
- उदवा प्रखंड स्थित दक्षिण बेगमगंज पंचायत की मुखिया ललिता टुडू हैं और उनके पति का नाम उस्मान शेख है.
- राजमहल प्रखंड स्थित लखीपुर पंचायत की मुखिया सुहागिनी सोरेन हैं और उनके पति का नाम सनाउल शेख है.
- बरहरवा प्रखंड स्थित सालगाड़ी पंचायत की मुखिया मार्था मालतो हैं और उनके पति का नाम मोहम्मद रहमान विश्वास है.
- मधुवापाड़ा पंचायत की मुखिया मरंगबिरि हांसदा हैं और उनके पति का नाम समीरुल इस्लाम है.
- म्यूरकोला पंचायत की मुखिया सोना किस्कू हैं और उनके पति का नाम वकील अंसारी है.
- बरहेट प्रखंड स्थित फुलभंग की पंचायत सदस्य सुनीता हांसदा हैं और उनके पति भी मुसलमान हैं.
- साहिबगंज की जिला अध्यक्ष मोनिका किस्कू हैं व उनके दिवंगत पति का नाम एजाज शेख था.

झारखंड प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता सोनाल शांति ने भाजपा पर किया पलटवार

झारखंड के टुकड़े-टुकड़े करना चाहती है भाजपा

विशेष संवाददाता। रांची

झारखंड के टुकड़े-टुकड़े करना चाहती है भाजपा, झारखंडियों के भावनाओं से खेल रही है. भाजपा हमेशा झारखंडवासियों में अलगाववाद पैदा करने की कोशिश करती है. यह बातें प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सोनाल शांति ने कही. उन्होंने सांसद निशिकांत दुबे द्वारा संसद में संथालपरगना, बिहार और पश्चिम बंगाल के कुछ भागों को मिलाकर केंद्र शासित प्रदेश बनाने की मांग का विरोध करते हुए कहा कि भाजपा का असली चरित्र धीरे-धीरे उजागर हो रहा है. झारखंड में आदिवासी समुदाय का भाजपा से दूर होना उन्हें पच नहीं रहा है.

विरंची जिस थाली में खाते हैं, उसी में छेद करते हैं : उन्होंने विधानसभा में भाजपा के सचेतक विरंची नारायण द्वारा केंद्र शासित प्रदेश का समर्थन करने पर कहां की भाजपा नेताओं की पुरानी आदत है कि वह जिस थाली में खाते हैं, उसी थाली में छेद करते हैं. अपने केंद्रीय आकाओं को खुश करने के लिए बाबूलाल मरांडी के नेतृत्व में झारखंड का विभाजन करने को तैयार बैठे हैं.

भाजपा की कई महिला नेत्रियों ने ही गैर आदिवासियों से विवाह किया है : हेमलाल

रांची/बरहेट। झामुमो प्रवक्ता व पूर्व सांसद हेमलाल मुर्मू ने भी घुसपैठ मामले पर भाजपा को घेरा है. उन्होंने ने कहा कि भाजपा में कई ऐसी महिला नेत्री हैं जिन्होंने गैर आदिवासियों से विवाह किया. एक नेत्री तो बाबूलाल मरांडी के बगल में बैठा करती हैं. क्या भाजपा इसकी सूची जारी कर सकती है. भाजपा विस चुनाव निकट देखकर बांग्लादेशी घुसपैठ का मुद्दा उठा रही है. यह बातें मुर्मू ने बरहेट में आयोजित एक प्रेस वार्ता के दौरान कही. मुर्मू ने कहा कि झारखंड में लोकसभा चुनाव में पांचों आरक्षित आदिवासी सीटें हारने के बाद भाजपा बांग्लादेशी घुसपैठियों नाम पर राजनीतिक कर रही है. गोड्डा के सांसद निशिकांत दुबे ने बांग्लादेशी घुसपैठियों के खिलाफ पार्लियामेंट में आवाज उठाई. भाजपा इसे राजनीतिक रंग देने का प्रयास कर रही है. झारखंड लोकसभा चुनाव में आदिवासी व मुसलमानों ने मिलकर बीजेपी को हराया है. अब भाजपा को बांग्लादेशी घुसपैठियों का याद आ रही है,

ब्रीफ खबरें

राज्य सरकार ने सिर्फ धोखा दिया : सुदेश

रांची/चंदनकियारी। आजसू पार्टी की चंदनकियारी विधानसभा स्तरीय चूल्हा का सम्मेलन चंडीपुर फुटबॉल मैदान में आयोजित किया गया. सम्मेलन को संबोधित करते हुए सुदेश महतो ने कहा जनता ने सरकार को अपना बहुमूल्य मत देकर जनसेवा का मौका दिया था. लेकिन सरकार ने जनता से वादाखिलाफी कर उन्हें धोखा दिया है. पिछले चुनाव में बड़े बड़े वादों की पोटली लेकर जनता के समक्ष जाने वाली सरकार पांच सालों में एक भी वादे को धरातल पर नहीं उतर पाई. झामुमो के लिए विकास का अर्थ परिवार का विकास है. आजसू पार्टी का समाज के सभी वर्गों का विकास हमारी प्राथमिकता है.

जमशेदपुर-सरायकेला जेल आधुनिक बनेगा

रांची। जमशेपुर और सरायकेला जेल के आधुनिकीकरण का कार्य होगा. इसको लेकर विकार एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने 2.36 करोड़ की राशि स्वीकृति की है. राशि की निकासी और खर्च का जिम्मा जेल आईजी की होगी. इसके अलावा राशि की निकासी संबंधित जिले के जिला कोषागार से की जायेगी और राशि की निकासी कर झारखंड पुलिस हाउसिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड के खाते में ट्रांसफर किया जायेगी. जमशेदपुर जेल में होमगार्ड बैरक, जैप बैरक, एक्स आर्मी बैरक, बाउंड्री वॉल, प्रोवेशन ऑफिस की मरम्मत का कार्य 2.16 करोड़ की लागत से होगा. जबकि सरायकेला जेल में 20.38 लाख से डॉक्टर का वार्ड और लाइब्रेरी की मरम्मत होगी.

सचिवालय स्वयंसेवक संघ का घेराव आज

रांची। पंचायत सचिवालय स्वयंसेवक संघ का जो कैबिनेट से घोषणा 12 मार्च को की गई, उसे लागू करवाने के लिए 29 जुलाई से 2 अगस्त तक विधानसभा का घेराव किया जाएगा. प्रदेश अध्यक्ष चंद्रदीप कुमार ने बताया सोमवार को सभी लोग पुराना विधानसभा के मैदान में जुटेंगे और वहां से पैदल मार्च करते हुए विधानसभा घेराव करने के लिए दोपहर एक बजे निकलेंगे. पंचायत सचिवालय स्वयं सेवक संघ, झारखंड प्रदेश की ओर से पिछले बार 253 दिन आंदोलन करने के बाद 12 मार्च को कैबिनेट से घोषणा की गई थी पर अभी तक उसे जमीनी स्तर पर लागू नहीं किया गया है. पंचायती राज विभाग के द्वारा एक लेटर निकाल कर 9 जुलाई को रोक भी दिया गया. इसके कारण स्वयंसेवकों में काफी आक्रोश है.

विस चुनाव में सीट शेयरिंग नहीं होगा आसान, मासस तीन सीटों पर करेगी दावेदारी

मासस का माले में विलय होने से बढ़ेगा इंडिया गठबंधन का टेंशन

कौशल आनंद। रांची

मार्क्सवादी समन्वय समिति का भाकपा माले में विलय अब महज औपरचारिकता ही रह गयी है. बहुत जल्द एक तिथि निर्धारित करके मासस का माले में आधिकारिक तौर पर विलय हो जायेगा. लेकिन इस विलय के बाद इंडिया गठबंधन का टेंशन बढ़ेगा, यह तय है. क्योंकि राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर माले इंडिया गठबंधन का प्री-पोल एलायंस पार्टनर है. ऐसे में माले की ओर से अपने हिस्से के तीन और मासस के हिस्से के तीन यानी कुल छह सीटों पर दावेदारी होगी. अगर ऐसा हुआ तो इंडिया गठबंधन के लिए सीट शेयरिंग की राह बहुत मुश्किल हो सकती है. अब इंडिया गठबंधन सीट शेयरिंग कैसे करेगा, यह देखना काफी दिलचस्प होगा.

माले इन छह सीटों पर करेगा दावेदारी : माले अपनी तरफ से बगोदर, राजधनवार और जमुआ सीट, वहीं मासस की ओर से निरसा, सिंदरी और चंदनक्यारी सीट पर दावेदारी करेगा. यानी माले कुल छह सीट पर दावेदारी करेगा. माले को छह सीट देना गठबंधन के लिए इतना आसान नहीं होगा.

झामुमो, कांग्रेस और राजद की इतनी सीट पर दावेदारी : पिछली बार झामुमो 43 सीट पर विधानसभा चुनाव लड़ा था, मगर इस बार पार्टी का दावा 50 सीट पर है. वहीं कांग्रेस पिछली बार 31 सीट पर चुनाव लड़ी थी. इस बार इसका दावा 33 सीट पर है.

अरूप चटर्जी

खास बातें

- मासस और माले मिलकर छह सीटों पर करेंगे दावेदारी
- सीट शेयरिंग में गठबंधन के छूटेंगे पसीने, मंथन जारी

2019 में झामुमो, कांग्रेस, राजद ने इन सीटों पर लड़ा था चुनाव

झामुमो : गुमला, सिसई, घाटशिला, गांडेय, बरहेट, दुमका, चाईबासा, चक्रधरपुर, मनोहरपुर, गिरिडीह, बोरिया, महेशपुर, टुन्डी, शिकारीपाड़ा, सरायकेला, सिल्ली, जामा, डुमरी, बहरागोड़ा, लिट्टीपाड़ा, बिशुनपुर, लातेहार, गढ़वा.
कांग्रेस : बरही, धनबाद, पाकुड़, बेरमो, जमशेदपुर दोनों, रामगढ़, मनिका, बोकारो, डाल्टनगंज, खिजरी, कांके, पांकी, विश्रामपुर, लोहरदगा.
राजद : देवघर, चतरा, छतरपुर, गोड्डा, हुसैनाबाद, कोडरमा, और बरकट्ठा

मासस पुरानी तीन सीटों पर करेगी दावेदारी : अरूप

मासस राज्य प्रमुख और निरसा के पूर्व विधायक अरूप चटर्जी ने कहा कि माले में विलय की सहमति बन चुकी है. मगर अभी आधिकारिक रूप से विलय की तिथि तय नहीं हुई है. बहुत जल्द सब कुछ तय करके विलय की प्रक्रिया पूरी कर ली जायेगी. सीट दावेदारी को लेकर उन्होंने कहा कि मासस अपनी पुरानी तीन सीट सिंदरी, निरसा और चंनक्यारी की मांग करेगी. वहीं माले की ओर से भी तीन सीट की दावेदारी होगी. इस तरह कुल मिलाकर छह सीट की दावेदारी गठबंधन से होगी.

सरकार के कामकाज का प्रचार-प्रसार करें : विनोद

विशेष संवाददाता। रांची

विधानसभा चुनाव के मद्देनजर झामुमो का जिला और प्रमंडलवार बैठक जारी रहा. रविवार को रांची एवं गढ़वा जिला के पंचायत स्तरीय कार्यकर्ताओं की बैठक रांची के हरमू स्थित सोहराई भवन के सभागार में हुई. बैठक में वर्तमान राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही लोक कल्याणकारी योजनाओं के प्रचार-प्रसार व सांगठनिक रूप से युद्ध स्तर पर कार्यक्रमों को आयोजित कर योजनाओं का लाभ राज्य के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का कार्य सुनिश्चित करने का निर्णय लिया गया. पार्टी के केंद्रीय महासचिव विनोद कुमार पांडेय ने बैठक में आए कार्यकर्ताओं के मन में राज्य की लोककल्याणकारी योजनाओं के संबंध में उठ रहे जिज्ञासाओं को शांत किया तथा संगठन की मजबूती के लिए बूथ स्तर पर कार्यक्रम करने की बात कही.बैठक में रांची व गढ़वा जिला के जिला समिति के सभी पदाधिकारी, वर्ग संगठनों के अध्यक्ष व सचिव, नगर, महानगर समिति के पदाधिकारी, प्रखंड समिति के पदाधिकारी तथा पंचायत समिति के अध्यक्ष और सचिव शामिल हुए.।

आज धनबाद और बोकारो जिला की बैठक : 29 जुलाई को रांची के हरमू स्थित सोहराई भवन में बोकारो एवं धनबाद जिला के पंचायत स्तरीय कार्यकर्ताओं की बैठक होगी.

माओवादी शहीदी सप्ताह को लेकर तैयारी

पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर सुरक्षा बल किए गए तैनात

संवाददाता। रांची

डीजीपी के निर्देश पर सुरक्षाबलों द्वारा भाकपा माओवादी नक्सली संगठनों पर चौतरफा कार्रवाई जारी है. संयुक्त सुरक्षाबलों के बढ़ते दबाव के कारण अब नक्सली संगठन राज्य के कुछ भागों में सिमट कर रह गये हैं. भाकपा माओवादी नक्सली संगठनों द्वारा कामरेड चारु मजूमदार और कन्हाई चटर्जी के शहादत दिवस के अवसर पर 28 जुलाई से तीन अगस्त तक शहीदी सप्ताह मना रहे हैं. इसे लेकर नक्सलियों द्वारा पोस्टर और पंपलेट के माध्यम दहशत फैलाने का प्रयास किया गया है. इस दौरान पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर सुरक्षाबलों की तैनाती की गई है. ताकि नक्सलियों द्वारा सरकारी संपत्ति, सड़क और रेल की संपत्तियों को नुकसान पहुंचाने के प्रयास को विफल किया जा सके.

नक्सली अब सिमट कर कुछ इलाकों में ही हैं

नक्सली अब सिमट कर कुछ इलाकों में रह गये हैं, जिसमें चाईबासा के सारंडा, कोल्हान, सरायकेला, लातेहार, चतरा-गया बॉर्डर और पारसनाथ शामिल हैं. इन इलाकों में संयुक्त सुरक्षा बलों द्वारा लगातार अभियान चलाये जा रहे हैं. नक्सलियों द्वारा विशेष कर रेल मार्ग और सड़कों पर जहां छोटी-मोटी घटनाएं घटित कर अपना अस्तित्व बचाने का प्रयास किया जा रहा है. इसी क्रम में चाईबासा के कोल्हान सारंडा क्षेत्र में सुरक्षा बलों को क्षति पहुंचाने के उद्देश्य से लगाए गए आईईडी, नक्सली पोस्टर बरामद किये गये हैं.

क्लासिफाइड

Free DEMO 2 days
ASMA Charitable Trust
Regd by Govt. Of Jharkhand
CERTIFICATE OF COMPLETION
DANCE CLASSES
Enroll Now!
9334621159 / 6207234659
www.asma.org.in
4th Floor, Suman Tower, Above ICICI BANK, Near Shere Punjab chowk, Adityapur-1, Jamshedpur

अनुकंपा समिति ने 56 मामलों की समीक्षा की

52 पुलिसकर्मियों के आश्रितों को मिली नौकरी

संवाददाता। रांची

52 मृतक पुलिसकर्मियों के आश्रितों को नौकरी मिली. गौरतलब है कि बीते दिनों झारखंड पुलिस मुख्यालय की अनुकंपा समिति ने 56 मृतक पुलिसकर्मियों आश्रितों को नौकरी देने के मामलों का समीक्षा की थी. इनमें 52 आवेदनों पर नियुक्ति की मंजूरी दे दी गई. वैसे पुलिसकर्मी के आश्रितों को अनुकंपा पर नौकरी मिलती है, जिनकी मृत्यु नौकरी के दौरान हो जाती है. तो उनके आश्रित के आवेदन पर अनुकंपा समिति विचार कर निर्णय लेती है. अनुकंपा समिति द्वारा स्वीकृत आवेदनों में बाल सिपाही के 19, जबकि अन्य में आरक्षी और महिला आरक्षी की नियुक्ति की अनुशंसा की गई है. सभी को नियुक्ति पत्र निर्गत कर दिया गया है.

इन 56 मृतक पुलिसकर्मियों के आश्रितों को नौकरी देने की हुई की थी समीक्षा : डीएसपी राम अवध सिंह, अजीत कुमार, राहुल मिश्रा, इंद्रदेव राम, सोमनाथ मुर्मू, प्रदीप तिर्की, अजय उरांव, मनोधन हांसदा, विजय भगत, प्रमोद कुमार सिंह, मो. शाहनवाज, हिंदू हेंब्रम, आरिफ अंसारी, अजय खलखो, शिवशंकर कुमार सिंह, शशि भूषण पासवान, बिरजू केवट, जय विजय शर्मा, संजय कुमार उपाध्याय, विकास कुमार, बंधु उरांव, जीवेश कुमार, सुकराम टुडू, जगई मांझी, पुरोषतम सरदार, अमित कुमार, जितेंद्र लोहरा, अलविस लुगुन, राधागोविंद उरांव, अमित कुमार सिंह, उमराव राय, जनार्दन प्रसाद, दारोगी सिंह, सोना राम गोप, मंटू कुमार, राम अयोध्या प्रसाद, अहिल्या देवी, कृष्णा तामसोय, सलीम होरो, अनिल कुमार पांडेय, सुरेंद्र भगत, बाबूलाल किस्कू, लालबहादुर सिंह, बाबूजन मरांडी, गोविंद महतो, धूवा सुंडी, राम सागर मुरारी, अमीन कुमार बेसरा, दिलीप कुमार झा, जसमन कुजूर, योगेंद्र प्रसाद, जगमोहन मिस्त्री, सुनील कुमार, अनूप लकड़ा और मो. उस्मान अंसारी.

चिंतनीय झारखंड में नक्सली-उग्रवादी वारदातों में नहीं हो रही कमी

199 दिनों में 35 वाहन जलाए, दो की हत्या

सौरभ सिंह। रांची

लेवी नहीं तो विकास नहीं, झारखंड में नक्सलियों का यह कथन समय-समय पर चरितार्थ होता रहा है. बीते 199 दिनों में (आठ जनवरी से 27 जुलाई) नक्सलियों और अपराधियों ने 35 वाहनों को आग के हवाले कर दिया. अपराधियों और नक्सलियों ने लेवी के लिए विकास कार्य में लगे वाहनों में आगजनी की है. इतना ही नहीं उनलोगों ने दो लोगों की हत्या भी की है. गौरतलब है कि लेवी नहीं मिलने पर अपराधी और नक्सली संगठन हत्या और आगजनी की घटनाओं को अंजाम देते रहे हैं. हर बार पुलिस घटना का अनुसंधान करने और विकास योजना को पूरा कराने के लिए ठेकेदारों को भरोसा दिलाती है. निर्माण स्थल पर पुलिस भी कभी-कभी कैंप करती है. लेकिन मौका पाकर नक्सली और अपराधी घटना को अंजाम देते हैं.

जानें कब-कब घटना को दिया गया अंजाम

- **27 जुलाई 2024 :** हजारीबाग में तिवारी गिरोह के अपराधियों ने कोल परियोजना कार्य में लगी कंपनी के हाइवा और ग्रेडर मशीन में आगजनी की थी.
- **27 जुलाई 2024 :** लातेहार में टीएसपीसी उग्रवादियों ने कोयला ढुलाई में लगे दो हाइवा में की आगजनी की थी.
- **18 जुलाई 2024 :** रांची के मैक्लुस्कीगंज में कंस्ट्रक्शन साइट पर उग्रवादियों ने हमला कर मुंशी की गोली मारकर हत्या कर दी थी.
- **12 जून 2024 :** चतरा जिले में नक्सलियों ने सड़क निर्माण में लगी मिक्सर मशीन को जंगल में फूंक दिया था.
- **28 जून 2024 :** पलामू के हैदरनगर में भाकपा माओवादी के नक्सलियों ने तीन वाहनों को आग के हवाले कर दिया था.
- **29 मई 2024 :** रांची के मैकलुस्कीगंज-चामा रोड पर अपराधियों ने कंटेनर गाड़ी के साथ-साथ एक व्यक्ति को जिंदा जला दिया था.
- **25 मई 2024 :** हजारीबाग के बड़कागांव में अपराधियों ने पांच ट्रैक्टरों को आग के हवाले कर दिया था. इसके अलावा 15 मई को तीन और 18 मई को चार ट्रैक्टरों में आग लगा दी थी.
- **02 मार्च 2024 :** रांची के पिठोरिया में एक स्टोन माइंस प्लांट में नक्सलियों ने दो गाड़ियों में आग लगा दी थी.
- **08 जनवरी 2024 :** गुमला में नक्सलियों ने एक दर्जन वाहनों में आगजनी कर दिया था. पर्चा छोड़कर खनन व परिवहन का काम बंद करने का सुनाया फरमान था.

• 22 वर्षों से लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन • झारखंड का प्रतिष्ठित संस्थान
14th JPSC PT & Mains
Foundation Batch in our Hazaribag Branch
Office Class (Hazaribag Branch)
Under Guidance of Pawan Jha
Mentor : Mr. Harsh Vardhan (Administrator, Jhumritilaiya Municipal Council)
Fee PT - Rs. 1000/- Mains - Rs. 21000/- Time - 8 am
Mob - 9608711477 www.vijaystudycircle.com
Head Office : Shanti Bhawan, Albert Ekka Chowk, Ranchi
Branch Office : Bhawani Plaza, S.P. Rana Enclave 1st Floor, West of Banshi Lal Chowk Malviya Marg, Hazaribag-825301

TULSI PUBLIC SCHOOL
A Unit of Public Charitable Trust "LOKCHETNA"
ADMISSIONS OPEN
CLASS Nursery to V
CBSE PATTERN
CREATE THE BEST FUTURE YOUR CHILD

BAHARAGORA, NEAR : R.V.I.School
OXYRIVER Aqua
With Minerals
Swapan Kumar Paul Mob. : 70918 66623

PLEASE SEND YOUR RESUME FOR AN INDUSTRIAL AUTOMATION ORGANISATION, MOSTLY ENGAGED WITH PRESTIGIOUS PROJECTS IN
TATA STEEL, UCIL, ISRO, BARC ETC
1. MARKETTING MANAGER : SALARY 2.4 LAKHS PA, ITI, DEE, BEE FOR JAMSHEDPUR, SALES PLC SCADA HMI KNOWLEDGE, experience 2 years
2. OFFICE ASSISTANT : SALARY 2.4 LAKHS PA, Graduate with 5 Years Work Experiance Computer Proficient, Knowledge About Tender and TATA STEEL PROCUREMENT
MAIL CV : pradeep_wk@yahoo.com

Anne Children Clinic
The Complete Shishu Care
Dr. Aman Urwar
M.B.B.S, D.C.H., P.G.P.N.
Child & Newborn Specialist
Sr. Cosultant
Aaash CHILDREN HOSPITAL (A Unit of ANHRC)

फाहिमा अकादमी एफ्लीकेटेड स्कूल
फैसिलिटी
नामांकन जारी....
निवेदक
मोहम्मद अली
स्कूल डायरेक्टर
पता :कल्लू चौक नियर पेट्रोल पंप हजारीबाग

जेडी स्कूल बड़कागांव रोड हजारीबाग
योग शिक्षक...
आधुनिक सुविधा ...
बेहतरीन शिक्षा की गारंटी....
निवेदक विनोद भगत
संपर्क करें 9835755523

GYAN JYOTI COLLEGE OF PHARMACY, PARAMEDICAL & NURSING
Paramedical • B.Sc MLT • DMLT • OT Assistant • X-Ray Technician • Dresser
PHARMACY
NURSING ANM GNM
Add:- Near PWD Chowk, Hazaribag, Jharkhand, India
9431505777, 7870145555, 8789274448
APPLY NOW!

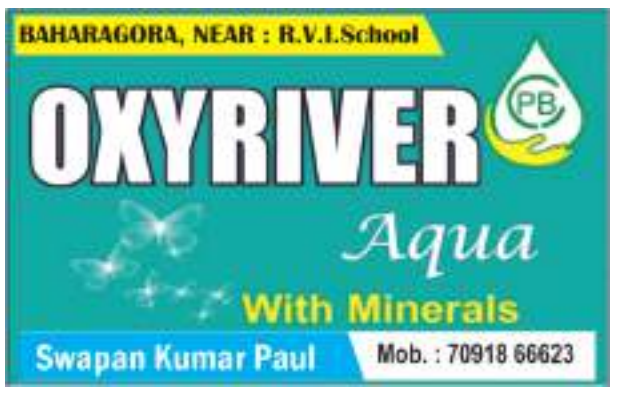

तापमान
29.2° अधिकतम | 23.8° न्यूनतम

शुभम संदेश
एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | रांची, सोमवार 29 जुलाई 2024 ● श्रावण कृष्ण पक्ष 08 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 111 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

ब्रीफ खबरें

एयरपोर्ट पर कारतूस के साथ यात्री गिरफ्तार

रांची। बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर एक यात्री के पास से कारतूस बरामद किया गया है. एयरपोर्ट थाना की पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया. जानकारी के मुताबिक एयरपोर्ट में सीआईएसएफ के जवानों ने सुरक्षा चेकिंग के दौरान श्यामलाल चौधरी नाम के यात्री के पास से पिस्तौल का कारतूस बरामद किया. वह राजस्थान के अजमेर का रहने वाला है. पुलिस के अनुसार आरोपी रविवार शाम 4.25 बजे अहमदाबाद का विमान पकड़ने के लिए रांची एयरपोर्ट पहुंचा था. सुरक्षा जांच के दौरान उसके बैग में एक गोली मिली.

सीसीएल ने खान सुरक्षा में दो पुरस्कार जीते

रांची। सीसीएल ने रविवार को कोलकाता में आयोजित खान सुरक्षा पुरस्कार 2024 समारोह में दो पुरस्कार जीते. खान सुरक्षा महानिदेशालय (डीजीएमएस) के तत्वावधान में कोल इंडिया लिमिटेड द्वारा आयोजित कार्यक्रम में सयाल डी ओपनकास्ट खदान को लघु ओपनकास्ट खदान श्रेणी में प्रथम पुरस्कार मिला. वहीं अशोक ओपनकास्ट खदान को मध्यम ओपनकास्ट खदान श्रेणी में द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया. इस अवसर पर मुख्य अतिथि खान सुरक्षा महानिदेशक प्रभात कुमार उपस्थित थे. कोल इंडिया लिमिटेड के अध्यक्ष पीएम प्रसाद ने समारोह की अध्यक्षता की.

विधायक की अनुसंशा पर दुरुस्त होगी सड़कें

रांची/खूंटी। खूंटी के विधायक और राज्य के पूर्व ग्रामीण विकास मंत्री नीलकंठ सिंह मुंडा की अनुशंसा पर खूंटी विधानसभा क्षेत्र में कई सड़कों के निर्माण का मार्ग प्रशस्त हुआ. विधायक मुंडा ने बताया कि उन्होंने कुछ दिनों पूर्व ही सड़कों के निर्माण के लिए अनुशंसा की थी, जिसकी प्रशासनिक स्वीकृति मिल गयी है. उन्होंने कहा कि सड़कें विकास का प्रवेश द्वार होती हैं. सड़कों के बनने से व्यापारियों, किसानों, छात्रों और आम लोगों को काफी लाभ होगा. साथ ही साथ यह भी बताया कि ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमंडल, खूंटी के लिए सीएम ग्राम सड़क सुदृढ़ीकरण योजना के अंतर्गत वर्ष 2024-25 में इसकी स्वीकृति प्रदान की गयी है.

2.8 किलो अफीम के साथ तस्कर धराया

रांची। लोअर बाजार थाना की पुलिस ने रविवार को खादगढ़ा बस स्टैंड से एक तस्कर को अफीम के साथ गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार आरोपी की पहचान खूंटी जिला के रहनेवाले बारगिन मुंडा के रूप में की गयी है. गुप्त सूचना के आधार पर सिटी डीएसपी के नेतृत्व छापेमारी के दौरान महारानी बस से तस्कर को दबोचा गया. पुलिस ने उसके पास से दो किलो 850 ग्राम अफीम बरामद किया है.

झारखंड में चार साल में राजभवन ने वित्त विधेयक, आरक्षण और स्थानीयता संबंधी विधेयक लौटाया

चार साल में चार राज्यपाल, राजभवन व सरकार के बीच रही तकरार की स्थिति

रवि भारती। रांची

झारखंड ने पिछले चार साल में चार राज्यपाल देखे.. इन चार साल के दौरान राजभवन और सरकार के बीच तकरार भी देखने को मिलती रही. निवर्तमान राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन का कार्यकाल एक साल पांच महीने का रहा.

उन्होंने 18 फरवरी 2023 को झारखंड के राज्यपाल का पदभार संभाला था. इन एक साल पांच महीनों के दौरान राजभवन और सरकार के बीच तकरार बनी रही. कभी सत्ता पक्ष ने राजभवन पर निशाना साधा, तो कभी राज्यपाल के बयानों ने चौंकाया.

सत्ता पक्ष ने राजभवन पर लगाये थे आरोप : सत्ता पक्ष ने राजभवन पर गंभीर आरोप लगाये थे. हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी के बाद सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा ने आरोप लगाया था कि इस पूरे मामले में राज्यपाल की भूमिका संदिग्ध है. हेमंत सोरेन ने बाद में विधानसभा में भी राज्यपाल पर निशाना साधते हुए कहा था कि उनकी गिरफ्तारी में राज्यपाल ने अहम भूमिका निभाई है.

पिछले चार साल में कितने राज्यपाल

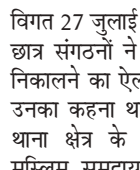

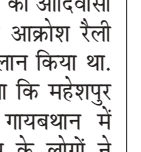

द्रौपदी मुर्मू	रमेश बैस	राधाकृष्णन	संतोष गंगवार
18 मई 2015 से 13 जुलाई 2021 तक	14 जुलाई 2021 से 17 फरवरी 2023	18 फरवरी 2023 से 27 जुलाई 2024	28 जुलाई 2024 से अगले आदेश तक

राज्य के 12वें राज्यपाल होंगे संतोष गंगवार

बरेली के पूर्व सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री संतोष गंगवार को झारखंड का नया राज्यपाल नियुक्त किया गया है. वहीं निवर्तमान राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को महाराष्ट्र का राज्यपाल बनाया गया है. संतोष गंगवार झारखंड के 12वें राज्यपाल होंगे. वे आठ बार बरेली के सांसद रह चुके हैं. केंद्र में मंत्री भी रह चुके हैं. इस बार लोकसभा चुनाव में उनका टिकट काट दिया गया था. इसके बाद उनके समर्थकों ने विरोध जताया था, लेकिन संतोष गंगवार ने पार्टी के प्रति अपना समर्पण बरकरार रखा. संतोष गंगवार को उनकी वफादारी का इनाम राज्यपाल के पद के रूप में दिया गया है.

विधेयकों को वापस लौटाने पर सत्ता पक्ष ने जताई थी नाराजगी

राज्यपाल द्वारा तीन विधेयकों को लौटाने के बाद सत्ता पक्ष ने राजभवन के प्रति नाराजगी जाहिर की. राजभवन ने झारखंड स्थानीय व्यक्तियों की परिभाषा और परिणामी सामाजिक, सांस्कृतिक और अन्य लाभों को ऐसे स्थानीय व्यक्तियों तक विस्तारित करने के लिए अधिनियम, 2022, झारखंड वित्त विधेयक, 2022 और झारखंड पदों एवं सेवाओं की रिक्तियों में आरक्षण (संशोधन) विधेयक, 2022 को भी वापस लौटा दिया था. वहीं पिछले दिनों राज्यपाल ने झारखंड विनियोग (संख्या-1) विधेयक, 2024, झारखंड विनियोग (संख्या-2) विधेयक, 2024, झारखंड जमाकर्ताओं के संरक्षण विधेयक, 2024, झारखंड माल एवं सेवा संशोधन विधेयक, 2024, झारखंड विश्वविद्यालय संशोधन विधेयक, 2024 तथा झारखंड लोक कार्य संविदा विवाद माध्यस्थम न्यायाधिकरण विधेयक, 2024 को स्वीकृति भी दी थी.

राज्यपाल ने भी कई मौकों पर जाहिर की नाराजगी

निवर्तमान राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने कई मौकों पर राज्य सरकार के खिलाफ नाराजगी जताई. रांची विश्वविद्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में राज्यपाल ने नाराजगी जताते हुए कहा था कि ईडी की पूछताछ के दौरान एक तय रणनीति के तहत गैर जरूरी भीड़ जमा हुई थी. इसलिए सीआरपीएफ को आना पड़ा. यह साफ तौर से सरकार और पार्टी की गलती है. ऐसी परंपराएं बंद होनी चाहिए. इसके पहले राज्यपाल ने कहा था कि राज्य में कानून व्यवस्था ठीक नहीं है और ये पूरी तरह से चरमरा गई है. इसके बाद हेमंत सोरेन को ईडी द्वारा भेजे गए समन पर राज्यपाल ने एक बड़ा बयान देकर चौंका दिया था. कहा था कि अगर सीएम आज जवाब नहीं दे रहे हैं, तो उन्हें कल जवाब देना होगा. एक सच्चे नागरिक के रूप में, हमें इसका पालन करना चाहिए. कानून व्यवस्था की स्थिति बहुत अच्छी नहीं है.

पाकुड़ में पुलिस-छात्र हिंसक झड़प : राष्ट्रीय एसटी-एससी आयोग ने लिया संज्ञान

मुख्य सचिव व डीजीपी से तीन दिन में रिपोर्ट मांगी

- शुक्रवार की देर रात पुलिस और छात्रों के बीच हुई थी झड़प
- पुलिस के बल प्रयोग में 11 आदिवासी छात्रों को लगी थी गंभीर चोट

संवाददाता। रांची

पाकुड़ में पुलिस और छात्रों के बीच हिंसक झड़प को लेकर राष्ट्रीय एसटी-एससी ने आयोग ने संज्ञान लिया है. इसे लेकर आयोग ने रविवार को झारखंड के मुख्य सचिव, डीजीपी, पाकुड़ डीसी और एसपी को नोटिस भेजा है. नोटिस में कहा गया है कि समाचार पत्रों में प्रकाशित किया गया है कि झारखंड में पुलिस के साथ झड़प में 11 आदिवासी छात्र घायल हो गये. आयोग ने इसके तहत प्रदत्त शक्तियों के अनुसरण में मामले की जांच करने का निर्णय लिया है.

आयोग ने राज्य एवं जिले के उच्च अधिकारियों से सहयोग की आशा करते हुए लिखा है कि उक्त आरोपों और मामले पर की गई कार्रवाई के तथ्य और जानकारी नोटिस प्राप्त होने के तीन दिन के भीतर प्रस्तुत करें, अन्यथा भारत के संविधान के अनुच्छेद 338 ए के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग किया जा सकता है. साथ ही व्यक्तिगत उपस्थिति के लिए समन जारी किया जा सकता है.

क्या है मामला

विगत 27 जुलाई को आदिवासी छात्र संगठनों ने आक्रोश रैली निकालने का ऐलान किया था. उनका कहना था कि महेशपुर थाना क्षेत्र के गायबथान में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने आदिवासियों की जमीन पर जबरदस्ती कब्जा कर लिया है. इसका विरोध करने पर आदिवासी परिवारों के साथ मारपीट भी की गई. इसके विरोध में आदिवासी छात्र संगठन आक्रोश रैली निकालने वाले थे. लेकिन, देर रात बड़ी संख्या में पुलिस अधिकारी और जवान केकेएम कॉलेज के आदिवासी छात्रावास पहुंच गए. इस दौरान छात्रों और पुलिस के बीच झड़प हो गई.

छात्रों ने पुलिस पर लगाया दबाव बनाने का आरोप : छात्रों का आरोप है कि पुलिस आक्रोश रैली रोकने के लिए दबाव बना रही थी. मना करने पर उनके साथ मारपीट की गई, जिसमें करीब 11 छात्र घायल हो गए. वहीं पुलिस का कहना है कि पहले कुछ छात्रों ने पुलिस के साथ मारपीट शुरू की, जिसमें एक सब इंस्पेक्टर, ड्राइवर और एक कांस्टेबल घायल हो गए. इसके बाद अतिरिक्त पुलिस बल ने छात्रों को रोकने के लिए बल प्रयोग किया.

दोषी पुलिस कर्मियों पर अविलंब कार्रवाई हो, नहीं तो झारखंड बंद

केंद्रीय सरना समिति ने सरकार को तीन दिन का अल्टीमेटम दिया

अपनी बातों को रखते अजय तिर्की, प्रकाश टोप्पो व गायना कच्छप.

रांची। पाकुड़ जिले में आदिवासी छात्रों पर पुलिस लाठीचार्ज का मामला तूल पकड़ रहा है. आदिवासी संगठनों ने केकेएम छात्रावास में हुई पुलिस की कार्रवाई की कड़ी निंदा की है. इस मामले को लेकर रविवार को केंद्रीय सरना समिति की ओर से मोरहाबादी स्थित चिड्रेन पार्क में प्रेस वार्ता की गयी. अध्यक्ष अजय तिर्की ने कहा कि राज्य सरकार, पाकुड़ की घटना पर अविलंब संज्ञान ले और निर्दोष आदिवासी छात्रों पर हुए लाठीचार्ज की जांच कराए. तीन दिन के भीतर दोषी पुलिस कर्मियों को चिह्नित कर कार्रवाई करें, अन्यथा झारखंड बंद कर उग्र आंदोलन किया जाएगा.

आदिवासी पर अत्याचार बढ़ रहा : गायना कच्छप

राजी पड़हा सरना प्रार्थना सभा के गायना कच्छप ने कहा कि आदिवासी पर अत्याचार बढ़ रहा है. इसे रोकने का प्रयास करना होगा. इसके लिए आदिवासी समुदाय को एकजुट होना होगा. सभी को मिलकर लड़ाई लड़नी होगा, तभी हम सुरक्षित रह पाएंगे.

षड्यंत्र के तहत घटना को अंजाम दिया : अजय

तिर्की ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए. कहा, इस घटना को षड्यंत्र के तहत अंजाम दिया गया है. यह राज्य सरकार को बदनाम करने का एक प्रयास भी है. पुलिस को छात्रावास के भीतर घुसने के लिए वार्डन से अनुमति लेनी चाहिए थी. लेकिन, पुलिस ने ऐसा नहीं किया. सीधे सोये हुए छात्रों के कमरा में घुस गये ओर उन पर लाठियां बरसाने लगे. इससे छात्रों का सिर, पैर, हाथ में गंभीर चोट लगी है.

घटना की सीबीआई जांच कराए सरकार : प्रकाश

आदिवासी अधिकार मंच के संयोजक प्रकाश टोप्पो ने कहा कि राज्य सरकार, घटना की सीबीआई जांच कराए, ताकि दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा मिल सके. उन्होंने कहा कि झारखंड में आदिवासी सीएम है. इसके बाद भी आदिवासियों के साथ लगातार मारपीट और अत्याचार की घटनाएं रुक नहीं रही हैं. यह विंडबना ही है कि झारखंड में भी अब आदिवासी समुदाय सुरक्षित नहीं हैं.

निशिकांत दुबे के बयान पर झामुमो बिफरा

झारखंड का विभाजन करना चाहती है भाजपा : सुप्रियो

अपनी बातों को रखते झामुमो महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य.

- मुद्दाविहीन भाजपा, बिहार झारखंड और बंगाल को विभाजन की ओर बढ़ा रही
- सांसद ने संसद में झारखंड और झारखंडियों के पहचान समाप्त करने का ऐलान किया

विशेष संवाददाता। रांची

झामुमो ने भाजपा सांसद निशिकांत दुबे द्वारा संसद में दिए गए बयान पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है. झामुमो के केंद्रीय महासचिव एवं प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि देश और समाज में विभाजनकारी राजनीति की नयी बुनियाद भाजपा ने रखी. उसका प्रतिफल बहुत विकट होने वाला है. भाजपा ने जब विधानसभा के लिए अपने चुनावी अभियान की शुरुआत की, तो प्रभारी केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान और दूसरे सह प्रभारी असम के सीएम हिमंत बिश्व सरमा बनाए गए.

सुप्रियो रविवार को प्रेस वार्ता में बोल रहे थे. उन्होंने कहा कि जिस दिन से हिमंत बिश्व सरमा का यहां प्रवेश हुआ, उस दिन से समाज में धर्म और जाति के नाम पर एक जहर घोला जा रहा है. उस जहर का असर यह है कि पिछले दिनों गोड्डा के सांसद निशिकांत दुबे के संसद में दिये एक बयान में दिखा. निशिकांत ने कहा कि झारखंड का संथाल परगना प्रमंडल, बिहार का कोशी प्रमंडल और बंगाल के मालदा और मुर्शीबाद जिले को अलग करके यूनियन टेरेटेरी बनाया जाए. ये अचानक से दिया गया बयान नहीं, बल्कि एक सोची-समझी साजिश के तहत न केवल झारखंड को, बल्कि बिहार और पश्चिम बंगाल को विखंडित करने के लिए भाजपा की एक दूरगामी सोच है.

झारखंड की शहादत और पहचान को मिटाना चाहती है भाजपा : भट्टाचार्य ने कहा कि भाजपा के लोग चाहते हैं कि संथालपरगना को झारखंड से अलग करके सिदो-कान्हू के नाम को मिटा दें. तेलंगा-खड़िया का नाम मिटाने के लिए कोल्हान को उड़ीसा के साथ मिलवा दें. निलांबर-पीतांबर, शेख विभारी, जतरा भगत, बुधु भगत का नाम मिटाने के लिए दक्षिणी छोटानागपुर को छतीसगढ़ में मिला दिया जाए. मालभूम, सिंहभूम, ढालभूम को पश्चिम पश्चिम बंगाल में मिला दिया जाए. हजारों की शहादत, कुर्बानी और त्याग के बाद हमे जो झारखंड मिला, जो पहचान मिली, उसे मिटा दिया जाए. ये लोग झारखंडी पहचान को समाप्त करने की साजिश कर रहे हैं.

झारखंड का कोई भी हिस्सा अंतर्राष्ट्रीय सीमा को शेयर नहीं करता है

सुप्रियो ने कहा कि मुद्दाविहीन भाजपा जम्मू-कश्मीर की तरह अब एक और राज्य के विभाजन की तैयारी में है. एक राष्ट्रीय चैनल को निशिकांत दुबे टैब पर दिखा रहे थे कि कौन-कौन जिले हैं. अरे महामानव जी, वो गंगा जो बंगलादेश में जाकर पद्मा बन जाती है, उसपर बीएसफ, एसएसबी, कोष्ट गार्ड का पहरा है. वह पूरी तरह से प्रोजेक्टेट वाटर लैंड है और उसका जिम्मा भारत के गृह मंत्रालय का है. उन्हें इतना भी नहीं पता कि झारखंड कोई भी अंतर्राष्ट्रीय सीमा शेयर नहीं करता है.

झारखंड विधानसभा में विभाजन और सरना धर्म कोड पर चर्चा हो

सुप्रियो ने कहा कि झारखंड विधानसभा में इस बात को लेकर चर्चा होनी चाहिए कि भाजपा के लोग बताएं कि वे झारखंड का विभाजन चाहते हैं या नहीं. भाजपा यह बताए कि वे इस राज्य में सरना धर्म कोड को लागू करना चाहते है या नहीं. असम के सीएम बताएं कि असम के चाय बगानों में वर्षों से काम करने वाले यहां के मूलवासी, आदिवासी को एसटी का दर्जा देंगे या नहीं.

असम के सीएम ने खुद स्वीकारा घुसपैठ उनके राज्य से : झामुमो महासचिव ने यह भी कहा कि असम के मुख्यमंत्री ने कहा था कि घुसपैठ असम और बंगाल से होता है. यदि आपके यहां हो रहा है, तो केंद्र सरकार से आपके क्या रिश्ते हैं? सुप्रियो भट्टाचार्य ने बिहार के सीएम नीतीश कुमार से भी पूछा है कि नीतीश बताएं कि क्या उन्हें बिहार का विभाग मंजूर है क्या?

आज पेश होगा अनुपूरक बजट

रांची। विधानसभा के मॉनसून सत्र के दूसरे दिन सोमवार को पक्ष और विपक्ष में विभिन्न ज्वलंत मुद्दों को लेकर टकराव के पूरे आसार हैं. छह कार्य दिवस वाले सत्र में सोमवार को सरकार चालू वित्तीय वर्ष का पहला अनुपूरक बजट पेश करेगी. यह विधानसभा का आखिरी सत्र होगा. इसे देखते विपक्ष सदन में सत्तापक्ष को घेरने की पूरी कोशिश करेगा, जबकि सत्तापक्ष भी उसका जवाब देने के लिए हमलावर मुद्रा में रहेगा. विपक्ष डेमोग्राफी में बदलाव, घुसपैठ, कानून-व्यवस्था के सवाल पर सरकार पर लगातार निशाना साधे हुए है. सत्तापक्ष ने भी घुसपैठ को केंद्र सरकार का मामला बताते हुए केंद्रीय गृह मंत्रालय को कटघरे में खड़ा किया है. सत्र के दूसरे दिन मंत्रिमंडल निगरानी, मंत्रिमंडल निर्वाचन, कार्मिक विभाग, गृह कारा, वित्त विभाग, योजना एवं विकास विभाग, वाणिज्य कर विभाग से जुड़े सवाल आएंगे.

हाईकोर्ट के आदेश के बाद भी खुले में मांस बेचनेवालों के खिलाफ पुलिस ने की कार्रवाई

रांची में 250 दुकानदारों के खिलाफ केस दर्ज

संवाददाता। रांची

झारखंड हाईकोर्ट के आदेश के बाद भी राजधानी रांची में खुले में मांस की बिक्री की जा रही है. रांची पुलिस ने इन दुकानदारों के खिलाफ कार्रवाई करनी शुरू कर दी है. कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय के नेतृत्व में कोतवाली थाना क्षेत्र में खुले में मांस बेचने वाले 51 दुकानदारों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है. वहीं रांची में 100 से अधिक दुकानदारों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है. इन दुकानदारों पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 223, 290, 293 और फूड सेफ्टी एक्ट 2006 की 63 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गयी है.

हाईकोर्ट ने खुले में मांस की बिक्री पर रोक लगाने का दिया था निर्देश : उल्लेखनीय है कि विगत दो जुलाई को खुले में मांस की बिक्री पर रोक को लेकर प्रार्थी श्यामानंद पांडेय द्वारा दायर जनहित याचिका पर झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई थी. न्यायाधीश सुजीत नारायण प्रसाद और न्यायाधीश अरुण कुमार राय की खंडपीठ ने रांची नगर निगम को यह निर्देश दिया था कि किसी भी हाल में खुले में मांस की बिक्री न हो. साथ ही अदालत ने रांची पुलिस को निर्देश दिया था कि जिस थाना क्षेत्र में खुले में मांस की बिक्री हो रही है, उस थाना क्षेत्र के पदाधिकारी के खिलाफ कार्रवाई करें. साथ ही नगर निगम को कहा था कि मांस की दुकानों का निरीक्षण कर यह देखें कि उक्त दुकान में लाइसेंस की शर्तों का पालन हो रहा है या नहीं.

सेना भर्ती खेलगांव के स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में चल रही अग्निवीर कैंडेट्स के चयन की प्रक्रिया

भर्ती कैंप में दूसरे दिन 645 उम्मीदवारों ने दिखाया दम

संवाददाता। रांची

खेलगांव के स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में सेना भर्ती रैली का आयोजन किया जा रहा है. रविवार को राज्य के 645 अग्निवीर कैंडेट्स (आठवीं व दसवीं पास) शारीरिक दक्षता परीक्षा में शामिल हुए. तड़के साढ़े तीन बजे युवा उम्मीदवारों की दौड़ शुरू. भर्ती कैंप स्थल पर अभ्यर्थियों का वेरिफिकेशन बारकोड व बायोमेट्रिक प्रणाली की मदद से किया गया. अभ्यर्थियों के एडमिट कार्ज को स्कैन करने के बाद उन्हें बैचिंग एरिया में बैच संख्या आवंटित की गयी. रन वेटिंग एरिया में जाने के बाद, बैच की क्रम संख्या के अनुसार, अभ्यर्थियों ने 1.6 किलो मीटर दौड़ में हिस्सा लिया. इस पड़ाव को सफलतापूर्वक पार करने के बाद सफल अभ्यर्थियों का वेरिफिकेशन कर रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया के तहत संपूर्ण डेटा कंप्यूटर में दर्ज किया गया.

खेलगांव के स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स की भर्ती रैली में दौड़ लगाते अभ्यर्थी.

चिकित्सीय जांच के लिए उम्मीदवारों को हिदायतें : सफल और योग्य उम्मीवारों के लिए शाम में मेडिकल जांच लिए मेडिकल स्लिप जारी की गयी. निर्धारित समय पर सफल अभ्यर्थियों की सैन्य चिकित्सा अधिकारियों द्वारा मेडिकल जांच की जाएगी. सभी उम्मीदवारों को मेडिकल जांच मानदंड के अनुसार तैयार होकर आने को कहा गया है.

अभ्यर्थियों के लिए चिकित्सीय सुविधा की व्यवस्था : जिला प्रशासन के सहयोग से सेना भर्ती कार्यालय द्वारा भर्ती कैंप स्थल पर अभ्यर्थियों की हर सुविधा का ध्यान रखा जा रहा है. अभ्यर्थियों के लिए पानी की सुविधा का खास तौर पर ध्यान रखा गया है. इसके साथ ही साथ उच्च स्तरीय चिकित्सा सुविधा की भी व्यवस्था है.

बोलबम के जयकारे से गूंजा मेन रोड

रांची। सावन की दूसरी सोमवारी पर राजधानी के शिवालयों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ेगी. वहीं, पहाड़ी बाबा के जलाभिषेक के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचेंगे. बाबा का दरबार सुबह साढ़े तीन बजे सरकारी पूजा-अर्चना के बाद से खोल दिया जायेगा. इसके बाद कांवड़िया समेत अन्य भक्तगण अरघा के माध्यम से बाबा का जलाभिषेक कर पाएंगे. वहीं, शाम में बाबा का विशेष श्रृंगार किया जायेगा. इससे पूर्व रविवार को रात भर मेन रोड में कांवड़ियों का जत्था जुटा रहा. इस दौरान बोल बम और हर-हर महादेव के जयकारे से पूरा क्षेत्र गुंजायमान होता रहा.

दूसरी सोमवारी आज, शिवालयों में उमड़ेगी भीड़

रविवार देर रात मेन रोड में भोले बाबा की भक्ति में लीन कांवड़िया.

शहर में आज

1. झारखंड विधानसभा का मॉनसून सत्र दिन के 11 बजे से. पहली पाली में प्रश्ननकाल, जबकि दूसरी पाली में अनुपूरक बजट पेश होगा.
2. झारकंड प्रदेश कांग्रेस की बैठक श्रद्धानंद पथ स्थित कांग्रेस भवन में दोपहर 12 बजे से.
3. झारखंड मुक्ति मोरचा की विधानसभा चुनाव को लेकर प्रमंडल स्तरीय तैयारी बैठक सुबह 11 बजे से हरमू कॉलोनी (सहजानंद चौक) स्थित सोहराय भवन में.

सूचना: शहर में होनेवाले कार्यक्रम, सेमिनार, प्रतियोगिता सहित अन्य गतिविधियों और खबरों से संबंधित जानकारी दैनिक शुभम संदेश के वाट्स ऐप नं 8102917469 पर दे सकते हैं.

ब्रीफ खबरें

हेमंत सोरेन ने मनु को शुभकामनाएं दीं

रांची। पेरिस ओलंपिक में अपने शानदार खेल से ओलंपिक में देश के लिए पहला पदक जीतने के लिए मनु भाकर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बधाई दी है. उन्होंने कहा कि भारत को पहला पदक दिलाने पर उन्हें बहुत-बहुत बधाई और जोहार.

जागरूकता लाने के लिए लगाये गए पौधे

रांची। नवागत फाउंडेशन ने रविवार को रेडियम रोड में प्रर्यावरण को संरक्षित करने का संदेश दिया. लोगो में जागरूकता लाने के लिए पौधारोपण किया गया. जिसमें पीपल, आवंला, नीम और कदम के पेड़ लगाए गए. मौके पर कुलदीप कुमार सिंह, अरुण कुमार, लोकेश कुमार,आलोक राज समेत अन्य लोग शामिल थे.

डोरंडा में रखी गयी मस्जिदे अर रहमान की बुनियाद

रांची। डोरंडा जैन मंदिर रोड में रविवार को मस्जिदे अर रहमान की बुनियाद रखी गयी, जिसमें सैकड़ों महिलाओं, पुरुषों और बच्चों ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया और आर्थिक सहयोग भी किया. बुनियाद रखते समय एदार ए शरिया झारखंड के महासचिव मौलाना कुतुबुद्दीन रिज़वी, मस्जिद समिति के अध्यक्ष हाजी मोहम्मद इमदाद, सचिव हाजी मोहम्मद इमरान , हाफिज ताहिर हुसैन, हाजी नसीर अफसर, हाजी मोहम्मद इजहार उल हक उर्फ राजू , हाजी जाकिर हुसैन, शाहिद अय्यूबी, मोहम्मद बिलाल, फरहाद शम्सी, मोहम्मद जिलानी ने बुनियाद रखते समय दुआएं कीं.

राज्यस्तरीय बैठक में विभिन्न जिलों के मुस्लिम संगठन हुए एकजुट, कहा - मुसलमानों ने हमेशा संयम व भाईचारे की अद्भुत मिसाल पेश की है

हमें राजनीति का मोहरा न बनाया जाए, हम भी चाहते हैं विकास में भागीदारी

संवाददाता। रांची

देश व झारखंड में सुनियोजित तरीके से चल रही मुसलमानों के खिलाफ हिंसा और घृणा के खिलाफ राज्यस्तरीय बैठक में कई जिलों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया. बैठक रविवार को होटल सरताज में माही संस्था के संरक्षक जुनैद अनवर की अध्यक्षता में हुई.

चिंता जताई गई की कि देश के सभी चुनाव में मुसलमानों को राजनीति के केंद्र में रखकर मोहरा बनाना दुर्भाग्यपूर्ण है, जबकि देश व राज्य की राजनीति में मुसलमान हाशिए पर हैं, उपेक्षित हैं. राजनीति में मुसलमान प्रभावी नहीं है, मुसलमान अपनी समस्याओं में ही घिरा है और वह उस रास्ते की तलाश में है. कहीं मुसलमानों की लिंचिंग की जा रही है, कहीं उसकी पहचान को संदिग्ध बनाया जा रहा, घुसपैठिए के नाम पर दहशत पैदा की जा रही है. इससे मुसलमानों में एक अदृश्य बेचैनी और गुस्सा है, जबकि मुसलमानों ने संयम व भाईचारे की अद्भुत मिसाल पेश की है. झारखंड में भी मॉबलिंचिंग गिरोह और चरमपंथी तत्व चुनाव से पूर्व सक्रिय हो गये हैं. अभी कुछ ही दिनों में राची के महिलोंग, कोडरमा और दुमका में दर्दनाक तरीके से तीन निर्दोष की हत्या कर दी गई, जिनमें दो मस्जिद के ईमाम थे. बैठक में राज्य के विभिन्न जिलों से और कई अंजुमनों के अध्यक्ष और सचिवों ने वर्तमान हालात पर अपनी बातें रखीं.

मुसलमानों की राज्यस्तरीय बैठक में बोलते वक्ता.

इन्होंने भी रखे विचार : मौके पर जमशेदपुर से रियाज शरीफ, मुश्ताक अहमद, मो. शाहिद, सिमडेगा अंजुमन के उपाध्यक्ष जावेद खान, यूथ प्रेसिडेंट सिमडेगा अंजुमन के जफर खान, अजीमुल्लाह अंसारी, हजारीबाग से इरफान अहमद, मो फिरोज खलील, महताब आलम, मो शाहिद, चक्रधरपुर के शहजाद मंजर,बैरम खान,शकील खान, ताबिश अली, लातेहार से कमरूल आरफीन, फैसल अहमद, गिरिडीह से मोहसिन खलील, शकील अख्तर, अंजुमन के उपाध्यक्ष नौशाद, शाहिद टुकलु, नजीब, फजल इमाम, इरफान खान, अर्शे आजम, वकील अहमद रिजवी,आदिल सुफियान, हाजी बिलाल कुरैशी, शाहबाज, हसीब अख्तर, सैफुल हक,उजैर अहमद, कलाम रशीदी, सलाहउद्दीन, शकील, खालिद सैफुल्लाह, अरशद शमीम, नदीम अख्तर, हाजी नवाब, नूर आलम, इकबाल, सरवर इमाम, मेराज हसन, मिल्लत के जावेद अहमद, हलालखोर के शमीम, फारूक आजम, अनीसुर रहमान, ओरमांझी के मुंतजिर रजा, एजाज अहमद, शादाब खान, मो जैद, फहीम अहमद ने भी विचार रखे. संचालन मुस्तकीम, धन्यवाद ज्ञापन महासचिव मतीउरर्हमान ने किया.

खास बातें

- मुसलमानों की लिंचिंग की जा रही, संदिग्ध बनाया जा रहा
- घुसपैठिए के नाम से दहशत फैलाई जा रही, बेचैनी और गुस्सा है

पक्ष-विपक्ष राजनीति कर रहे : डॉ तारिक

अंजुमन इस्लामिया के महासचिव डॉ. तारिक हुसैन ने कहा कि इस नफरती माहौल में मुसलमानों को चुनावी मोहरा बनाकर रख दिया गया है, पक्ष – विपक्ष दोनों अपनी राजनीति मुसलमानों पर ही कर रहे हैं. अब जरूरत है कि हमें संविधान के दायरे में अपनी बात संगठित होकर रखनी होगी. गलत असंवैधानिक बयानबाजी मुसलमानों के खिलाफ की जा रही है. इसे मजबूती से रोकने के लिए राज्यस्तर पर एक संगठन की जरूरत है, जो लोकतांत्रिक तरीके से इसका प्रतिरोध कर सके.

हम सियासत को प्रभावित करेंगे : इबरार

माही व साझा मंच के संयोजक इबरार अहमद ने कहा कि इस्लाम व राष्ट्रीयता में कोई अंतर्विरोध नहीं है. यदि सियासत हमें प्रभावित कर रही है, तो हम भी सियासत को प्रभावित करेंगे. बुनियादी चीज यह है कि जो आम मेहनतकश मुहब्बत करने वाले मुसलमान हैं वो हमेशा ठगे गये हैं, उन्हें न केवल नेताओं ने बल्कि अपने लोगों ने भी ठगा है, ऐसे लोगों की आवाज बनकर ईमानदारी से, मिल्ली दर्द लिए संगठित होकर समस्याओं के समाधान के लिए जम्हूरी तरीके से संघर्ष किया जाना चाहिए.

हम सभी अन्याय के खिलाफ आवाज उठाएं : जुनैद

समाजसेवी जुनैद अनवर ने कहा कि इस बैठक का मकसद यह है कि पूरे झारखंड की तंजीमें व सामाजिक लोग संगठित होकर अल्पसंख्यकों विशेषकर मुसलमानों के खिलाफ हो रहे अन्याय के प्रतिरोध में आवाज उठाई जाए. क्योंकि हमारी समस्याओं को कहीं भी दर्ज नहीं किया जाता है. यहां तक कि प्रखंड, ब्लॉक स्तर तक भी अधिकारी नहीं सुनते, बल्कि हमे दोयम दर्जे का नागरिक बनाने की देशव्यापी साजिश हो रही है. हमें गालियां क्यों दी जाती हैं? हम पर ज़ुल्म किये जाते हैं? हम सभी लोग एकजुट होकर उस चिड़िया की मानिंद काम करें, जो दहकती हुई आग को अपने चोंच से पानी लाकर बुझाने की कोशिश कर रही थी.

भाजपा विधायक दल की बैठक : सत्ता पक्ष को घेरने की बनी रणनीति

विदाई सत्र में पांच साल के गुनाहों की माफी मांगे हेमंत सरकार: बाउरी

- सरकार रातों-रात डीजीपी बदल रही, आखिर ये क्या है

प्रमुख संवाददाता। रांची

भाजपा विधायक दल की बैठक रविवार प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी की अध्यक्षता में प्रदेश मुख्यालय में हुई। नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी ने सदन में उठाए जाने वाले मुद्दों पर चर्चा की. साथ ही सत्ता पक्ष को माकूल जवाब देने की भी योजना बनाई है. नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने कहा कि यह चालू विधानसभा का अंतिम सत्र है. विदाई सत्र है. पूरे 5 वर्षों तक राज्य की ठगबंधन सरकार ने जनता को ठगा है. केवल वादा खिलाफी की है. न नौकरी दी न बेरोजगारी भत्ता दिया. न नियोजन नीति बनाई न 1932 की स्थानीय नीति ही तय की. आज सरकारी कर्मचारी,अनुबंध कर्मी, पारा शिक्षक सभी आंदोलन कर रहे. आदिवासियों की हितैषी बताने वाली ठगबंधन सरकार ने आदिवासियों को लूटा और लुटवाया. अपनी मांगों के लिए आंदोलन कर रहे आदिवासियों पर लाठियां बरसाई. युवाओं की नौकरी के नाम पर जेपीएससी एसएससी की नियुक्तियां बेंची गई.

संताल परगना बन गया है मिनी बांग्लादेश : आज संथाल परगना मिनी बांग्लादेश बन गया है.1951 से 2011की जनगणना के आंकड़े बताते हैं कि मुस्लिम घुसपैठियों की आबादी लगातार बढ़ती गई और आदिवासियों की आबादी घटती गई. सरकार इसके उत्तर से भाग रही. तुष्टीकरण और वोट बैंक के कारण सरकार जवाब नही दे रही.

कोर्ट को भी दिग्भ्रमित कर रही. एक तरफ विधि व्यवस्था ध्वस्त है और सरकार रातों रात डीजीपी बदल रही. राज्य सरकार डंडे और पुलिस के बल भाजपा की आवाज दबाना चाहती है, लेकिन सरकार में इतनी ताकत नहीं कि वह ऐसा कर सके. मुख्यमंत्री बताएं कि उन्होंने आदिवासियों के लिए 5 वर्षों में क्या किया? बताएं कि सिदो कान्हू की धरती पर एसपीटी कानून के रहते इतने कब्रिस्तान कैसे बने? पाकुड़ में आदिवासियों पर लाठीचार्ज क्यों किया? इन ज्वलंत मुद्दों पर सरकार माफी मांगे. विपक्ष ने घुसैपेठ, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार के मुद्दे पर सरकार को घेरने की रणनीति बनाई है. बैठक में नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी, रामचंद्र चंद्रवंशी, भानू प्रताप शाही, सीपी सिंह, अर्पणा सेन गुप्ता, अनंत ओझा, नवीन जायसवाल, राज सिन्हा, नीरा यादव, नारायण दस, समरी लाल, विरंची नारायण सहित अन्य विधायक मौजूद थे.

भाजपा कार्यालय में रविवार रात भाजपा विधायक दल की बैठक में सरकार को घेरने की बनाई गई रणनीति.

सुदेश महतो दिल्ली रवाना, सीट शेयरिंग पर होगी चर्चा

आजसू सुप्रीमो रविवार की शाम दिल्ली रवाना हुए. वहां वे बीजेपी के झारखंड चुनाव सह प्रभारी हिमंता बिस्व सरमा से भी मुलाकात करेंगे. साथ ही बीजेपी के आला नेताओं से भी मुलाकात करेंगे. जानकारी के अनुसार सुदेश महतो बीजेपी के आला नेताओं से सीट शेयरिंग पर चर्चा करेंगे. सुदेश महतो की यह दिल्ली यात्रा कई मायनों में अहम मानी जा रही है. आजसू ईचागढ़, गांडेय, चंदनकियारी, पाकुड़ और लोहरदगा सीट पर पर भी दावेदारी ठोंक रही है. इन सीटों पर अब तक पेंच फंसा हुआ है. शेष सिल्ली, गोमिया, रामगढ़, बड़कागांव, तमाड़ और मांडू पर पिक्चर क्लीयर है. सुदेश महतो इस मसले पर पहले भी दिल्ली में बीजेपी के कई आला नेताओं से मुलाकात भी कर चुके हैं. राजनीतिक हलकों में जो चर्चा है उस हिसाब से बीजेपी आजसू को छह से सात सीट देने को राजी है. पर आजसू राज्य में कम से कम एक दर्जन सीटों पर चुनाव लड़ना चाहती है.

आदिवासी छात्रों के आक्रोश से बौखलाया झामुमो: प्रतुल शाहदेव

- घुसपैठियों को वोट बैंक में तब्दील करने का बड़ा खेल हो रहा है

प्रमुख संवाददाता। रांची

भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने कहा कि भाजपा के द्वारा लगातार संताल सहित झारखंड के दूसरे क्षेत्रों में बांग्लादेशी घुसपैठियों को बसाए जाने के मुद्दे पर मुखरता के कारण झामुमो बदहवास हो गया है. दरअसल यही बांग्लादेशी घुसपैठिए इस गठबंधन के वोट बैंक की राजनीति का एक हिस्सा हैं.

प्रतुल शाहदेव ने कहा कि खुद इसी सरकार की स्पेशल ब्रांच में 2 जून, 2023 को सभी उपायुक्त को पत्र लिखा था कि संथाल परगना के मदरसों में इन मुस्लिम बांग्लादेशी घुसपैठियों के सरकारी दस्तावेज को बड़े पैमाने पर संगठित तरीके से तैयार किया जाता है और फिर इन्हें प्रदेश के दूसरे हिस्से में भेजा जाता है. भाजपा ने इस बांग्लादेशी मुस्लिम घुसपैठिए के खिलाफ आवाज को संथाल परगना से लेकर केंद्रीय चुनाव आयोग तक मुखरता से उठाया है. अब गठबंधन सरकार को अपना घुसपैठियों का वोट बैंक खतरे में दिख रहा है जिसके कारण झामुमो के नेता बदहवास होकर अनर्गल बयान बाजी कर रहे हैं.

घुसपैठियों और बिहारियों को एक तराजू में तौल रहे

झामुमो ने कांग्रेस के विधायक नेहा शिल्पी नेहा तिर्की के उसे बयान से किनारा नहीं किया, जिसमें उन्होंने बांग्लादेशी मुस्लिम घुसपैठियों की तुलना बिहारियों से कर डाली. यह शर्मनाक और शर्मसार करने वाला है. जब आप नागरिकों की तुलना जबरन देश में घुस आए घुसपैठियों के साथ करेंगे. 5 वर्षों से झामुमो के नेतृत्व वाली सरकार है. लेकिन घुसपैठियों के विषय में इन्होंने कभी कोई कदम नहीं उठाया. घुसपैठियों को संरक्षण देकर सरकार झारखंड के मुसलमान का भी अहित कर रही है क्योंकि योजनाओं को यही मुस्लिम घुसपैठिए डकार जाते हैं.

बाहरियों की नियुक्तियों पर बंधु की बोलती बंद: रमाकांत

रांची। भाजपा के प्रवक्ता रमाकांत महतो ने आदिवासियत के नाम पर राजनीति चमकाने वाले आय से अधिक संपत्ति रखने के आरोपी बंधु तिर्की को भाजपा पर आरोप लगाने से पहले हेमंत सरकार से पूछने की हिम्मत दिखानी चाहिए. जेपीएससी और जेएसएससी में जिस तरीके से नियमों को ताक में रखकर ,पेपर लीक एवं परीक्षा सेंटर सेटिंग्स कराकर खुलेआम नौकरियां बेची जा रही हैं. जिसमें 70 प्रतिशत से अधिक राज्य के बाहर के अभ्यर्थी शामिल हैं. सरकार के बनने के छः माह के अंदर 1932 आधारित स्थानीय और नियोजन नीति बनाने का दंभ भर रहे थे.

सितंबर में अधिकार के प्रश्न पर आक्रोश सभा की तैयारी : आमया

रांची। आमया संगठन की बैठक रविवार को एस अली की अध्यक्षता में हुई. निर्णय हुआ कि झारखंडी युवाओं के अधिकार और मुस्लिमों के न्याय के प्रश्न पर सितंबर में आक्रोश सभा आमया की ओर से आयोजित होगा. एस अली ने कहा कि झारखंड अलग राज्य का उद्देश्य, आदिवासी मूलवासी भावना व मांग लागू नहीं हो रही, नियुक्तियों में दूसरे राज्य के लोग बहाल हो रहे, मॉब लिंचिग बिल संशोधन कर विधानसभा से पारित करने का मामला दो वर्षों से लटका है. आक्रोश सभा से स्थानीय व नियोजन नीति लागू करने, 4401 उर्दू सहा. शिक्षक के बैकलॉग 3712 पदों को अल्पसंख्यक आयोग वाद संख्या 174/2015 में दिए निर्देश बहाली शुरू करने, प्लस 2 विद्यालयों में उर्दू विषय, जनजातीय भाषा सहित अन्य विषयों में शिक्षक बहाली करने, मदरसा आलिम फाजिल की परीक्षा विवि से कराने, मदरसा बोर्ड, उर्दू एकेडमी, वक्फ बोर्ड, हज कमेटी का गठन एवं नियमावली का निर्माण कर समेत कई मुद्दों पर हर जिले से लोग शामिल होंगे. मौके पर इमरान अंसारी, जियाउद्दीन, नौशाद, अफताब, अंजुम, मजीद, फिरोज, अब्दुल बारी, गफ्फार, रेहान, सरफराज समी, आसिफ अंसारी, एकराम अंसारी, आशिक अंसारी आदि शामिल थे.

आठ लाख बेटियां ले रहीं सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना से लाभ

विशेष संवाददाता। रांची

सीएम हेमंत सोरेन का ड्रीम प्रोजेक्ट आगे बढ़ रहा है. सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना समाज कल्याण विभाग की एक आदर्श योजना के रूप में देखी जा रही है. इस योजना से नौ लाख किशोरियों को जोड़ने की योजना पर काम चल रहा है. फिलहाल आठ लाख छात्राओं को इसका लाभ मिल रहा है. सावित्रीबाई किशोरी समृद्धि योजना के तहत कुल 5 बार में 40 हजार तक आर्थिक सहायता सरकार की ओर से दी जाती है. यह सहायता वर्ग आठ से प्रारम्भ होकर उनके 12वीं तक पहुंचने तक मिलती रहती है.

यह है योजना : हेमंत सरकार की किशोरी समृद्धि योजना से अब तक आठ लाख किशोरियों को जोड़ा जा चुका है. वर्ष 2022 - 23 में जहां इस योजना में 7,28,332, वर्ष 2023-24 में 7,15,061, वहीं वर्ष 2023-24 में 2,07,296 अब तक आवेदन स्वीकृत हुए हैं. योजना के तहत सरकारी स्कूल में वर्ग 8 से 12वीं तक की प्रत्येक स्कूली छात्रा को कक्षा आठ में 2,500 हजार, नौवीं में 2,500, 10वीं में 5,000, ग्यारहवीं में 5,000 और बारहवीं में 5,000 रुपये की सहायता उनके बैंक खाते में दी जाती है. जब किशोरी की उम्र 18 की हो जाये और उसका मतदाता पहचान पत्र बन जाये तो उसे एकमुश्त 20,000 रुपये दिये जाते हैं, ताकि वो उस पैसे से आगे की पढ़ाई या कोई प्रशिक्षण लेकर स्वाबलंबी बन सकें.

इस योजना से स्कूलों में ड्रॉप आउट के मामले काफी कम हुए

हेमंत सरकार ने देखा आठवीं वर्ग से किशोरियों को पढ़ाई करने के लिए कई छोटी-छोटी ज़रूरतें होती हैं, उन जरूरत को पूरा करने के उद्देश्य से यह योजना लाई गई है. अपने खाते में आए इस सरकारी सहायता का लाभ छात्राएं खूब उठा रही हैं. पढ़ाई की छोटी-मोटी जरूरत खाते में आये पैसे से पूरी हो जाती है. सबसे महत्वपूर्ण बात है कि यह सहायता सरकार द्वारा स्कूलों को दिए जा रहे सहायता के अतिरिक्त है. सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना का सबसे बड़ा फायदा यह हुआ कि दूर दराज के गांव की किशोरियां अब विद्यालय नियमित रूप से आ रही हैं. इस योजना के कारण ड्रॉप आउट के मामले काफी कम हुए हैं.

आदिवासी छात्र संघ ने सीएम का फूंका पुतला, किया विरोध

सीएम का पुतला फूंकते आदिवासी छात्र संघ के सदस्य.

रांची। आदिवासी छात्र संघ के सैकड़ों विद्यार्थियों ने जेल चौक पर रविवार को सीएम का पुतला फूंका. कहा,मणिपुर में दो समुदायों के बीच हिंसा, उपद्रव की आग बुझी भी नहीं कि अब पाकुड़ जिले के केकेएम कॉलेज के आदिवासी छात्रों पर लाठीचार्ज का मामला उजागर हो गया है. पहले विभिन्न छात्रावासों के विद्यार्थी करमटोली छात्रावास से पैदल मार्च करते हुए जेल चौक पहुंचे. जहां रैली सभा में तब्दील हो गई. वहा पहुंच कर छात्रों ने सीएम मुर्दाबाद, पाकुड़ एसपी मुर्दाबाद का नारा लगाया. केंद्रीय अध्यक्ष सुशील उरांव ने कहा, केकेएम छात्रावास में सो रहे छात्रों पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया है. जल्द दोषियों पर कार्रवाई हो. मौके पर बिरसा उरांव, अजय उरांव, प्रदीप उरांव, प्रकाश भगत, बबलू उरांव, परमात्मा उरांव,आशीष उरांव, सागर उरांव समेत सैकड़ों विद्यार्थी शामिल थे.

निर्मल उरांव समेत कई युवाओं ने थामा आजसू पार्टी का दामन

खास बातें

- सुदेश बोले- मौजूदा हालात ने सोचने पर विवश किया
- आप राज्यहित चाहेंगे, तो लोग खुद आपसे जुड़ेंगे

संवाददाता। रांची

रांची के बोड़ेया स्थित गोल्डन मोमेंट बैंक्वेट हॉल में आयोजित मिलन समारोह में पार्टी अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ. इस दौरान केंद्रीय सचिव सह रांची महानगर प्रभारी जितेंद्र सिंह के नेतृत्व में युवा समाजसेवी निर्मल उरांव ने अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ पार्टी की सदस्यता ग्रहण की. मौके पर उपस्थित सभी लोगों को संबोधित करते हुए सुदेश महतो ने कहा कि राज्य की वर्तमान परिस्थिति ने सभी लोगों को एक बार फिर सोचने पर मजबूर कर दिया है. राजनीति चिंतन का माध्यम है. यदि आपका चिंतन राज्य के हित के लिए है तो आपके साथ लोग जुड़ेंगे और आपका साथ भी देंगे. पार्टी की सदस्यता ग्रहण करने वाले निर्मल उरांव ने कहा कि समाज की समस्याओं को करीब से जनता हूं और इन समस्याओं को दूर करने के लिए आजसू से बेहतर कोई राजनीतिक पार्टी नहीं है. पार्टी की सदस्यता लेने वाले में ऋषभ मेहता, उज्ज्वल साहू, कुणाल निखिल समेत सैकड़ों युवाओं शामिल थे.

आजसू के मिलन समारोह में पार्टी का दामन थामने वाले लोग.

जरूरी मांग

आदिवासी हुंकार ने लिखा सीएम हेमंत सोरेन को पत्र, कहा

बाहरी लोगों पर उचित प्रतिबंध पर कानून बनाया जाए

विशेष संवाददाता। रांची

आदिवासी हुंकार संगठन के संस्थापक ग्लैडसन डुंगडुंग ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को पत्र लिखा है. उन्होंने मुख्यमंत्री से बाहरी जनसंख्या पर उचित प्रतिबंध लगाने के लिए कानून बनाने की मांग की है.

उन्होंने कहा कि झारखंड के विभिन्न जिलों में पड़ोसी राज्यों से बड़े पैमाने पर बाहरी जनसंख्या के आगमन व स्थाई रूप से बसने से होने वाले डेमोग्रफिक चेंज से आदिवासी-मूलवासियों के हितों की सुरक्षा हेतु भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19 (5) व (6) के तहत सरकार के संवैधानिक शक्ति का उपयोग करते हुए बाहरी जनसंख्या पर

उचित प्रतिबंध लगाने के लिए कानून बनाया जाए.

जमीन और नौकरी पर होता जा रहा है बाहरियों का कब्जा : उन्होंने कहा कि झारखंड में हम आदिवासियों की जनसंख्या में हो रहे भारी बदलाव, आदिवासी जमीन की लूट व राज्य के पांचवीं अनुसूची क्षेत्र में स्थानीय निकायों में आरक्षित सीटों, सरकारी नौकरियों व व्यापार में बाहरी लोगों का कब्जा जैसे समस्याओं का मूल कारण बाहरी जनसंख्या का बड़े पैमाने पर आदिवासी इलाकों में आकर बसना है. विगत लोकसभा चुनाव में हिंदू-मुस्लिम व सरना-ईसाई के नाम पर नफरत फैला कर वोट का ध्रुवीकरण करने वाली भाजपा ने आगामी झारखंड विधानसभा चुनाव के मद्देनजर इस बार झारखंड में आदिवासी बनाम मुसलमान कर रही हैं, जिसके लिए संताल परगना में डेमोग्राफिक चेंज यानी जनसंख्या बदलाव को प्रमुख मुद्दा बनाने की कोशिश में जुटी हैं. परंतु इस मसले में सिर्फ अधूरा सच को पूरा सच की तरफ पेश किया जा रहा है.

निशिकांत बाहर से आकर स्थानीय लोगों की हकमारी कर रहे

उन्होंने कहा कि संताल परगना में डेमोग्राफिक चेंज का मुद्दा सबसे पहले उठाने वाले भाजपा सांसद निशिकांत दुबे खुद बिहार के भागलपुर जिले के भवानीपुर के मूल निवासी हैं, जो बाहर से आकर झारखंड के गोड्डा के स्थानीय लोगों के अधिकार पर हकमारी किए हैं. इसके अलावा पड़ोसी राज्यों से आकर बड़े पैमाने पर बाहरी लोग सांसद, विधानसभा, स्थानीय निकायों में चुनाव लड़ कर प्रतिनिधित्व हासिल किए है. जो आदिवासी-मूलवासियों के राजनीतिक अधिकारों को छीने हैं.

बाहरी आदिवासी महिलाओं से शादी करके छीन रहे जमीन

डुंगडुंग ने कहा कि झारखंड में आदिवासी मुख्यमंत्री बनने की राजनीति परंपरा को वर्ष 2014 में तोड़ा गया और छत्तीसगढ़ राजनांदगांव निवासी रघुवर दास को राज्य का पहला गैर आदिवासी मुख्यमंत्री भाजपा ने ही बनाया. साथ ही स्थानीय नीति बनाकर बाहरी जनसंख्या को दोहरा डेमिसाइल का लाभ दिलवाया. इसमें अधिकतर लोग अपने मूल राज्य और झारखंड में वोट देते हैं. ग्लैडसन ने कहा कि झारखंड में डेमोग्राफिक चेंज का पूरा सच यह है कि 1951 से वर्ष 2021 तक आदिवासियों की जनसंख्या में करीब 10-15 फीसद गिरावट आई है.

सम्मानित किए गये 72 मानवतावादी

संवाददाता। रांची

गुरुनानक भवन, कृष्णा नगर कॉलोनी में रविवार को शहीद भगत सिंह सम्मान समारोह हुआ. इसमें गुरुनानक सेवक जत्था और गुरुद्वारा श्रीगुरु नानक सत्संग सभा की ओर से राज्य के 72 मानवतावादियों को शहीद भगत सिंह सम्मान से सम्मानित किया गया. सम्मान पाने वाले सभी व्यक्तियों की ओर से की जा रही सेवा और उपलब्धियों का जिक्र करते हुए उन्हें सम्मान स्वरूप मोमेंटो, सर्टिफिकेट प्रदान किए गए. सभी अतिथियों को शहीद भगत सिंह की तस्वीर भेंट की गई.

इससे पहले दिन के साढ़े 11 बजे कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्जवलन से हुई. अतिथि मधुमेह विशेषज्ञ डॉ अजय छावड़ा, सभा के अध्यक्ष द्वारका दास मुंजाल, सचिन अर्जुन देव मिढा,मनीष मिड्ढ, श्रीराधा कृष्ण मंदिर कमेटी के चंद्रभान तलेजा, सचिव केसर पपनेजा ने दीप जलाया.इसके बाद जत्था के करण अरोड़ा ने 24 वर्षों से चलाए जा रहे सेवा कार्यों की जानकारी दी. डॉ छाबड़ा ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि इससे दूसरों को भी प्रेरणा मिलेगी. सूरज झंडई ने बताया कि यह तीसरा समारोह है. अब यह प्रत्येक दो वर्षों में इसका आयोजन किया जायेगा. मंच संचालन नरेश पपनेजा ने किया. मौके पर शाम चार बजे तक रक्तदान शिविर भी लगाया गया. जिसमें 20 लोगो ने रक्तदान किया.

किए गये सम्मानित

डॉ. हरमिंदरबीर सिंह, ज्ञानी जीवेंदर सिंह, सुंदरदास मिढा, सुरेश मिढा, मोहन काठपाल, चरणजीत मुंजाल, भाजपा नेता रमेश सिंह, नंदकिशोर रोड़ा, राधाकिशन घई, नारायण दास अरोड़ा, हरीश अरोड़ा, ललित किंगर, अश्विनी सुखीजा, अरुण जसूजा, जीवन मिढा, हरीश मिढा, विनोद सुखीजा, वेद प्रकाश मिढा, मोहन लाल अरोड़ा, लक्ष्मण दास मिढा, रमेश गिरधर, इंदर मिढा, हरविंदर सिंह मिढा, हरजीत बेदी, महेंद्र अरोड़ा, राजेंद्र गांधी, जीतू अरोड़ा, राजकुमार तलेजा, कामराज खत्री, प्रकाश गिरधर, मुकेश मुंजाल, गीता कटारिया, रवि नागपाल, नीता मिढा, शीतल मुंजाल आदि मुख्य रूप से सम्मानित किए गये.

राजधानी में छह माह में ही नियम तोड़ने वालों की संख्या हुई लाख से पार

शहर के लोग ट्रैफिक को लेकर हुए लापरवाह

रेहान अहमद। रांची

झारखंड राज्य में राजधानी रांची के लोग ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वालों में अव्वल हैं. मालूम हो वर्ष 2024 के आरंभिक 6 माह में ही ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वाले लोगों की संख्या लाख पार कर गई है. राजधानी रांची की पब्लिक ट्रैफिक के नियम और कानून को ताक पर रख कर चल रही है. सड़क हादसों पर ब्रेक लगाने के लिए ट्रैफिक के नियम और कानून बनाए गए हैं, लेकिन यहां के अधिकांश लोग इसे लेकर बेहद लापरवाह दिखते हैं.

ट्रैफिक उल्लंघन पर, जारी कार्रवाई : रांची के ट्रैफिक एसपी कैलाश करमाली ने बताया कि ट्रैफिक नियमों को लेकर लोगों को जागरूक किया जा रहा है. रोड सेफ्टी के कार्यकर्ता स्कूल-कॉलेजों में विद्यार्थियों एवं युवाओं को समझाने का कार्य किया जा रहा है. इसके बावजूद ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन का ग्राफ घट नहीं रहा है. ऐसे में अब हर तरह के नियमों के उल्लंघन को लेकर कार्रवाई की जा रही है. ट्रैफिक पुलिस की ओर से रांची डीटीओ को बड़ी संख्या में ड्राइविंग लाइसेंस को सस्पेंड करने के लिए प्रस्ताव भेजा गया है. ड्राइविंग लाइसेंस सस्पेंड करने के बाद भी यदि चालक दोबारा ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करते हैं, तो उनके ड्राइविंग लाइसेंस को रद्द करने की कार्रवाई भी की जाएगी.

चालान कटने की राशि करोड़ों में पहुंची : राजधानी में हाई स्पीड कैमरा के जरिए रेड लाइट वायलेशन, बिना हेलमेट, विपरीत दिशा में ड्राइव और रैश ड्राइविंग को लेकर चालान काटा जा रहा है. इस दौरान जो आंकड़े सामने आए हैं वो बेहद चौंकाने वाले हैं. ट्रैफिक पुलिस के द्वारा चालान कटने को लेकर आंकड़ा जारी किया गया है.

चालान की स्थिति

- 2024 में अब तक तीन हजार लोगों के डीएल व मार्च माह में 491 लोगों का ड्राइविंग लाइसेंस सस्पेंड करने का प्रस्ताव भेजा गया.
- अप्रैल माह में 362 लोगों का ड्राइविंग लाइसेंस सस्पेंड करने का प्रस्ताव भेजा गया था.
- मई माह में 346 लोगों का ड्राइविंग लाइसेंस सस्पेंड करने का प्रस्ताव.
- जून माह में 614 लोगों के ड्राइविंग लाइसेंस सस्पेंड करने का प्रस्ताव.
- 2024 में अब तक 1.10 लाख लोगों का चालान कटा

ट्रैफिक नियम के उल्लंघन में काफी बढ़त

राजधानी की पब्लिक ट्रैफिक के नियम और कानून को ताक पर रख कर चलती है. सड़क हादसों पर लगाम लगाने के लिए ट्रैफिक के नियम और कानून बनाए गए हैं, किंतु राजधानी के अधिकांश लोग इसे लेकर बेहद लापरवाह दिखते हैं. खासकर दो पहिया वाहन चलाने वाले चालक तो ट्रैफिक नियमों को लेकर थोड़ा अधिक ही लापरवाह नजर आते हैं. ट्रैफिक पुलिस के द्वारा काटे गए चालान और डीटीओ को भेजे गए ड्राइविंग लाइसेंस सस्पेंड करने के आंकड़े चौंकाने वाले हैं. वर्ष 2023 से लेकर जून 2024 तक ट्रैफिक पुलिस ने 8,933 लोगों के लाइसेंस निलंबित करने के लिए डीटीओ को भेजा. इस वर्ष जून माह तक ट्रैफिक नियमों की अवहेलना करने वाले लोगों की संख्या 1.10 लाख हो गई है.

वेदायना को सीयूईटी की परीक्षा में बेस्ट टॉप फोर्थ में प्रथम रैंक

रांची। आपीएस अधिकारी प्रिया दूबे की बेटी वेदायना सीयूईटी परीक्षा में बेस्ट टॉप फोर्थ में प्रथम रैंक हासिल किया है. प्रिया दूबे ने अपनी पुत्री की इस सफलता पर खुशी जाहिर करते हुए बधाई दी है, उन्होंने बताया कि वेदायना संत थॉमस स्कूल से 95 फीसदी अंक लाकर 10वें स्थान पर रही थी और जवाहर विद्या मंदिर श्यामली स्कूल से 96 फीसदी अंक ला कर 12वें स्थान पर रही थी. उसने राजनीतिक शास्त्र के साथ दिल्ली विश्वविद्यालय से स्नातक तक की पढ़ाई पूरी की है. उसने अपनी तैयारी एनसीआरटी किताब और ऑन लाइन सोर्सेज से की. मेरी बेटी की रुचि सिविल सरवेंट बन कर समाज के लिए कुछ कर गुजरने की है. वेदायना ने इस सफलता के लिए दिन रात कड़ी मेहनत की है, वह दिन भर में सात घंटे पढ़ाई करती थी. उसने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने माता पिता व शिक्षकों को दिया है.

जेम्स चर्च में मना क्लारेशियन धर्म समाज का जुबली महोत्सव

क्लारेशियन धर्म समाज के जुबली महोत्सव में मौजूद पुरोहित व पादरी.

संवाददाता। रांची

लालपुर स्थित जेम्स चर्च में रविवार को क्लारेशियन धर्म समाज का 175 वां जुबली महोत्सव मनाया गया. कैथोलिक सभा महिला संघ एवं युवा संघ के भीम सेन तथा डी पॉल की अगुवाई में पुरोहित फादर अनीम प्रकाश ने दीप प्रज्वलित किया. मिस्सा बलिदान हुआ. मुख्य अनुष्ठाता फादर अनिम प्रकाश इंदवार, पल्ली पुरोहित देवसहाय मिंज, फादर जार्ज थे. पुरोहित ने संदेश देते हुए कहा कि क्लारेशियन धर्म सभा की स्थापना 1890 ई में वीक नामक गांव स्पेन देश में हुई थी. आज यह समाज देश भर में कलिसिया सेवा के कार्यो में आगे बढ़ रही है. इसलिए यह पर्व लालपुर पल्ली का महत्वपूर्ण त्योहार है. संत जेम्स पल्ली के संरक्षक संत हैं. उनके द्वारा लालपुर पल्ली को आशिष दिया गया. स्वागत भाषण पुरोहित देवसहाय मिंज ने किया. जहां बच्चो ने पारंपरिक वेशभूषा में लोकनृत्य प्रस्तुत किया. मौके पर अल्बर्ट कॉलेज के फादर फाबियन, क्लोरियन फादर माइकल, प्रभात तारा एक्का, फादर सुनील खाखा, फादर मार्टिन सोरेंग, सपारोम पेरिस से फादर लोरेंस समेत ख्रीस्त धर्म बहनें शामिल थे.

मोर्चा का शिष्टमंडल नंगे पैर शिक्षा मंत्री से मिला

शिक्षा मंत्री के आश्वासन के बाद चप्पल आंदोलन समाप्त

शिक्षा मंत्री को ज्ञापन सौंपता झारखंड प्रदेश संयुक्त शिक्षक मोर्चा का शिष्टमंडल.

संवाददाता। रांची

झारखंड प्रदेश संयुक्त शिक्षक मोर्चा का शिष्टमंडल बिना चप्पल पहने ही शिक्षा मंत्री बैद्यनाथ राम से मिलने पहुंचा और उन्हें मांग पत्र सौंपा. बताया गया कि पिछले दिनों राज्य शिक्षा परियोजना के निदेशक आदित्य रंजन ने कार्यशाला में शिक्षकों को चप्पल पहन कर स्कूल आने पर चप्पल से मारने का अमर्यादित एवं अशोभनीय बयान दिया था. मंत्री को बताया गया कि निदेशक ने ऐसा बयान देकर पूरे शिक्षा जगत को शर्मसार किया है. इसके विरोध में राज्य के शिक्षकों की अस्मिता और भयमुक्त वातावरण से अवगत कराते हुए वायरल वीडियो व ऑडियो की उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की है. शिक्षा मंत्री ने बैद्यनाथ राम ने कहा कि शिक्षा सचिव को मामले का पटाक्षेप करने का आदेश दिया है. उन्होंने खुद भी निदेशक की क्लास ली है. निदेशक को चेताया है कि ऐसी शर्मसार करने वाली बातें कतई बर्दास्त नहीं की जा सकती है.

मंत्री द्वारा शिक्षकों के सम्मान की रक्षा के आश्वासन पर मोर्चा में शामिल राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ, झारखंड राज्य उर्दू शिक्षक संघ, झारखंड प्रदेश प्राथमिक शिक्षक संघ, झारखंड स्टेट प्राइमरी टीचर्स एसोसिएशन एवं राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ प्लस 2 संवर्ग ने चप्पल आंदोलन समाप्त करने की घोषणा की. शिष्टमंडल में मोर्चा के संयोजक अमीन अहमद, विजय बहादुर सिंह, प्रवक्ता अरुण कुमार दास, आशुतोष कुमार, संजीव कुमार सहित मोर्चा के अन्य शिक्षक प्रतिनिधि शामिल थे.

एक-दो दिनों में होगा अग्रवाल सभा की नई कार्यकारिणी का गठन

अग्रवाल सभा के चुनाव में सज्जन को सर्वाधिक मत

संवाददाता। रांची

अग्रवाल सभा रांची की वार्षिक आम सभा एवं नए सत्र 2024- 26 के लिए कार्यकारिणी सदस्यों का चुनाव महाराजा अग्रसेन भवन में संपन्न हुआ. सुबह 10 बजे आम सभा की अध्यक्षता अग्रवाल सभा के अध्यक्ष नंदकिशोर पाटोदिया ने की. मंत्री मनोज चौधरी ने अग्रवाल सभा द्वारा दो वर्षों मे किए गए सभी क्रियाकलापों की विस्तृत जानकारी दी तथा कोषाध्यक्ष अनिल अग्रवाल ने आय-व्यय का ब्यौरा दिया.

आम बैठक में अग्रवाल सभा की स्मारिका का विमोचन आगंतुक अतिथियों द्वारा किया गया. पूर्वाह्न 11 बजे से अग्रवाल सभा चुनाव के मतदान की प्रक्रिया प्रारंभ हुई. मतदान अपराह्न 4 बजे तक चला. मतगणना रात 8 बजे तक चली.

नयी कार्यकारिणी के सदस्य : चुनाव जीतने वाले 31 कार्यकारिणी सदस्यों में अजय कुमार खेतान, अजय कुमार डीडवानिया, अनिल अग्रवाल, अशोक कुमार लाठ, अमर अग्रवाल, आनंद जालान, कमल खेतावत, किशन कुमार पोद्दार, कौशल कुमार राजगढ़िया, जितेश अग्रवाल, नरेश कुमार बंका, निर्मल कुमार बुधिया, प्रमोद कुमार अग्रवाल, प्रमोद कुमार बगड़िया, विजय कुमार खोवाल, विनोद टिबडेवाल, मनीष टांटिया, मनोज कुमार चौधरी, मनोज कुमार ढांढनिया, मुकेश जाजोदिया, राजकुमार मित्तल, रमाशंकर बगड़िया, विकास अग्रवाल, विशाल पाड़िया, शिव कुमार भावसिंहका, संजय सर्राफ, सज्जन कुमार पाड़िया, सुनील कुमार केडिया, सुनील कुमार पोद्दार, सुरेश कुमार चौधरी, सुरेश कुमार पोद्दार, शामिल हैं.

अग्रवाल सभा की वार्षिक आमसभा के बाद हुए चुनाव में विजयी उम्मीदवार और पदाधिकारी.

924 मतदाताओं ने किया मतदान

चुनाव के निर्वाचन पदाधिकारी सुरेश चंद्र अग्रवाल ने विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि कुल 2455 मतदाताओं में से 924 मतदाताओं ने मतदान किया, जिसमें 28 वोट रद्द कर दिए गए. चुनाव में 38 प्रत्याशी मैदान में थे, जिनमें 31 कार्यकारिणी सदस्यों ने जीत हासिल की. उनमें सज्जन कुमार पाड़िया सबसे अधिक 862 वोट लाकर प्रथम स्थान पर रहे. उन्होंने बताया कि एक दो दिनों में कार्यकारिणी के सदस्य बैठक कर अध्यक्ष सहित सभी पदाधिकारियों का चयन करेंगे. मतदान शांतिपूर्ण हुआ. मतदान की प्रक्रिया एवं व्यवस्था की सभी ने सराहा.

खास बातें

- कुल 954 मतदाताओं ने किया अपने मताधिकार का प्रयोग
- 38 प्रत्याशी मैदान में खड़े थे, जिनमें से 31 विजयी हुए

सीसीसी के ईओजीएम में हंगामे के बीच 52 ऐजेंडा पास

संवाददाता। रांची

- 409 सदस्य थे ईओजीएम में उपस्थित, 200 से अधिक विरोध में

झारखंड राज्य क्रिकेट संघ के कंट्री क्रिकेट क्लब (सीसीसी) की विशेष आम सभा (ईओजीएम) में हंगामे के बीच आर्टिकल ऑफ एसोसिएशन (एओए) में संशोधन को मंजूरी दे दी गई. ईओजीएम में 409 सदस्य शामिल हुए. लाइफ मेंबर आरके मल्लिक के अनुसार 200 से अधिक लोग विरोध कर रहे थे. हंगामे के बीच सीसीसी का कार्यकाल एक वर्ष से बढ़ा कर दो वर्ष के एजेंडे समेत 52 क्लॉज को पास कर दिया गया. हालांकि डायरेक्टर की संख्या बढ़ाने का प्रस्ताव को वापस ले लिया गया.

जेएससीए के लाइफ मेंबर आरके मल्लिक ने प्रेस से बात करते हुए कहा कि गलत तरीके से एजेंडे को पास कराया गया है, मीटिंग शुरू होते ही सब पास हो गया. यह नियम कानून के खिलाफ़ है. वहीं मनीष जायसवाल ने भी आरोप लगाते हुए कहा कि मीटिंग के दौरान जो हुआ, उसे कहीं से भी सही नहीं ठहराया जा सकता है. मनमानी तरीके से एजेंडे को पेश कर पास कराया गया. उन्होंने कहा कि जेएससीए पॉलिटिकल और लूट का अड्डा हो गया है. वहीं सीसीसी के कोषाध्यक्ष भानु प्रताप सिंह ने कहा कि सभी एजेंडों को नियम कानून के साथ पास किया गया है. बैठक का एजेंडा एसोसिएशन ऑफ कंट्री क्रिकेट क्लब के संशोधित अनुच्छेदों को अपनाना था. उपस्थित सदस्यों ने विशेष बहुमत से एजेंडे के पक्ष में मतदान किया, जिससे प्रस्ताव विशेष कार्य के रूप में पारित हो गया.

वनकाम की गोष्ठी में काव्य रस की फुहार

संवाददाता। रांची

स्थानीय सिटी पैलेस में वरिष्ठ नागरिक काव्य-मंच झारखंड की जुलाई माह की गोष्ठी रविवार को आयोजित की गई. गोष्ठी की अध्यक्षता संगीता सहाय ने की, जबकि मंच का संचालन सुनीता अग्रवाल ने किया. गोष्ठी में पुष्पा पाण्डेय, रश्मि सिन्हा, मंजुला सिन्हा, सीमा सिन्हा, बिंदु प्रसाद, राकेश रमन जी, पंकज पुष्कर, मधुमिता साहा, समिता सिन्हा, पूनम वर्मा, निर्मला सिंह, जागृति नाथ, रेनू बाला धार, सुनीता अग्रवाल, सुनीता श्रीवास्तव, उमा सिन्हा, नीता शेखर, मोनिका प्रसाद, उर्मिला सिन्हा एवं संगीता सहाय ने मनमोहक प्रस्तुति दी तथा सावन की भव्यता, देवो के देव महादेव की जय-जयकार और काव्य-गंगा की रसधार में सभी को सराबोर कर दिया. मंच की प्रदेश अध्यक्ष संगीता सहाय ने सभी महिलाओं को सावन का उपहार चूड़ी, बिंदी और सिन्दूर तथा पुरुषों को पौधा दे कर सम्मानित किया.

श्रीराणी सती दादी का श्रावण सिंधारा महोत्सव

संवाददाता। रांची

श्रीराणी सती मंदिर परिसर में रविवार देर रात तक भक्ति की अविरल धारा बहती रही. यहां मंदिर कमेटी की ओर से श्रीराणी सती दादी का श्रावण सिंधारा महोत्सव धूमधाम से मनाया गया. श्रद्धालुओं ने जहां श्रीदादी का दर्शन-पूजन कर श्रद्धा का पुष्प चढ़ाया, वहीं पाठ और भजन-संकीर्तन कर भक्ति में रमे रहे. सुबह सात बजे कार्यक्रम की शुरुआत गणेश पूजन से हुई. महोत्सव संयोजक दिनेश टेकरीवाल सपत्नीक पूजन कर अखंड ज्योत प्रज्वलित की. इसके बाद दादीजी का सिंधार और मंगला पाठ किया गया, फिर दिन के एक बजे से हरि सत्संग समिति ने सुंदर कांड पाठ और शाम चार बजे से नवमी कीर्तन मंडली ने भजन रस धारा बहायी. इस बीच विवाहित जोड़ों ने गजरा महोत्सव मनाया. श्रीदादी का सिंधारा भी किया. रात नौ बजे महाआरती के साथ महोत्सव संपन्न हुआ.

पारंपरिक वेष-भूषा में 501 सुहागिन महिलाओं ने सस्वर मंगल पाठ कर श्रीराणी सती दादी की जीवन गाथा गायी. पाठ के बीच सावन की रुत है, आजा मां, झूला तुझे झूलायेंगे जैसे भजनों से वातावरण दोपहर बाद तक गुंजायमान रहा.

मंदिर में दादीजी की भव्य झांकी सजाई गयी. श्रीछिन्नमस्तिका रजरप्पा मंदिर में झूला झूलते श्रीदादी का दृश्य और मुख्य मंडप में दादी के पुष्प शृंगार ने सबका मन मोह लिया. कार्यक्रम में न्यासी रतन जालान, भानु प्रकाश जालान, अध्यक्ष सतीश तुलस्यान, गजानन्द अग्रवाल, दिनेश टेकरीवाल, अक्षय हरलालका, दीपक गोयनका, विमल झुनझुनवाला, विकाश बंसल, अमर चौधरी, सौरभ सरावगी, विभोर डागा, श्याम अग्रवाल, आयुष नारसरिया, गुड्डू सिंघानिया, गौतम अग्रवाल, अंकुर डागा, किशन मोदी, पवन शर्मा, पवन जालान, प्रदीप नारसरिया, मनोज जालान, प्रदीप लोहिया, चन्द्रकान्त झुनझुनवाला, आशुतोष खेतान, लोकेश जालान, तरुण सराफ़, पुलकित अग्रवाल, अमर पोद्दार, रमेश अग्रवाल, संतोष मोदी, बिनू ठक्कर, सुमित महलका, संजय केडिया, राजेश शर्मा, गौरव कटारुका, विकाश ने इसमें मुख्य योगदान दिया.

श्रीजीण माता का सिंधारा महोत्सव 11 अगस्त को

रांची। मारवाड़ी भवन, हरमू रोड में रविवार को श्रीजीण माता परिवार की बैठक हुई. इसमें 11 अगस्त को श्रीजीण माता का मंगला पाठ और सावन सिंधारा महोत्सव धूमधाम से मनाने का निर्णय लिया गया. साथ ही महोत्सव से संबंधित पोस्टर जारी किया गया. अध्यक्ष दिलीप पटवारी ने बताया कि अग्रसेन भवन में गणेश पूजन से इसकी शुरुआत होगी. मुख्य यजमान प्रदीप सिंघानिया सपत्नीक पूजन करेंगे. इसके बाद माता का महा अभिषेक किया जायेगा. फिर दिन के एक बजे से मंगला पाठ शुरू होगा. कोलकाता के पाठ वाचक बाल किशन शर्मा और विनोद शर्मा के सानिध्य में 351 महिलाएं राजस्थानी पारंपरिक वेशभूषा में मंगल पाठ कर भक्ति की अविरल धारा बहायेंगी.पाठ के दौरान माता का जन्मोत्सव, मेहंदी महोत्सव, चुनड़ी महोत्सव और गजरा महोत्सव मनाया जाएगा. माता को 151 फीट की चुनरी ओढ़ाई जाएगी. उन्होंने बताया कि कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए विभिन्न समितियां और उप समितियां गठित की गयी हैं.

'मोर भंगिया के मनाइ दे' पर जम कर लगे ठुमके

संवाददाता। रांची

राजधानी में रविवार की रात शिव भक्तों के नाम रही. दूसरी सोमवारी पर भोले बाबा के जलार्पण के लिए बड़ी संख्या में कांवरिए निकले. गली-कूचों से लेकर चौक-चौराहों तक गेरुवा वस्त्र पहने शंभू भक्तों का उत्साह देखते ही बन रहा था. रात 11 बजे के बाद अल्बर्ट एक्का चौक कांवरियों से पट सा गया. यहां मोर भंगिया के मनाइ दे ... पर ठुमके लगाने और भक्ति रंग जमाने के बाद श्रद्धालुओं ने अपनी-अपनी राह पकड़ी. कोई पदयात्रा करते हुए स्वर्णरेखा नदी की ओर बढ़ गया तो कोई वाहन से अंगरा बाड़ी के लिए प्रस्थान कर गया. विभिन्न स्थानों पर कई सामाजिक और धार्मिक संगठनों की ओर से शिविर लगा कांवरियों के लिए विशेष व्यवस्था की गयी थी. आधी रात के बाद स्वर्णरेखा नदी से जल लेकर लौटे कांवरिए पहाड़ी मंदिर पहुंच, कतारबद्ध हो गए. तड़के तीन बजे सरकारी पूजा के बाद मंदिर का पट खुलते ही जयघोष से वातावरण गूंज उठा.

दूसरी सोमवारी आज : पहाड़ी मंदिर सहित शहर के शिवालय दूसरी सोमवारी के लिए सज-धज कर तैयार है. 29 जुलाई को देवालयों में भक्तों का मेला लगेगा. सोमवारी पर उमड़ने वाली अत्याधिक भीड़ को ध्यान में रख पहाड़ी मंदिर में खास इंतजाम किए गए हैं. मजिस्ट्रेट के नेतृत्व में पुलिस के जवान चप्पे-चप्पे पर नजर रखेंगे. सीसीटीवी कैमरे से भी निगरानी की जायेगी. पहाड़ी मंदिर विकास समिति के सदस्यों संग पहानों की टोली दर्शनार्थियों को हरसंभव सहयोग देगी. खोया-पाया की सूचना लगातार दी जाएगी. शहर के अन्य मंदिरों में भी बेहतर व्यवस्था रहेगी.

श्रीश्याम मंदिर में भक्तों ने किया महारुद्राभिषेक

रांची। श्रीश्याम मंदिर, अग्रसेन पथ में रविवार को महारुद्राभिषेक किया गया. प्रधान आचार्य पंडित श्यामसुंदर भारद्वाराज ने सहयोगी विद्वानो संग नेम-निष्ठा से वैदिक मंत्रोच्चार के बीच अनुष्ठान संपन्न कराया. श्रीश्याम मित्र मंडल के अध्यक्ष चंद्रप्रकाश बागला ने सपत्नीक यजमान के रूप में इसमें हिस्सा लिया. अनुष्ठान संपन्न होने पर शिव परिवार को भव्य पुष्प शृंगार कर आरती उतारी गयी. प्रसाद बांटे गए. धीरज बंका, राजेश सारस्वत, विवेक ढांढनीयां, प्रदीप अग्रवाल, विकास पाडिया, अजय साबू, महेश सारस्वत, प्रियांश पोद्दार, नितेश लाखोटिया, अभिषेक डालमिया ने इसके सफल आयोजन में मुख्य योगदान दिया.

श्वेतांबर जैन समाज ने किया नमिनाथ भगवान का अभिषेक

रांची। श्वेतांबर जैन मंदिर, डोरंडा में रविवार को नमिनाथ भगवान का जन्म कल्याणक श्रद्धाभाव से मनाया गया. धर्मावलंबियों ने शुक्रस्तव स्तोत्र से अभिषेक कर श्रद्धा अर्पित की. मौके पर केशर देवी पींचा के ग्यारह उपवास, विनय नाहटा और सोनल नाहटा को आठ उपवास की तपस्या के लिए सम्मान दिया गया. भजन प्रस्तुत कर अनुयायियों ने गुरुवर और श्रीजी की भक्ति रस धारा बहायी. चातुर्मास कर रही लयस्मिता श्रीजी, अमीवर्षा श्रीजी, भव्योदया श्रीजी, गुणोदया श्रीजी तथा जिनवर्षा श्रीजी ने सभी के बीच आशीर्वचन का प्रसाद बांटा. लयस्मिता श्री जी ने कहा कि वर्तमान समय में हर व्यक्ति स्वतंत्र जीवन जीना चाहता है. मर्यादा खत्म हो गयी है.

समापन | सकारात्मक संदेश दे गयी ऑड्रे हाउस में आयोजित कला प्रदर्शनी

कैनवास पर दिखे सरहुल महोत्सव के मनोरम दृश्य

बसंत मुंडा। रांची

स्थानीय ऑड्रे हाउस में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए), क्षेत्रीय केंद्र, रांची और पर्यटन, कला, संस्कृति, खेल एवं युवा मामले विभाग, झारखंड सरकार और मोक्षम शरणम आर्ट गैलरी, रांची के तत्वावधान में आयोजित चार दिवसीय कला प्रदर्शनी रविवार को समाप्त हो गयी. यह प्रदर्शनी समाज को कई सकारात्मक संदेश दे गयी, जिसमें झारखंड के प्रसिद्ध चित्रकारों रामानुज शेखर, हिमाद्री रमानी, हेमलता दत्ता, सीआर हेम्ब्रम एवं डॉ. भारती द्वारा बनाई गई पेंटिंगों को शामिल किया गया था. चित्रकार डॉ. भारती ने आड्रे हाउस में कई ऐसे कैनवास प्रदर्शनी में लगाये, जिसने लोगों को काफी आकर्षित किया. सभी कैनवासों पर आदिवासी संस्कृति की झलक थी. एक कैनवास पर झारखंड के जनजातीय समुदाय के अस्तित्व और दर्द का चित्रण किया गया था तो वही दूसरे कैनवास पर आदिवासी समुदाय की सामूहिकता से परिचित किया गया था. उसमें आदिवासी दर्शन, सामूहिकता और प्रकृति के साथ सामजंस्य सटीक चित्रण किया गया था.

आदिवासी प्रकृति सरहुल महोत्सव की मनोरम दृश्य को कैनवास पर उकेरा

तीसरे कैनवास में प्रकृति और मां को एक ही रूप में बताया गया, जहां पेड़ के माध्यम से लोगों को मैसेज दिया गया था कि पेड़ की जड़ें किस तरह से आपस में जुड़ी रहती हैं, उसी तरह एक स्त्री अपने परिवार को जोड़ने का प्रयास करती है. अपनी संवेदना प्रकट करती है. चित्रकार हिमाद्री रवानी ने भी कई कैनवास प्रदर्शनी में लगाये थे. जिस में आदिवासियों के सरहुल महोत्सव को दिखाया गया था. कैनवास के माध्यम से लोगो को बताया गया कि जब सरहुल महोत्सव का जुलूस मेनरोड से सिरमटोली सरना स्थल जाता है तो इस दौरान सड़क पर जो भीड़ दिखती है, वह दृश्य मनोरम होता है. इसी खूबसूरत दृश्य को कैनवास पर उकेरा गया तो देखते ही बना. एक लय में और एक ताल पर नाचते गाते जुलूस में शामिल युवकों और युवतियों का बारीकी से चित्रण किया गया था. खोड़हा द्वारा बजाये गये वाद्ययंत्रों से निकली ध्वनि और उसे सुनकर लोगों की नाचने गाने की उत्सुकता का कमाल चित्रण दिखा. दूसरे कैनवास पर शहर में होने वाली बारिश को उकेरा गया था. मानसून शुरू होते ही शहर के अलग-अलग हिस्से में होने वाली बारिश को दिखाया गया. चित्रकार ने शहर के साथ गांवों को भी प्रदर्शित किया. यह प्रदर्शनी झारखंड की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर और जनजातीय जीवन के विविध पहलुओं को दर्शाने की दिशा में एक सराहनीय प्रयास रहा. इस आयोजन ने कला प्रेमियों और विद्यार्थियों को अपनी संस्कृति से जुड़ने और उसे समझने का अवसर प्रदान किया.

ग्रामीण बैंक रिटायरीज एसोसिएशन के वार्षिक सम्मेलन में कई मुद्दों पर चर्चा

संवाददाता। रांची

झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक रिटायरीज एसोसिएशन के दूसरे वार्षिक सम्मेलन का आयोजन रविवार को पुरुलिया रोड स्थित एसडीसी सभागार में हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में एनएफआरआरआरआरबीएस, बैंक के महासचिव गणपति हेगड़े शामिल हए. उन्होंने कहा कि हमलोगों के संगठन का गठन सुप्रीम कोर्ट के पेंशन आदेश के तत्काल बाद हुआ. अतः हम लोगों के सामने इसे लागू कराने, कम्युटेशन लेने, 11वें वेतन समझौते के अनुरूप एरियर भुगतान, फिटमेंट समित अन्य कई सुविधाएं प्राप्त करने की चुनौती थी. हमें प्रसन्नता है कि सभी साथियों के सहयोग से इसे प्राप्त करने में हम सफल हुए. समस्याएं कभी समाप्त नहीं होतीं, इसलिए संगठन को मजबूत बनाना जरूरी है. हम बैंक के सभी रिटायर्ड साथियों से अनुरोध करते हैं कि आइएएआरआरबीईए के तहत एकत्रित हो और संगठन को मजबूत बनाएं और अपने अधिकार के लिए संघर्ष करें. संगठन का प्रारूप ऐसा है कि इसका सारा अधिकार एवं दायित्व निवर्हन क्षेत्र जिला स्तर पर किया गया है.

उच्च स्तर पर एक कोर कमेटी का गठन किया गया है, जो सभी निर्णय के लिए जवाबदेह हो. इस संगठन के बल पर ही आज हम 12वें वेतन समझौता, 9वां ज्वाइंट नोट समान रूप से लागू कराने में सफल हुए हैं. इससे पूर्व अतिथियों ने सामूहिक रूप से दीप प्रज्जवलित कर सम्मेलन का शुभारंभ किया. एसोसिएशन के कार्यकारी अध्यक्ष डीएन पांडे, राज्य ग्रामीण बैंक के अध्यक्ष जयकांत चौबे ने भी अपने विचार रखे. मौके पर ग्रामीण बैंक के सेवानिवृत्त अधिकारियों में शुभेंदु प्रतिहारी, वेद प्रकाश, एसके जोरीहार, सुभाष, उमेश प्रसाद, अशोक कुमार प्रसाद, विजय प्रकाश, आरके सिंह समेत पूरे झारखंड से ग्रामीण बैंक के सेवानिवृत्त कर्मचारी-अधिकारी शामिल हुए.

ब्रीफ खबरें

सड़क हादसे में बाइक चालक घायल

रातू। थाना क्षेत्र के काठीटां ड़ चौक के पास एक ऑटो की टक्कर से बाइक चालक घायल हो गया. घटना रविवार को दिन के तीन बजे की है. दुर्घटना के बाद रातू पुलिस ने घायल इलाज के लिए रातू सीएचसी भेजा. वहीं दोनों वाहनों को जब्त कर थाना ले आई. बताया जाता है कि काठीटांड़ चौक-चौराहों पर पुलिस द्वारा बांधी गई रस्सी के कारण दो बिना नंबर के ट्रैक्टर गलत दिशा में आने के कारण एक-दूसरे से भिड़ गए. हालांकि इस टक्कर में किसी को नुकसान नहीं हुआ और दोनों ट्रैक्टर चालक घटना के बाद भाग निकले.

कार की टक्कर बाइक सवार तीन लोग घायल

मांडर। मांडर-टांगरबसली मुख्य पथ पर नारो पतरा के पास एक कार की टक्कर से बाइक सवार तीन लोग घायल हो गए. घटना रविवार शाम की है. घायलों में रिजवान अंसारी, अनवरी खातून और सुल्ताना परवीन शामिल हैं. इनमें रिजवान अंसारी को गंभीर चोट आयी है, मांडर रेफरल अस्पताल में प्राथमिक इलाज के बाद उसे रिम्स रेफर किया गया है. तीनों घायल बेड़ोके चनगनी गांव के निवासी हैं. सभी चामा से एक ही बाइक से अपने घर लौट रहे थे. नारो पतरा के पास एक कार ने ओवरटेक करने के दौरान बाइक को अपनी चपेट में ले लिया.

ओरमांझी जू में वाइसन की हुई मौत

ओरमांझी। भगवान बिरसा जैविक उद्यान में पिछले तीन दिन के अंदर दो जानवरों की मौत हो गई. शनिवार की शाम साढ़े छह बजे आदि नामक गौर जानवर (वाइसन) ने फेफड़े में पानी जमा होने से दम तोड़ दिया. आदि के मरने के बाद जू में गौर की संख्या वर्तमान में छह रह गई है. इसमें रोशनी, रूपा, हीरा, बलकू, सुकरा और बिरसा बचे हैं. आदि की मौत के संबंध मेंबताया जाता है कि वह अपनी उम्र के अंतिम पड़ाव पर था. दिन भर वह ठीक था, चारा भी खाया था. वहीं शाम साढ़े छह बजे उसने दम तोड़ दिया.

मेलानी नदी के पास से युवक का शव बरामद

चान्हो। थाना क्षेत्र के मेलानी नदी के पास एक युवक का शव पुलिस ने रविवार की सुबह बरामद किया. मृतक 35 वर्षीय उपेंद्र उरांव लुंडरी गांव का निवासी था. बताया जाता है कि गांव के एक व्यक्ति ने सुबह नदी के किनारे शव पड़ा देखा था. इसके बाद घटना की जानकारी चान्हो पुलिस को दी गई. पुलिस के अनुसार मृतक के मुंह से झाग निकल रहा था. आशंका है कि किसी जहरीले जीव के काटने के कारण उसकी मौत हुई है. वहीं परिजनों ने पुलिस को बताया कि वह दो दिन से घर से गायब था और शराब भी पीता था. इसके अतिरिक्त मानसिक रूप से कमजोर था.

मांडर में बीरगोड़ा नदी पर बहाल हुआ आवागम

मांडर। पहली ही बारिश में शुक्रवार की रात बीरगोड़ा नदी पर बना डायवर्सन बह गया था. रविवार को मिट्टी डालकर उसे आवागमन के लायक बनाया गया. डायवर्सन के बहने से पचपदा, तुतलो नवाटांड़, सरवा, डुमरी सहित कई अन्य गांवों का संपर्क प्रखंड मुख्यालय से टूट गया था. इस घटना से सबसे अधिक परेशानी मिशन नवाटांड़ में पढ़ने वाले स्कूली बच्चों को हुई थी जो शनिवार को इसके चलते स्कूल नहीं जा सके थे. डायवर्सन के आवागमन के लायक बनने से स्कूली बच्चों और उनके अभिभावकों के साथ ही टांगर बसली पचपदा पथ से जुड़े ग्रामीणों ने राहत की सांस ली. वहीं नदी में सिर्फ मिट्टी डालकर बनाए गए डायवर्सन के फिर से बारिश में बहने की आशंका जताई है.

अनगड़ा में आदिवासी संगठनों की बैठक

अनगड़ा। प्रखंड के पंचायत भवन में विभिन्न आदिवासी संगठनों से जुड़े सदस्यों की बैठक रविवार को शनिचरवा पाहन की अध्यक्षता में हुई. इस दौरान नौ अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस पर अनगड़ा मैदान में होनेवाले कार्यक्रम पर चर्चा की गई. वहीं दो अगस्त की अनगड़ा में होनेवाली बैठक में कमेटी गठित की जाएगी. बैठक के मुख्य अतिथि सरना प्रार्थना सभा के प्रदेश अध्यक्ष रवि तिग्गा और तानसेन शाही सहित चंपा कुजूर, अर्जुन गाड़ी, बीरू उरांव, प्रेम उरांव, बिरसा उरांव, रवि उरांव, राजू उरांव, दीनबंधु उरांव, कृष्णा मुंडा, विनोद सूप, रुक्मिणी उरांव, सुकरी उरांव, एतवारी उरांव, फूदन उरांव और बिरसी उरांव आदि मौजूद थे.

रातू में ग्रामीणों ने की सड़क पर धान रोपनी

संवाददाता। रातू

एनएच 39 से जुड़ी झिरी-चटकपुर की जर्जर सड़क पर आजसू कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों ने रविवार को धनरोपनी की. आजसू के हटिया विधानसभा प्रभारी भरत कांशी और रांची जिला परिषद सदस्य निर्मला भगत के नेतृत्व में स्थानीय सांसद और विधायक के उदासीन रवैये से त्रस्त ग्रामीण सड़क पर बने बड़े-बड़े गड्ढों में धनरोपनी कर विरोध जताया. भरत कांशी ने कहा कि हटिया विधानसभा के मॉडल क्षेत्र की पोल खुल रही है. क्षेत्र में सभी सुविधा उपलब्ध कराने की बात करने वालों के खिलाफ आजसू अभियान चला रही है. स्थानीय लोगों का कहना था कि पिछले 12 साल से विधायक के शिलान्यास और अनुशंसा के झुनझुना से क्षेत्र की जनता तंग आ चुकी है. इस संबंध में कई बार विधायक को आवेदन दिया गया था, परंतु उन्होंने ने सड़क निर्माण पर ध्यान नहीं दिया. विपक्ष में होने की बात कहकर वह हमेशा बहाना बनाते रहे. कार्यक्रम में आजसू पार्टी के केंद्रीय सदस्य राजीव मिश्र, चटकपुर मुखिया विक्की लोहार, राकेश कुमार, लीला तिर्की, जीतेन्द्र काशी, मुन्नी देवी, सुनीता सिंह, संतोष शर्मा, निशा देवी, अंजलि देवी, सुनीता देवी, बेबी देवी, जीतेन्द्र शर्मा, शंकर राणा, अजय शर्मा, दिलीप विश्वकर्मा, रंजन सिंह, संजय वर्मा, पूनम कुमारी, लक्ष्मण वर्मा, बबलू पाठक, रोजी लिंडा, मीना गाड़ी, कोमल देवी, कांति सिंह, संजय तिर्की, शंकर उरांव, राजन तिर्की, रमाकांत ठाकुर, सरिता देवी, अनामिका देवी, अनिल लोहरा, दिनेश बैठा, किशन काशी, मोहित जायसवाल, रंजीत कुमार और दानिश काशी आदि मौजूद थे.

फंदे से लटका मिला नौवीं की छात्रा का शव

मझिआंव। बरडीहा थाना क्षेत्र के सलगा पंचायत के एक गांव में नौवीं कक्षा की छात्रा का शव उसके घर के एक कमरे से दुपट्टा के सहारे लटकता मिला. परिजनों की सूचना पर रविवार की सुबह पुलिस पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए गढ़वा भेज दिया. मृतका की मां ने बताया कि मेरे पति मजदूरी करने के लिए पिछले महीने से ही दूसरे प्रदेश में गए हुए हैं. घर में पुत्री और दो पुत्र के साथ रहते हैं. दोनों पुत्र दूसरे कमरे में सोए हुए थे. सुबह बेटी ने दरवाजा नहीं खोला, तो खपरैल हटा कर देखा, तो बच्ची फंदे से लटक रही थी. पुलिस मामले की जांच में जुट गई है.

अलंकार ज्वेलर्स से लाखों के गहने उड़ा ले गये चोर

दुकान का सीसीटीवी कैमरा व डीवीआर भी ले गए

खास बातें

- पड़ोस की दुकान का सीसीटीवी भी तोड़ा,
- डीवीआर में नहीं मिला सुराग

संवाददाता। धनबाद

सरायला थाना क्षेत्र स्थित खुशबू अलंकार ज्वेलर्स को बीती रात चोरों ने अपना निशाना बनाया. दुकान का शटर उखाड़कर चोर लाखों की संपत्ति पर हाथ साफ किया है. दुकान मालिक ने सरायढेला थाना में चोरी की शिकायत की है. दुकान मालिक राजकुमार वर्मा के मुताबिक, सुबह करीब 4:30 बजे उनको दुकान में चोरी होने की सूचना मिली. आकर देखा तो दुकान के शटर उखड़े हुए थे. दुकान के अंदर गया तो सारे सामान गायब थे. उन्होंने बताया कि चोर दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरा को भी ले गये. पड़ोस के एक दुकान का भी सीसीटीवी कैमरा चोरी हो गया. मामले को लेकर थाना में शिकायत की गयी है. पुलिस मामले की छानबीन में जुट गयी है. देर शाम तक चोरी गए जेवरात की कीमत आंकने के बाद पुलिस को मामले की लिखित शिकायत की गई. लगभग सात-आठ लाख रुपये के जेवरात की चोरी हुई है. इसके अलावा गल्ला में रखा लगभग पचास हजार रुपये नकद भी चोर ले गए. इधर पुलिस ने पड़ोस के दुकान में लगी सीसीटीवी कैमरा की छानबीन की, पुलिस वहां पता चला कि रात होने के बाद दुकानदार कैमरा बंद कर देता था, इस कारण उसके डीवीआर में कुछ रिकार्ड नहीं मिल पाया.

शहर में आपराधिक गतिविधियां बढ़ीं

शहर में इन दिनों फिर चोरी की वारदातों में इजाफा हो गया है. धनबाद, बैंकमोड़ और सरायढेला में लगातार वारदातें हो रही हैं. धनबाद शहर में चोरी की कई वारदातें हो चुकी हैं. खासकर दामोदरपुर इलाके को निशाना बनाया जा रहा है. वहीं शहर में चेन छीनने वाले गिरोह भी सक्रिय हो गए हैं. एक हर दिन में दो महिलाओं से छिनतई की गई थी.

सफाई के बहाने यात्रियों का सामान चुराने वाला धराया

धनबाद स्टेशन पर गश्ती के दौरान आरपीएफ ने पकड़ा

संवाददाता। धनबाद

धनबाद स्टेशन में गश्ती के दौरान रेलवे सुरक्षा बल एक संदिग्ध को दबोचा है. तलाशी के क्रम में उसके बैग पास से यात्रियों से चुराए गए कई सामान बरामद किए गए हैं.पकड़े गए अपराधी का नाम अमर डोम है और वह धनबाद का ही रहने वाला है. उसने बताया कि सफाई के बहाने रात में प्लेटफॉर्म अथवा ट्रेन में लापरवाह सो रहे यात्रियों का सामान चोरी कर लेता था. रविवार को भी नेताजी एक्सप्रेस के स्लीपर कोच में सफाई के बहाने से घुसा तथा सुबह करीब 3 बजे सो रहे एक यात्री का बैग को चोरी कर लिया था.

लैपटॉप, सोने-चांदी के कई सामान बरामद

अमर के बैग को जब खोलकर चेक किया गया तो उसमें एक काले रंग का लेनोवो लैपटॉप, एक ब्लूटूथ स्पीकर, एक ट्रिमर, एक चश्मा, एक घड़ी, एक जोड़ी सोने का झुमका, दो सोने की अंगूठी, एक सोने का मछली का लाकिट के साथ गले की माला, एक चांदी की अंगूठी, एक काले रंग की सेल्फी स्टिक, एक सफेद रंग का फोटाग्राफ स्टैंड, शर्मिला चक्रवर्ती एवं राहुल चक्रवर्ती के नाम का कुछ दस्तावेज सर्टिफिकेट, मार्कशीट आदि बरामद हुआ. बरामद सभी सामानों का कुल अनुमानित मूल्य यात्री के द्वारा 3 लाख रुपये बताया गया.

शराब नहीं मिलने पर गोलीबारी, तीन धराए

मेदिनीनगर। सतबरवा थाना क्षेत्र अंतर्गत एनएच 75 स्थित कंचन ढाबा में शनिवार की देर शाम शराब नहीं मिलने पर उपद्रवियों ने गोलीबारी कर दी. इस घटना में कई लोग बाल-बाल बच गए. सूचना के बाद मौके पर पहुंची सतबरवा थाना की पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया. गिरफ्तार आरोपियों में गढ़वा के मेराल थाना क्षेत्र अंतर्गत गोंदा गांव निवासी सुरेन्द्र विश्वकर्मा (50), गढ़वा निवासी जितेन्द्र कुमार पांडेय (44) व राहुल कुमार (38) शामिल है. पुलिस ने इनके पास से एक स्कॉर्पियो, एक एक्सयूवी वाहन, दो रायफल, नौ गोली, एक खोखा तथा चार मोबाइल जब्त किया है.

पत्नी की हत्या कर शव को जंगल में फेंका

मेदिनीनगर। रामगढ़ थाना क्षेत्र के लुकमान जंगल में महिला का शव बरामद हुआ. हत्या का आरोप मृतका के पति देवनाथ कोरवा पर लग रहा है. उसने अपनी पुत्री को भी मारने का प्रयास किया, लेकिन वह किसी तरह भाग कर अपनी जान बचाई. घायल बच्ची को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है. घटना के बाद से आरोपी फरार है. ग्रामीणों के अनुसार देवनाथ कोरवा कुछ दिनों तक बेंगलुरु में मजदूरी करता था, जहां से उसने एक बच्ची को गोद लिया था. सदर एसडीपीओ मणि भूषण प्रसाद ने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है.

हूल झारखंड क्रांति दल का दो दिनी सम्मेलन संपन्न

अनगड़ा। हूल झारखंड क्रांति दल का दो दिनी सम्मेलन का रविवार को सिकिदिरी में संपन्न हो गया है. कार्यक्रम का उद्घाटन प्रदेश अध्यक्ष कामरेड बिरसा हेमब्रोम ने किया. अंतिम दिन के सत्र का उद्घाटन झारखंड कर्मचारी महासंघ के प्रदेश महासचिव साहेबराम भोगता ने किया. मुख्य वक्ता कामरेड शैलेन्द्र कुमार मौजूद थे. साहेबराम भोगता ने कहा कि साम्राज्यवादी शक्ति देश और झारखंड का आर्थिक और राजनीतिक दोहन कर कर रही है. देश की सरकार हमारे संसाधनों को छीनकर विकास के नाम पर कॉरपोरेट और बहुराष्ट्रीय कंपनी को सौंपसौं रही है.

14 वीं झारखंड तैराकी प्रतियोगिता में टाटा स्टील ओवरऑल चैंपियन

रांची। 14वीं जूनियर सब जूनियर तैराकी प्रतियोगिता का समापन रविवार को हो गया. रांची के खेलगांव में आयोजित प्रतियोगिता में 489 अंक के साथ टाटा स्टील ओवरऑल चैंपियन बना. प्रतियोगिता के समापन समारोह के मुख्य अतिथि झारखंड तैराकी संघ की अध्यक्ष बरखा सिन्हा, विशिष्ट अतिथि भूटानी ग्रुप के निर्मल कुमार जैन जेएसएसपीएस के खेल प्रशासक मुकुल टोप्पो समेत खेल संघ के लोग और प्रसंशक मैजूद थे.

प्रतियगिता के चैंपियन
बेस्ट स्विमर ग्रुप 4
बॉयज में अयान गांधी ने दो गोल्ड व गर्ल्स में स्नेहा मजूमदार ने तीन गोल्ड जीता.

ग्रुप चैंपियन
विजेता - पूर्वी सिंहभूम
उपविजेता - टाटा स्टील
बेस्ट स्विमर ग्रुप 3
बॉयज में अर्णव आनंद ने पांच गोल्ड व गर्ल्स में रिचा साहू ने दो गोल्ड जीता.

ग्रुप चैंपियन
विजेता - रांची
उपविजेता - टाटा स्टील
बेस्ट स्विमर ग्रुप 2
बॉयज में गौतम गुप्ता ने तीन गोल्ड व गर्ल्स में जेनिफर ने तीन गोल्ड जीता.

ग्रुप चैंपियन
विजेता - टाटा स्टील
उपविजेता - हजारीबाग

बेस्ट स्विमर ग्रुप वन
बॉयस में ईशान गौतम सिंह ने पांच व गर्ल्स में रिद्धिमा तिवारी ने 5 गोल्ड जीता.

ग्रुप चैंपियन
विजेता - रांची
उपविजेता - टाटा स्टील

न्यूज अपडेट

स्मार्ट मीटर लगाने के बाद आया अधिक बिल, भड़के ग्रामीण

नामकुम। प्रखंड के टाटीसिलवे सहित ग्रामीण क्षेत्रों में स्मार्ट मीटर लगाने के बाद अधिक बिल आने से आक्रोशित ग्रामीण रविवार को खिजरी विधायक राजेश कच्छप के आवास पर पहुंचे. ग्रामीणों ने विधायक को बताया कि स्मार्ट मीटर लगाने के बाद विभाग द्वारा बिल नहीं दिया जा रहा है. ग्रामीणों द्वारा बिल की जानकारी लेने पर चार कमरे के आवासीय भूखंड में रहनेवाले परिवार को छह महीने में 50 से 60 हजार रुपये का बिल दिया जा रहा है. इसकी जानकारी लेने पर विभाग द्वारा बताया जाता है कि पूर्व में आपका बिल इस्तेमाल से कम का आता था उसी को मिलाकर यह बिल दिया गया है. ग्रामीणों ने विधायक से स्मार्ट मीटर की जांच कराकर सही स्मार्ट मीटर लगाने, गलत बिल को जांच कर माफ करने और प्रीपेड सेवा शुरू करने की मांग रखी. इसके बाद विधायक ने बिजली विभाग के जीएम से बात कर मामले में उचित कार्रवाई करने की बात कही.

गरीबों को प्रताड़ित कर रहे हैं लोन रिकवरी एजेंट: इंदिरा

खलारी। लोन रिकवरी एजेंट गरीबों को प्रताड़ित कर रहे हैं . उनसे लोन का पैसा लेने के लिए धमकी तक दे रहे है. उक्त आरोप कांग्रेस पार्टी की झारखंड प्रदेश सचिव इंदिरा देवी तुरी ने लगाया. उन्होंने कहा कि जो छोटी छोटी कंपनियां कांके विधानसभा क्षेत्र और बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र में मॉइक्रो फाइनेंस के नाम पर गरीब, आदिवासी और दलित महिलाओं को ऋण देने के बाद रिकवरी एजेंट के द्वारा लोन वसूलने के नाम पर प्रताड़ित कर रहे है. जिससे आदिवासी व गरीब महिलाएं आत्महत्या करने और घर छोड़कर भागने पर मजबूर हो रहे है. ऐसी कंपनियों को पुलिस के द्वारा जांच कर सबक सिखाने की जरूरत है. उन्होंने कहा कि लोन रिकवरी एजेंट के द्वारा अभद्र व्यवहार किए जाने या प्रताड़ित किए जाने पर महिला कार्यकर्ता उन रिकवरी एजेंट को सबक सिखाने का काम करेगी और इन कंपनियों को खलारी-पिपरवार से भगाने का काम करेगी.

हिंडालको के शिविर में 117 यूनिट रक्त का हुआ संग्रह

सिल्ली/मुरी। हिंडालको मुरी के स्वास्थ्य केंद्र एवं भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी रांची के संयुक्त तत्वावधान में मेगा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया. शिविर का उद्घाटन यूनिट के हेड रोहित चौरसिया और मिता चौरसिया ने दीप प्रज्वलित कर किया . यूनिट के एच आर हेड अरुण राय ने लोगों को प्रेरित करते हुए कहा कि रक्तदान महादान है. यूनिट हेड रोहित चौरसिया ने रक्तदान करने वालों से कहा कि आपके इस महादान से कई लोगों को नई जिंदगी मिल सकती है. शिविर में 117 लोगों ने रक्तदान करने के लिए रजिस्ट्रेशन कराया. मौके पर यूनिट टेक्निकल हेड प्रशांत बोस एवं उनके परिवार, मैकेनिकल हेड राजेश बिंदल, इंस्ट्रूमेंट हेड सुहृद मुखर्जी, सीएसआर के हेड अनिल कुमार सिंह, अस्पताल के कर्मचारी समेत दर्जनों लोग उपस्थित थे.

बुंडू थाना के सामने आजसू कार्यकर्ताओं ने किया प्रदर्शन

बुंडू। आजसू के बैनर तले सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने रविवार को बुंडू थाने के सामने प्रदर्शन किया. इससे पहले आजसू कार्यकर्ता नवरात्रि मंदिर परिसर में एकत्रित हुए. इस दौरान नवरात्रि मंदिर से बुंडू थाना परिसर तक जुलूस की शक्ल में पहुंचे. जुलूस में डीलर द्वारा अनाज की कालाबाजारी बंद करो, आम जनता पर फर्जी केस करना बंद करो, बुंडू प्रशासन होश में आओ, राजकिशोर कुशवाहा के खिलाफ फर्जी केस वापस लो के नारे प्रदर्शनकारियों ने लगाए. ज्ञात हो कि प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी रवीन्द्र बड़ाइक द्वारा आजसू के रांची जिला उपाध्यक्ष राजकिशोर कुशवाहा और अन्य के खिलाफ 24 जुलाई को सरकारी कार्य में बाधा उत्पन्न करने, रंगदारी वसूलने की कोशिश, धक्का-मुक्की करने का आरोप लगाते हुए बुंडू थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी. इसके बाद 24 जुलाई को राजकिशोर कुशवाहा ने बुंडू थाने में आवेदन देकर बीएसओ के खिलाफ शिकायत की थी कि बीएसओ की मिलीभगत से जनवितरण प्रणाली के अनाज की कालाबाजारी की जा रही थी.

ग्राम प्रधानों ने खिजरी विधायक को सौंपा ज्ञापन

ओरमांझी। प्रदेश प्रधान संघ के अध्यक्ष रमेश उरांव के नेतृत्व में ग्राम प्रधानों ने खिजरी विधायक राजेश कच्छप को मानदेय बढ़ाने को लेकर ज्ञापन सौंपा. प्रधान संघ के प्रदेश अध्यक्ष रमेश उरांव ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने ग्राम प्रधानों का मानदेय दो हजार निर्धारित किया था. लेकिन सरकार परिवर्तन के बाद कोई बढ़ोतरी नहीं हुई.अब वर्तमान इंडिया गठबंधन सरकार से प्रधानों का मानदेय दस हजार बढ़ाने की मांग की जा रही है. खिजरी विधायक राजेश कच्छप से पूरी उम्मीद है कि सरकार के समक्ष विधानसभा में ग्राम प्रधानों की आवाज को बुलंद करेंगे. ग्राम सभा की मजबूती से ही जल,जंगल और जमीन बचा सकते हैं. मौके पर मुख्य रूप से ग्राम प्रधान संघ के अध्यक्ष रमेश उरांव, बालेश्वर उरांव, सुखराम पाहन, कैलाश बेदिया आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे.

रातू में पत्रकार के परिवार पर हमला, दुकान में की तोड़फोड़

संवाददाता। रातू

थाना क्षेत्र के हुरहुरी में रहने वाले एक दैनिक अखबार के प्रतिनिधि शेख मुजिबुल के परिजनों पर इटकी और मांडर के गोरे से कार पर सवार और हरवे हथियार से लैश होकर आये नौ लोगों ने जानलेवा हमला कर दिया और दुकान के शीशे तोड़ डाले. उनके पुत्र मोनाजिर हसन के गले से सोने का चेन भी लूट ली. मारपीट में उनकी पत्नी अजिदा बेगम का बांया पैर फ्रेक्चर हो गया. वहीं, बेटी शबाना परवीन, रोज़ी परवीन, पुत्र तनवीर और मोनाजिर हसन के शरीर में अंदरूनी चोटें आई है. कार में जेएमएम का झंडा लगा है. मामले को लेकर मोनाजिर हसन के बयान पर रातू थाने में कार चालक समेत 9 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है. पुलिस इसकी जांच कर रही है. कार को जब्त कर लिया गया है.

जानें क्या है मामला : घर के एक कमरे में रोज़ी श्रृंगार स्टोर नामक दुकान चलता है. यहां बिस्कुट, कोल्ड्रिंक, मिनरल वाटर आदि की भी बिक्री की जाती है. 27 जुलाई की दोपहर दुकान में रोज़ी थी. पड़ोसी स्व ललकु खान का पुत्र वहां आया और गल्ले से रुपये चोरी कर भागने लगा. रोज़ी के चिल्लाने पर मोनाजिर दौड़ कर आया और बच्चे को पकड़ लिया. उसकी मां को बुलाकर घटना की जानकारी दी गयी.

चाईबासा के पंचपहिया में नक्सलियों ने की पोस्टरबाजी

ग्रामीणों से की शहीदी सप्ताह मनाने की अपील

खास बातें

- नक्सलियों ने जनजातीय भाषाओं में कई नारे लिखे
- सभी पोस्टरों को जब्त कर जांच में जुट गयी है पुलिस

संवाददाता। रांची/चाईबासा

जराईकेला में नक्सलियों द्वारा चस्पा किया गया पोस्टर.

जराईकेला ओपी क्षेत्र अंतर्गत पंचपहिया में नक्सलियों ने पोस्टरबाजी की है. घटना शनिवार की देर रात की बताई जा रही है. पोस्टर में शहीदी सप्ताह मनाने की लोगों से अपील की गयी है. इधर, पोस्टरबाजी की सूचना मिलने पर रविवार की सुबह पुलिस सभी पोस्टरों को जब्त कर जांच में जुट गयी है.

तीन अगस्त तक नक्सलियों का शहीदी सप्ताह : भाकपा माओवादियों का शहीदी सप्ताह रविवार से शुरू हो गया है. इसी को लेकर नक्सलियों ने अपनी मौजूदगी दिखाने की कोशिश की है. पंचपहिया गांव के स्कूल से लेकर डोमलाई गांव और जराईकेला के विभिन्न जगहों पर भारी संख्या में पोस्टरबाजी की गयी है. जनजातीय भाषाओं में कई नारे लिखे हैं. बैनर में 28 जुलाई से तीन अगस्त तक क्रांतिकारी जोश और संकल्प के साथ शहीदी सप्ताह मनाने की बात लिखी गयी है.

आयोजन ओरमांझी प्रखंड के आनंदी ग्राम में श्री सर्वेश्वरी समूह ने किया पौधरोपण

पेड़-पौधे रहेंगे तभी मानव जीवन संरक्षित होगा: रामटहल चौधरी

संवाददाता। रांची

श्री सर्वेश्वरी समूह शाखा रांची (औघड़ भगवान राम आश्रम, अघोर पथ, लेक रोड पश्चिम, रांची) के बैनर तले रविवार को सर्वेश्वरी वृक्षारोपण अभियान वर्ष 2024 के दूसरे चरण का आयोजन ओरमांझी प्रखंड स्थितआनंदी ग्राम में किया गया. इस अवसर पर आम, अमरूद, मोहगनी, सागवान, अर्जुन, शीशम, मौलसरी, दालचीनी इत्यादि के 200 पौधों का रोपण एवं वितरण किया गया. कार्यक्रम की शुरुआत स्थानीय ग्राम देवी के प्राचीन मंदिर में विधिवत आरती-पूजन के साथ की गयी. साथ ही मंदिर परिसर में पीपल, बरगद एवं हरसिंगार के पौधों रोपे गये.

आनंदी ग्राम के लोगों के बीच लघु गोष्ठी का आयोजन किया गया

कार्यक्रम के अंत में आनंदी ग्राम के लोगों के बीच लघु गोष्ठी का आयोजन किया गया. गोष्ठी में श्री सर्वेश्वरी समूह का परिचय देते हुए समूह द्वारा किये जा रहे जनकल्याणकारी कार्यक्रमों की जानकारी दी गयी. साथ ही वृक्षों की कटाई से हो रहे दुष्परिणामों के बारे में अवगत कराया गया. ग्रामीणों को वृक्षों के बचाव के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया गया. गोष्ठी के बाद ग्रामीण बंधुओं के बीच पौधों का वितरण किया गया. बता दें कि श्री सर्वेश्वरी समूह एक विश्व स्तरीय सामाजिक एवं धार्मिक संस्था है, जो अनेक जनकल्याण के कार्यक्रम लगातार करती रहती है.

कार्यक्रम में पूर्व सांसद सहित अन्य शामिल हुए

कार्यक्रम में रामटहल चौधरी पूर्व सांसद, बनवारी लाल साहू उप मुखिया आनंदी, शशि मिश्रा सदस्य पंचायत समिति आनंदी, शैलेन्द्र कुमार मिश्रामहासचिव प्रगति परिषद, दुर्गा चरण साहू, अमर नाथ चौधरी, मो कुदुस अंसारी, जय गोबिंद साहू, मोतीलाल महतो, गायत्री देवी, अघनु मुंडा नीरज मिश्रा शामिल हुए. इसके अलावा श्री सर्वेश्वरी समूह शाखा रांची के ओर से आशुतोष कुमार, नवल किशोर सिंह, सोमेश्वर नाथ शाहदेव, यदुनाथ शाहदेव सहित शाखा के लगभग 30 सदस्य शामिल हुए.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष शाम से धन भाव में चंद्रमा बहुत ही अनुकूल है. रुके कार्य पूर्ण होंगे. अध्यात्म में रुचि रहेगी. धन प्राप्ति सुगम होगी. राज्य एवं व्यवसाय के क्षेत्र में उचित लाभ हो सकेगा. परिवार में खुशी का माहौल रहेगा. अन्न दान करें.

वृषभ मानसिक शांति मिलेगी. कार्य नहीं होने से क्रोध बढ़ेगा. विवाद को बढ़ावा न दें. जोखिम व जमानत के कार्य टालें, बाकी सामान्य रहेगा. आर्थिक स्थिति कमजोर रहेगी. मित्रों की मदद से महत्वपूर्ण कार्य पूरे होने के आसार हैं.

मिथुन विदेश में बसे लोगों के लिए दिन उत्तम है. खर्च में वृद्धि होगी. पर समाज में या घर-बाहर पूछ-परख बढ़ेगी. कार्यसिद्धि होगी. व्यवसाय लाभप्रद रहेगा. आत्मविश्वास बढ़ने से व्यापारिक लाभ अधिक होने के योग हैं. यात्रा में सावधानी रखें.

कर्क आय के लिए अच्छी खबरें मिलेंगी. व्यवसाय ठीक चलेगा. प्रसन्नता रहेगी. व्यापार अच्छा चलेगा. पारिवारिक वातावरण सहयोगात्मक रहेगा. आपकी बुद्धिमानी से समस्याओं का समाधान संभव है.

सिंह लेन-देन में सावधानी रखें. जोखिम व जमानत के कार्य टालें. विवाद न करें. आर्थिक समस्या रह सकती है. नए कामों में सफलता मिलेगी. व्यापार अच्छा चलेगा. स्वास्थ्य में सुधार होगा. सूर्य को अर्घ्य दें.

कन्या रोजगार में वृद्धि होगी. यात्रा सफल रहेगी. प्रसन्नता बनी रहेगी. अपने व्यसनों पर नियंत्रण रखना चाहिए. श्रम अधिक करना होगा. आपके कार्यों की समाज एवं परिवार में आलोचना हो सकती है.

तुला किसी परिचित से कोई विवाद हो सकता है. छोटी यात्रा सफल रहेगी. लाभ के अवसर बढ़ेंगे. जोखिम न लें. आवास संबंधी समस्या रहेगी. रचनात्मक कामों का प्रतिफल मिलेगा. पूर्व में किए गए कार्यों का शुभ फल प्राप्त हो सकेगा.

वृश्चिक जीवनसाथी के साथ अच्छा सामंजस्य स्थापित होगा. घर-बाहर पूछ-परख रहेगी. व्यवसाय ठीक चलेगा. प्रसन्नता रहेगी. नई योजनाओं का क्रियान्वयन होगा. बड़े लोगों से भेंट होगी, जिसका लाभ भविष्य में मिलेगा. शत्रु परास्त होंगे.

धनु मौसमी बीमारियों से बचाव जरूरी है. बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे. व्यवसाय ठीक चलेगा. प्रसन्नता रहेगी. दिन प्रतिकूल रह सकता है. सामाजिक स्तर में परिवर्तन एवं प्रतिष्ठा को लेकर चिंतित रहेंगे. दांपत्य जीवन अच्छा रहेगा.

मकर संतान के कार्य में गति मिलेगी. पर कार्य के लिए भागदौड़ अधिक होगी. थकान रहेगी. वाणी पर नियंत्रण आवश्यक है. माता-पिता का स्वास्थ्य ठीक रहेगा. दिन प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होगा. व्यापार में लाभ की स्थिति बनेगी.

कुंभ समय उत्तम है.गृह उपयोगी सामग्री एकत्र होगा. माता से सहयोग मिलेगा. थकान रहेगी. व्यवसाय ठीक चलेगा. विवाद से बचें. नए कार्यों में लाभ होने की संभावना है. परिवार की तरक्की होगी. काली वस्तु का दान करें.

मीन पराक्रम से कार्य सिद्ध होगा. संपत्ति के बड़े सौदे हो सकते हैं. बड़ा लाभ होगा. जल्दबाजी न करें. प्रमाद से बचें. दूरदर्शिता एवं बुद्धिमानी से कई रुके हुए काम पूरे होने की संभावना है. खर्चों में कमी करना होगी.

भाजपा सांसद के खिलाफ प्रदर्शन कल

गढ़वा। भाजपा सांसद द्वारा लोकसभा में झारखंड राज्य के अभिन्न अंग संथाल परगना प्रमंडल, बिहार एवं पश्चिम बंगाल के कुछ जिलों को मिलाकर यूनियन टेरिटरी बनाने के सम्बन्ध में दिए गए बयान का झारखंड मुक्ति मोर्चा ने कड़ी निन्दा की है. इस संबंध में झामुमो जिला सचिव मनोज ठाकुर ने कहा कि यह बयान झारखंड एवं झारखंडी विरोधी मानसिकता का परिचायक है. इसके विरोध में 30 जुलाई को गढ़वा जिला झामुमो विरोध प्रदर्शन करेगा.

कुड़ू प्रखंड में चार महीने से विभिन्न गांवों के लोगों के घर और खेत में लगी फसल को पहुंचा रहा है नुकसान

झुंड से बिछड़ा हाथी बना कुड़ू वासियों की जान-माल का दुश्मन

नवाज खान। कुड़ू /लोहरदगा

जिले के कुड़ू प्रखंड क्षेत्र में विगत चार महीने से जंगली हाथियों के झुंड ने जमकर तांडव मचा रखा है. यहां पर घूम-घूम कर कभी लोगों के आशियाने को ध्वस्त कर क्षति पहुंचा रहा है तो कभी किसानों के द्वारा अपने खेतों में लगाए गए फसलों को भी रौंदकर आर्थिक नुकसान पहुंचाने का कार्य कर रही है. इससे भुक्तभोगी गरीब असहाय परिवार वालों की कमर टूट गई है. यहां पर जंगली हाथियों के तबाही से कुड़ू प्रखंड क्षेत्र वासियों को सकते में डाल दिया है.

चार महीने से विचरण करते हाथियों ने पहुंचाया नुकसान : लोहरदगा जिला अंतर्गत कुड़ू कैरो और भंडरा प्रखंड क्षेत्र में विगत चार महीने से गजराजों की टीम और एक अकेला हाथी ने लोगों का जीना दुश्वार कर दिया है. यहां पर वन विभाग की टीम लगातार जंगली हाथियों को सुरक्षित स्थान तक पहुंचाने को लेकर रात-दिन गांव वालों से मिलकर प्रयास कर रही है लेकिन गजराजों की टोली कुड़ कैरो और भंडरा प्रखंड क्षेत्र से जाने को तैयार नहीं है. बता दें कि विगत एक सप्ताह से गजराजों की पूरी टीम तीन हिस्सों में बंटकर गरीबों और किसानों का जमकर आर्थिक क्षति पहुंचा रही है. यहां के भुक्तभोगी ग्रामीणों ने बताया कि कुड़ू प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत विभिन्न गांवों में विगत एक सप्ताह से लगातार गजराज महाराज की टीम उत्पात मचा रखी है, जिससे लोगों को जान-माल का काफी क्षति पहुंचा है. कुड़ू प्रखंड क्षेत्र के लोगों ने बताया कि जंगली हाथियों के झुंड और एक अकेला गजराज महाराज के तबाही से लगभग 20 लाख रूपये से अधिक का नुकसान उठाना पड़ा है. इधर रविवार को कुड़ू प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत चंदलासो के हरैया पतरा होते हुए हेंजला मुस्लिम कब्रिस्तान से होकर चंदलासो पंचायत सचिवालय के बगल पर स्थित मनोज गडेरी के घर को तोड़ डाला और घर में रखे अनाज को चट कर गया. तत्पश्चात गजराज महाराज की टोली चंदलासो पंचायत के कुछ दूरी पर स्थित एक किसान का आम बागवानी को तहस-नहस करने के बाद 23 हाथियों का झूंड पुरनाडीह जंगल में जा घुसा.

कुड़ू प्रखंड के चंदलासो पतरा में विचरण झुंड से बिछड़ा हाथी.

कृषि अधिकारी बता कर साइबर ठग ने किसान से ठगे साढ़े तीन हजार रुपये

गुमला। सदर अस्पताल गुमला में इलाज कराने आए मोरेंग के किसान सत्य नारायण राम को साइबर अपराधियों ने श टीवीनिवार को कृषि पदाधिकारी बनकर साढ़े तीन हजार रुपये का चूना लगाया है. ठगी का अहसास होने के बाद सत्यनारायण राम ने गुमला थाना में अज्ञात साइबर अपराधियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराया है. दर्ज शिकायत में किसान सत्यनारायण राम ने बताया कि शनिवार को सदर अस्पताल परिसर में एक कॉल आया. कॉल रिसिव करने पर कहा कि वह कृषि विभाग के अधिकारी हैं. आपके नाम से सूखा राहत योजना के तहत एक ट्रैक्टर निकला है. साढ़े सात हजार रुपये सिक्युरिटी चार्ज जमा करेंगे तो ट्रैक्टर आपको भेज दिया जाएगा. किसान ने साइबर ठग के झांसे में आ गया .

भाजपा, कांग्रेस व झामुमो से ऑफर, लेकिन गठबंधन पर निशाना साध अलग राह तैयार करने में जुटे

विधानसभा चुनाव में किस करवट बैठेंगे जयराम महतो

कौशल आनंद। रांची

- पूर्व विधायक और आजसू के संस्थापक जेपीपी प्रमुख सूर्य सिंह बेसरा आज फिर तीसरे मोर्चा का गठन करेंगे, जयराम महतो को भी भेजा गया न्योता
- सबसे अधिक नुकसान आजसू को ही, भाजपा की ओर से ऑफर दिये जाने की बात से सुदेश महतो चल रहे हैं नाराज

बतौर कुरमी नेता जयराम महतो और जेबीकेएसएस के बढ़ते प्रभाव से आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो समेत अन्य नेता टेंशन में

झारखंड की राजनीति में जयराम महतो का उदय न केवल एक युवा नेता के रूप में हुआ है, बल्कि एक बड़े कुरमी नेता के रूप में भी हुआ है. इसको लेकर सबसे अधिक टेंशन में आजसू पार्टी और उनके प्रमुख सुदेश महतो हैं. झारखंड राज्य गठन के बाद कई वर्षों तक बतौर कुरमी के युवा बड़े नेता के रूप में सुदेश की पहचान रही. लेकिन सुदेश महतो के दो विधानसभा चुनाव हारने के बाद आजसू पार्टी का ग्राफ भी काफी गिरा है. और अब जयराम के उदय के बाद कहीं न कहीं सुदेश महतो का एकक्षत्र कुरमी नेता का तमगा छिनता नजर आ रहा है. अगर जयराम का संगठन विधानसभा चुनाव में अकेले भी चुनाव में उतरता और अगर कोई दो-पांच सीट से ही जीतता है, तो निश्चित ही वे बड़ युवा कुरमी नेता और किंग मेकर की भूमिका में आ सकते हैं. इधर भाजपा के इंटरनल ऑफर से सुदेश महतो भी भाजपा से नाराज बताए जा रहे हैं.

लोकसभा चुनाव मैदान में उतरकर दमदार उपस्थिति दर्ज करा चुके जयराम महतो और उनका संगठन झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति (जेबीकेएसएस) विधानसभा चुनाव में अपनी ताकत दिखाने और मजबूत उपस्थिति दर्ज कराने को बेचैन दिख रहा है. लोकसभा चुनाव समाप्त होने के बाद से ही जयराम महतो और उनके संगठन ने विधानसभा चुनाव को लेकर युद्ध स्तर पर तैयारी शुरू कर दी है. झारखंड की राजनीति में युवा टाइगर के रूप में ख्याति प्राप्त कर चुके जयराम महतो को अंदर ही अंदर झारखंड के तीन प्रमुख बड़े दल से उनके गठबंधन में शामिल होने का न्योता मिल चुका है. इतना ही नहीं पूर्व विधायक, झारखंड आंदोलनकारी और झारखंड पीपुल्स पार्टी के प्रमुख सूर्य बेसरा ने भी उन्हें अपने पाले में करने के लिए आमंत्रित किया है. 29 जुलाई को रांची के विधायक क्लब हॉल में तीसरा मोर्चा के गठन के लिए सम्मेलन का आयोजन किया गया है, जिसमें जयराम महतो के संगठन जेबीकेएसएस के अलावा झारखंड के 15 अन्य राजनीतिक दलों व संगठनों को बुलाया गया है. अब देखना दिलचस्प होगा कि क्या जयराम महतो इस तीसरे मोर्चे का हिस्सा बनते हैं, किसी अन्य राजनीतिक दल के गठबंधन में शामिल होते हैं या फिर अपनी खुद की अलग राह पकड़ते हैं.

भाजपा, हेमंत और झामुमो पर लगातार हमले कर रहे हैं जयराम महतो, क्या है रणनीति : एक तरफ जहां झारखंड के तीन प्रमख बड़े दलों द्वारा इंटरनली अपने-अपने खेमे में शामिल होने के लिए जयराम महतो को न्योता मिल रहा है, वहीं जयराम महतो लगातार झामुमो, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और भाजपा पर हमले कर रहे हैं.

पिछले शुक्रवार को जयराम महतो ने झामुमो और सीएम हेमंत पर बड़ा हमला बोला. कहा कि आदिवासियत केवल कागजों पर नहीं दिखनी चाहिए. उन्होंने हेमंत सोरेन को चुनौती देते हुए कहा कि अगर वे वाकई में आदिवासी हितैषी हैं, तो नेमरा और गोला छोड़कर बाकी जहां भी उनकी जमीन है, उसे आदिवासी और मूलवासियों को वापस कर देनी चाहिए. जयराम यहीं नहीं रुके, उन्होंने कहा कि 2019 में राज्य की जनता ने जिस उम्मीद के साथ गठबंधन और उसके नेता हेमंत सोरेन को कुर्सी सौंपी थी, उसमें मुख्यमंत्री और गठबंधन विफल रहा.

जयराम ने ऑफर की बात स्वीकारी

मगर किसी भी गठबंधन में शामिल होने से किया इनकार

इसको लेकर जेबीकेएसएस के केंद्रीय अध्यक्ष जयराम महतो से पूछा गया तो उन्होंने कहा कि कुछ पार्टियों के नेता पिछले दिनों उनसे संपर्क किया था, मगर वे वह किसी भी पार्टी या नेता के संपर्क में नहीं है. सरयू राय से किसी भी तरह के गठबंधन की संभावना से इंकार करते हुए जयराम महतो ने कहा कि वह जहां हैं, वहां ठीक हैं. अभी मैं विधानसभा चुनाव तैयारी में और संगठन मजबूती पर में जुटे हैं

जयराम महतो ने हाल में नगर विकास विभाग और आवास विभाग में हुई नियुक्तियों में बाहरियों के चयन पर भी गंभीर सवाल उठाते हुए सीएम, सरकार और झामुमो को कठघरे में खड़ा किया. इतना ही नहीं जयराम महतो लोकसभा चुनाव के वक्त से ही लगातार भाजपा और आजसू को भी घेर रहे हैं. तो अब सवाल यह उठता है कि आखिकार जयराम महतो के मन में क्या चल रहा है. वे आखिरकार विधानसभा चुनाव में किस करवट बैठेंगे, इस पर सबकी नजरें टिकी होंगी और कहीं न कहीं इसका असर विधानसभा चुनाव और उसके बाद बनने वाली सरकार पर दिखेगा.

घाटशिला को जिला बनाने की मांग को लेकर सर्वदलीय बैठक

धरमबहाल पंचायत मंडप में बैठक करते लोग.

संवाददाता। घाटशिला

घाटशिला को जिला बनाने की मांग को लेकर अब गोलबंदी शुरू हो गयी है. रविवार को घाटशिला प्रखंड मुख्यालय परिसर स्थित धरमबहाल पंचायत मंडप में अभियान फॉर ए बेटर टुमारो संस्था की ओर से घाटशिला को जिला बनाने की मांग को लेकर सर्वदलीय बैठक का आयोजन किया गया. पूर्व स्वास्थ्य मंत्री दिनेश कुमार षड़ंगी की अध्यक्षता में हुई बैठक में सर्वसम्मति से घाटशिला को जिला बनाने की मांग की गयी. कहा गया कि घाटशिला जिला बनाने की सभी अहर्ताएं पूरी करता है. सर्वदलीय एवं सर्वपक्षीय बैठक में मुख्य रूप से चार बिंदुओं पर उपस्थित लोगों ने अपने-अपने विचार रखे.

सर्वदलीय बैठक में लोगों ने अपनी-अपनी बात रखी. चर्चा हुई कि घाटशिला को जिला क्यों बनना चाहिए, अब तक जिला क्यों नहीं बना. जिला निर्माण की बाधाएं कैसे दूर करें जैसे बिंदुओं पर लोगों के विचार को सूचीबद्ध कर प्रस्ताव तैयार किया. तैयार प्रस्ताव को संबंधित विभाग के जिम्मेदार पदाधिकारी तक पहुंचाने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया. बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में पद्मश्री जानूम सिंह सोय, राकेश शर्मा, प्रो. मित्रेश्वर, साधु चरण पाल, प्रो डॉ नरेश कुमार, प्रो. इंदल पासवान, पूर्व विधायक लक्ष्मण टुडू, लखन मार्डी, सुरेश चौहान, मुखिया पार्वती मुर्मू, शेख अखरुद्दीन शाहिद सहित काफी संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया.

मन की बात कार्यक्रम पर बाबूलाल मरांडी ने कहा

प्रकृति, संस्कृति के साथ विकास व विरासत का संदेश है मन की बात

संवाददाता। रांची

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम का 112वां एपिसोड रविवार को संपन्न हुआ. प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि मन की बात सुनकर भारत दर्शन का अनुभव होता है.

प्रधानमंत्री का यह संबोधन भारत की प्रकृति, संस्कृति, विकास और विरासत से देश की जनता को परिचित कराता है. यह कार्यक्रम सभी वर्गों के लिए लाभकारी है. विशेषकर युवाओं और बच्चों को भारत की महान विरासत और प्रगति के नए आयामों से भी परिचित कराता है.

बन गया है जन जन की बातः अमर कुमार बाउरी

नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने कहा कि मन की बात कार्यक्रम जन जन की बात बन गया है. इसमें राष्ट्र भक्ति है, राष्ट्र शक्ति है,परंपरा है, प्रगति है. प्रधानमंत्री का यह संबोधन जन-जन को जोड़ता है.

भारत की एकात्मता का परिचय है मन की बात : कर्मवीर सिंह

प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने कहा कि मन की बात कार्यक्रम में भारत के विभिन्न राज्यों की प्रेरक गाथाएं ,जन प्रयास की चर्चा ,युवा शक्ति,नारी शक्ति का देश के विकास में योगदान, नई-नई तकनीक की खोज जैसे विषय प्रमुखता से समाहित होते हैं. अब देश की जनता कार्यक्रम की प्रतीक्षा करती है. प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी,प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह के साथ प्रदेश कार्यालय में महामंत्री व सांसद आदित्य साहू, मनोज सिंह ,प्रदेश उपाध्यक्ष बालमुकुंद सहाय,विकास प्रीतम, विधायक विरांची नारायण,नारायण दास ने कार्यकर्ताओं के कार्यक्रम को सुना.

निजी स्कूलों के भी गरीब, आदिवासी, दलित और पिछड़े वर्ग के बच्चे भी ड्रेस प्रोत्साहन राशि के हकदार

आठवीं से 12वीं तक के बच्चों को भी ड्रेस भत्ता दे सरकार : दुबे

- वित्त मंत्री सह पासवा के मुख्य संरक्षक डॉ रामेश्वर उरांव को भी बच्चों की भावनाओं से अवगत कराया

संवाददाता। रांची

सरकारी स्कूल में नामांकित आठवीं, नौवीं, 10वीं, 11वीं व 12वीं के बच्चों को स्कूल ड्रेस के लिए प्रति बच्चा दी जानेवाली 600 रुपये की राशि को बढ़ाकर 2000 रु करने और स्वेटर व ब्लेजर के लिए अतिरिक्त 2000 यानि कुल 4000 रुपये प्रति बच्चा देने के सरकार के प्रस्ताव का पब्लिक स्कूल्स एंड चिल्ड्रेन वेलफेयर एसोसिएशन (पासवा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार दुबे ने स्वागत किया है. साथ ही उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और शिक्षा मंत्री बैद्यनाथ राम से यू-डायस प्राप्त निजी विद्यालयों के भी क्लास 8, क्लास 9 और क्लास 10 के बच्चों को भी स्कूल ड्रेस के लिए भत्ता देने की मांग की है. उन्होंने कहा कि निजी स्कूलों के भी लाखों गरीब,आदिवासी,दलित और पिछड़े वर्ग के बच्चे सरकार द्वारा दी जा रही प्रोत्साहन राशि के हकदार हैं.उन्होंने सरकार से मांग की है कि जल्द से जल्द पोशाक राशि और सरकार द्वारा दी जा रही अन्य प्रोत्साहन राशि के लिए यूआईडीएआई प्राप्त सभी स्कूलों के बच्चों को भी यह सुविधा मुहैया कराया जाए.

आलोक कुमार दुबे.

एक से आठ तक के बच्चों के ड्रेस की राशि में बढ़ोतरी का प्रस्ताव

पासवा अध्यक्ष आलोक दुबे ने कहा कि पोशाक राशि में बढ़ोतरी का यह प्रस्ताव पूर्व शिक्षा मंत्री स्व जगन्नाथ महतो द्वारा ही लाया गया था, किंतु उसे अमली जामा अब पहनाया जा सका है. कहा कि बहुत जल्द सरकार कक्षा 1 से 8 तक के विद्यार्थियों के लिए भी पोशाक राशि में बढ़ोतरी का प्रस्ताव ला रही है, जो स्वागत योग्य है. लेकिन सरकार इस बात का भी संज्ञान ले कि झारखंड में पढ़ रहे निजी स्कूलों के लाखों गरीब, दलित, आदिवासी पिछड़े वर्ग के बच्चे भी निश्चित रूप से झारखंड सरकार के ही बच्चे हैं और उन्हें भी सरकार द्वारा दी जा रही प्रोत्साहन राशि मिलनी चाहिए.

वित्त मंत्री ने सकारात्मक पहल का भरोसा दिया

दुबे ने वित्त मंत्री सह पासवा के मुख्य संरक्षक डॉ रामेश्वर उरांव से आग्रह किया है कि पूरे झारखंड के बच्चे, चाहे वे निजी विद्यालय में पढ़ रहे हों या सरकारी विद्यालय में उन्हें प्रोत्साहन राशि दी जाए. सरकार के पास एसडीएमआईएस के तहत उनके बारे में पूर्ण जानकारी है और झारखंड के निजी विद्यालय एसडीएमआईएस में उन बच्चों की जानकारी हर वर्ष सरकार को उपलब्ध कराते हैं. इसके लिए सरकार उन्हें परमानेंट एजुकेशन नंबर (पीईएन) भी उपलब्ध करा चुकी है .अतः सरकार परमानेंट एजुकेशन नंबर प्राप्त सभी बच्चों तक यह सुविधा मुहैया कराये .इस पर वित्त मंत्री ने आवश्यक कार्रवाई करने का भरोसा दिलाया है.

पत्नी ने प्रेमी के साथ मिलकर कराई थी पति की हत्या,धराया

संवाददाता। मेदिनीनगर

पांकी थाना पुलिस ने 24-25 जुलाई की रात भाई ने की भाई की हत्या मामले का खुलासा कर दिया है. इस मामले में षड़यंत्रकर्ता मृतक अजय की पत्नी अमृता देवी ही निकली जिसने अपने प्रेमी के साथ मिलकर अजय के हत्या की घटना को अंजाम दिया है. पुलिस ने अमृता देवी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है. वहीं आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापामारी कर रही है. इस संबंध में पार्टी थाना प्रभारी उत्तम कुमार ने बताया कि पांकी थाना अन्तर्गत बिजली ऑफिस के सामने एक घर में हत्या की घटना के सत्यापन के क्रम में यह बात प्रकाश में आया था कि दो अज्ञात व्यक्तियों के द्वारा अजय राम पिता स्व० सुखलाल राम की चाकू मारकर हत्या कर दी गई है. मृतक अजय राम की पत्नी अमृता देवी के फर्द बयान के आधार पर पांकी थाना कांड सं0-99/24 दर्ज कर उक्त घटना के त्वरित अनुसंधान के लिए एक टीम का गठन किया गया था. पांकी पुलिस निरीक्षक पूनम टोप्पो के नेतृत्व कांड के अनुसंधान के क्रम में यह बात प्रकाश में आई कि मृतक अजय राम की पत्नी अमृता देवी के द्वारा अपने प्रेमी के साथ षड्यंत्र के तहत अपने पति अजय राम की हत्या की घटना को अंजाम दिया गया

था. अमृता देवी ने भी अपने अपराध स्वीकारोक्ति बयान में यह स्वीकार किया है कि अपने पति के घरेलू प्रताड़ना से तंग आकर करीब दो वर्ष पहले रंजीत नामक लड़के से प्रेम-प्रसंग हो गया था. रंजीत सिंह बिहार के पटना जिले का रहने वाला है और वह पांकी स्थित लालू मैदान में मेला लगाने आया करता था. अमृता देवी का घर लालू मैदान से लगा हुआ है और पीछे का रास्ता लालू मैदान में ही निकलता है. इसी कारण पानी लेने के बहाने उसका अमृता के घर आना-जाना होने लगा और दोनो का प्रेम-प्रसंग हुआ. इसी बीच मृतक अजय को इसकी भनक लगने पर अपनी पत्नी को और प्रताड़ित किया जाने लगा.

चैंपियनशिप

द्वितीय रैंकिंग टेबल टेनिस चैंपियनशिप 2024 का हुआ भव्य समापन

शिवाजी राय पुरुष और महिला में अर्चिता डे ने जीता खिताब

संवाददाता। रांची

द्वितीय रैंकिंग टेबल टेनिस चैंपियनशिप 2024 का रविवार को समापन हुआ. रांची के गुरुनानक हायर सेकेंडरी स्कूल में चल रहे प्रतियोगिता में पुरूष एकल में बोकारो के शिवाजी राय ने अपने प्रतिद्वंद्वी रांची के सत्यंजय चक्रवर्ती को 4-0 से हराकर खिताब पर कब्जा जमाया, वहीं महिला एकल में पूर्वी सिंहभूम की अर्चिता डे ने अपने ही जिले के सानिया बनर्जी को हराकर विजेता बनी. अंडर 19 बालिका वर्ग में अर्चिता डे ने धनबाद की सृजनी चक्रवर्ती को हराकर खिताब जीता. वही अंडर 19 बालक वर्ग में गढ़वा जिले के नीतीश मेहता ने हजारीबाग के प्रतीक अग्रवाल को हराया.

प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रतिभागियों के साथ अतिथिगण.

विजेता बनने से बेहतर है खिलाड़ी बनना : तीन दिवसीय प्रतियोगिता के समापन समारोह के मुख्य अतिथि बैंक ऑफ इंडिया के जोनल अधिकारी असीम कुमार ने विजेताओं के बीच पुरस्कार वितरण किया. मौके पर उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को खेल भावना से खेलना चाहिए. विजेता बनने से बेहतर खिलाड़ी बनना है. कहा कि खिलाड़ी को खेल से जुड़े रहना चाहिए. वहीं विशिष्ठ अतिथि झारखंड राज्य टीटी संघ के मुख्य संरक्षक जय कुमार सिन्हा , स्कूल प्रबंधन समिति के अध्यक्ष कुलतार सिंह, हरमीत सिंह, परमजीत सिंह, डॉ. पवन चौधरी, राज्य संघ के महासचिव समरजीत सिंह, राज्य टी टी संघ के उपाध्यक्ष सैबाल गुप्ता, सहसचिव राकेश कुमार मिश्रा, कोषाध्यक्ष नीरज कुमार, सुदीप्तो मुखर्जी, पार्थ सारथी और कमलेश दुबे ने भी विजेताओं को पुरस्कार बांटे. आयोजक ने सभी प्रायोजकों के साथ-साथ सभी रेफरीज की तारीफ करते हुए खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी.

खास बातें

- अंडर 19 बालक वर्ग में गढ़वा जिले के नीतीश मेहता विजयी
- विजेताओं के बीच पुरस्कार वितरण किया गया

चंदवा में नए पल्ली पुरोहित का पदग्रहण

चंदवा । डाल्टनगंज धर्मप्रांत के बिशप थियोडोर मस्कारेन्हास ने ख्रीस्त राजा पल्ली चंदवा में नए पल्ली पुरोहित फाबियानुस सिंदुरिया का पदग्रहण का समापन किया. इससे पहले विश्वासियों ने बिशप का जोरदार स्वागत किया. नाचते गाते गिरजा घर तक लाया गया. कार्यक्रम की शुरूआत विनती प्रार्थना से हुई. इस अवसर पर बिशप ने संदेश दिया कि पल्ली पुरोहित बिशप के कामों में सहयोग करती है. वे कैथोलिक कलिसिया का सेवा करते हैं. पद ग्रहण में सात संस्कार में से जिस संस्कार को प्रदान कर सकते हैं. उनको अधिकार के साथ विश्वासियों को देते हैं. इस प्रकार ख्रीस्त के मिशन कार्य को आगे बढ़ाने में मदद मिलता है.

पेज एक का शेष

मुझे जो नई जिम्मेदारी मिली है...

अब राज्यपाल बना कर मेरे प्रति विश्वास व्यक्त किया है. इसके लिए पीएम मोदी का भी आभारी हूं, जिन्होंने मुझ जैसे सामान्य कार्यकर्ता पर भरोसा जताया है. बरेली से भाजपा से आठ बार सांसद रह चुके संतोष गंगवार, अटल बिहारी वाजपेयी और मोदी सरकार में मंत्री भी रह चुके हैं. हाल में संपन्न हुए लोकसभा चुनाव में भाजपा ने उन्हें टिकट नहीं दिया, लेकिन पीएम मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने चुनावी सभाओं के दौरान कहा था कि संतोष गंगवार को कुछ अलग से स्थान दिया जाएगा.

बरेली से आठ बार रहे सांसद, तीन बार केंद्र में मंत्री : बरेली संसदीय सीट 2024 के चुनाव में भी भाजपा के छत्रपाल गंगवार ने जीते. गंगवार का जन्म 1948 में हुआ और बरेली कॉलेज से बीएससी की पढ़ाई के साथ ही एलएलबी की उपाधि हासिल कर 1984 में राजनीतिक जीवन की शरुआत की. उनसे पूछा गया कि वह राजनीति में कैसे आए तो उन्होंने कहा, आपातकाल के दौरान जेल जाना पड़ा. एक वर्ष जेल में काटने के बाद जब बाहर आया, तो सोचने का तरीका थोड़ा बदल गया. इसी बीच, थोड़ा समय बीतने के बाद जनता पार्टी की बरेली जिला कमेटी में महामंत्री का पद प्रस्तावित किया गया, तो मैंने स्वीकार कर लिया. पहला चुनाव 1984 में वह कांग्रेस उम्मीदवार एवं पूर्व राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद की पत्नी आबिदा बेगम से हार गए थे. इसके बाद 1989 में वह फिर से लोस चुनाव लड़े और जीत हासिल कर पहली बार सांसद बने. इसके बाद 1991, 1996, 1998, 1999, 2004 में लगातार जीत का सेहरा उन्हीं के सिर सजा. उनकी पहचान कुर्मी बिरादरी के प्रभावशाली नेता के रूप में है. हालांकि वह सभी वर्गों में लोकप्रिय हैं.

राज्यों के हित में निर्णय

आर्थिक तंगी के शिकार राज्यों के लिए सर्वोच्च अदालत का खनिज संबंधी निर्णय प्राणवायु की तरह है. झारखंड के लिए यह एक बड़ा उपहार जेसा है. आखिरकार केंद्र और राज्यों के बीच अधिकारों की कानूनी लड़ाई तार्किक परिणति तक पहुंच ही गई है. देश की शीर्ष अदालत ने फैसला सुनाया है कि किसी भी राज्य के खनिजों पर देय रॉयल्टी एक कर नहीं है. साथ ही स्पष्ट किया कि राज्यों के पास खानों, खनिजों और खनिज-युक्त भूमि पर कर लगाने की विधायी क्षमता निर्धारित है. दरअसल, इस सारे विवाद के मूल में खान और खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1957 रहा है. इस अधिनियम का हवाला देते हुए केंद्र सरकार की दलील थी कि केवल संसद ही खनिजों पर कर लगा सकती है. हालांकि, सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने इस बाबत फैसला सुनाया कि कानून राज्यों को खानों और खनिज विकास पर कर लगाने से प्रतिबंधित नहीं करता है. निश्चित रूप से इस फैसले से प्राकृतिक संपदा से संपन्न गरीब राज्यों मसलन झारखंड और ओडिशा को विशेष रूप से लाभ होने की उम्मीद जगी है. ये राज्य केंद्र द्वारा खानों और खनिजों पर लगाये गए हजारों करोड़ों रुपये के करों की वसूली की मांग करते रहे हैं. निस्संदेह, यदि केंद्र सरकार राज्यों की माली हालत के मद्देनजर उनकी जरूरतों तथा आकांक्षाओं के प्रति संवेदनशील होती तो निश्चित रूप से इस विवाद को बातचीत के जरिये सुलझाया भी जा सकता था. जब लंबे समय तक इस मामले का निस्तारण नहीं हो सका तो अन्ततः देश की शीर्ष अदालत को गतिरोध तोड़ने के लिए हस्तक्षेप करना ही पड़ा. इसमें दो राय नहीं है कि केंद्र और राज्यों के बीच कई मुद्दों पर टकराव कोई नई बात नहीं है. लेकिन देखने में आया है कि हाल के वर्षों में यह विवाद आम बात हो चला है. निश्चित रूप से किसी भी राष्ट्र की संघीय व्यवस्था के लिए यह टकराव तथा विवाद कोई शुभ संकेत तो कदापि नहीं हैं. इसमें दो राय नहीं कि कुछ मुद्दे सहमति, सामंजस्य और संवेदनशीलता से भी सुलझाए जा सकते हैं. इस बात पर गंभीर विमर्श की जरूरत है कि हाल के वर्षों में केंद्र-राज्यों के बीच कलह के मामले लगातार क्यों बढ़ते जा रहे हैं. निस्संदेह, इस टकराव के राजनीतिक निहितार्थ भी हैं. इस विवाद को हाल में संसद में प्रस्तुत आम बजट के परिप्रेक्ष्य में भी देखा जा सकता है. विपक्ष ने केंद्र सरकार पर राजनीतिक रूप से पक्षपात वाला बजट बनाने का आरोप लगाया है. इतना ही नहीं, कई विपक्षी राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने बजट में भेदभाव का आरोप लगाते हुए आगामी 27 जुलाई को होने वाली नीति आयोग की बैठक में शामिल न होने की बात कही है. जो कि केंद्र व राज्यों के बीच टकराव की अप्रिय स्थिति को ही दर्शाता है. यदि अतीत के पन्ने पलटें तो वर्ष 1980 के दशक के उत्तरार्ध में, सरकारिया आयोग ने सहकारी संघवाद के सिद्धांतों के आधार पर सामंजस्यपूर्ण संघ-राज्य संबंधों की जरूरत पर बल दिया था. झारखंड उन राज्यों में से एक है, जो केंद्र पर बकाए राशि के भुगतान के लिए मांग उठाता रहा है. इस बार के बजट में भी झारखंड को निराशा ही हाथ लगी है.

> निश्चित रूप से किसी भी राष्ट्र की संघीय व्यवस्था के लिए यह टकराव तथा विवाद कोई शुभ संकेत तो कदापि नहीं हैं. इसमें दो राय नहीं कि कुछ मुद्दे सहमति, सामंजस्य और संवेदनशीलता से भी सुलझाए जा सकते हैं.

सुभाषित

अङ्गणवेदी वसुधा कुल्या जलधिः स्थली च पातालम्।
वल्मीकश्च सुमेरुः कृतप्रतिज्ञस्य धीरस्य॥

अपनी प्रतिज्ञा पर दृढ़ रहने वाले धीर व्यक्ति के लिए यह वसुधा (पृथ्वी) एक बगिया के समान होता है. समुद्र एक नहर के समान होता है. पाताल लोक एक मनोरंजन स्थल के समान होता है और सुमेरु पर्वत एक चींटी के घर के समान होता है. अतः मनुष्य को दृढ़प्रतिज्ञ एवं धीर-गम्भीर होना चाहिए.

बार-बार निशाने पर लोकसभा स्पीकर!

पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी के भतीजे टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी भी लोकसभा में स्पीकर ओम बिरला को वैसे ही टारगेट करते नजर आए, जैसे पहले राहुल गांधी और अखिलेश यादव को देखा जा चुका है.उन्होने स्पष्ट कर दिया कि कि स्पीकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के सांसदों के साथ बराबर व्यवहार नहीं करते. यह इंडिया ब्लॉक को एकजुट दिखाने की कोशिश है या फिर तृणमूल कांग्रेस का दिल्ली में दबदबा बनाये रखने का प्रयास?

• देश-काल

बृजेंद्र दुबे

अभिषेक बनर्जी तीसरी बार पश्चिम बंगाल की डायमंड हार्बर से लोकसभा पहुंचे हैं, संसद में ये बताना नहीं भूलते कि वो 7 लाख से ज्यादा वोटों से चुनाव जीते हैं, लगे हाथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भी नाम जरूर लेते हैं. वो प्रधानमंत्री मोदी की वाराणसी सीट पर जीत के अंतर की बात कर रहे हैं. तृणमूल कांग्रेस महासचिव अभिषेक बनर्जी के भाषण में निशाने पर तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही रहते हैं, लेकिन बात-बात पर वे स्पीकर ओम बिरला को भी टारगेट करते हैं - वह भी राहुल गांधी और अखिलेश यादव की ही तरह मिसाल देकर साबित करने की कोशिश करते हैं कि स्पीकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के सांसदों के साथ बराबर व्यवहार नहीं करते. लोकसभा में अभिषेक बनर्जी और स्पीकर ओम बिरला के बीच हुई बहस फिलहाल काफी चर्चा में है और टीएमसी सांसद ने जिस तरह किसानों का जिक्र किया, उसमें इमरजेंसी को लेकर संसद में रखे गये मौन की तरफ इशारा था - यह संकेत देता है कि कुछ मुद्दों पर टीएमसी कांग्रेस के साथ है. अभिषेक बनर्जी के साथ भी स्पीकर ओम बिरला करीब करीब वैसे ही पेश आए, जैसे कांग्रेस सांसद दीपेंद्र हुड्डा या शशि थरूर के साथ. जब शपथ के बाद जय हिंद और जय संविधान बोलने पर थोड़ी बहस हो गई थी - और अभिषेक बनर्जी भी स्पीकर से वैसे ही उलझते दिखे, जैसे पिछले सत्र में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और अखिलेश यादव. अब असल बात पर आते हैं-आम बजट पर चर्चा के दौरान अभिषेक बनर्जी ने 2016 की नोटबंदी का जिक्र करते हुए नाकाम बताया, तो स्पीकर ओम बिरला ने टोक दिया. ओम बिरला ने अभिषेक बनर्जी से कहा, 2016 के बाद तो 2019 के लोकसभा चुनाव भी हो गए... आप वर्तमान बजट पर बोलें. अभिषेक बनर्जी को भी शायद इसी तरह के मौके का इंतजार था. फिर तो वे स्पीकर को ही सुनाने लगे, कोई 60 साल पहले के जवाहरलाल नेहरू की बात करेगा तो आप कुछ नहीं बोलेंगे... मैं पांच साल पहले हुई नोटबंदी की बात करूंगा तो आप कहेंगे कि अभी की बात करो... यह नहीं चलेगा... बिप्लब देव 50 साल पहले के आपातकाल की बात करेंगे, लेकिन मैं बोलूंगा तो आपको चुभ रहा है.

पिछली बार, स्पेशल सेशन में स्पीकर के चुनाव के बाद विपक्ष के नेता राहुल गांधी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्पीकर को उनकी कुर्सी तक बैठाने गये थे. राहुल गांधी ने उसी वाकये की याद दिला कर कहा था, स्पीकर सर, आपकी कुर्सी में दो व्यक्ति बैठे हैं... एक लोकसभा स्पीकर, जो भारतीय संघ के स्पीकर हैं, दूसरे ओम बिरला हैं... जब मोदी जी गए और आपसे हाथ मिलाया और जब मैंने हाथ मिलाया तो मैंने एक चीज पर गौर किया... जब मैंने आपसे हाथ मिलाया, तो आप सीधे खड़े रहे... जब मोदी जी ने हाथ मिलाया तो आप झुक गए. और वैसे ही स्पीकर को शुभकामनाएं देते देते सपा के नेता अखिलेश यादव ने भी कह दिया था, आप लोकतांत्रिक न्याय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में बैठे हैं... आपसे आशा है कि किसी जनप्रतिनिधि की आवाज को दबाई नहीं जाए... और न ही निष्कासन जैसी चीजें हमें ठेस पहुंचाएं... आपका अंकुश विपक्ष पर तो रहता है ही, लेकिन आपका अंकुश सत्ता पक्ष पर भी रहे... आपके इशारे पर सदन चले, इसका उल्टा न हो.

अभिषेक बनर्जी ने किसानों का भी मुद्दा उठाया, लोग सदन में ताली बजा रहे हैं... 700 किसान मारे गये, उनको मौत के घाट उतारा गया - और फिर भी, एक आदमी ने एक मिनट के लिए खड़ा होकर उन्हें श्रद्धांजलि दी? साफ है, अभिषेक बनर्जी लोकसभा में स्पीकर की तरफ से इमरजेंसी की निंदा और दो मिनट का मौन रखे जाने के वाकए की याद दिलाने की कोशिश कर रहे थे. यह भी बता दें कि केंद्र सरकार ने अब 25 जून को संविधान हत्या दिवस घोषित कर दिया है. किसानों की मौत का जिक्र आते ही सत्ता पक्ष के कुछ सांसदों ने विरोध किया तो अभिषेक बनर्जी उनकी तरफ इशारा करते हुए कहने लगे, आपके हाथ खून से सने हुए हैं. अभिषेक बनर्जी के मुंह से यह सुनते ही बीजेपी सांसद बांसुरी स्वराज फॉर्म में आ गईं, और कहने लगीं, इन्होंने हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर व्यक्तिगत टिप्पणी की... और जिन शब्दों का इस्तेमाल किया उसके लिए इन्हें माफी मांगनी चाहिए और ये शब्द रिकॉर्ड से एक्सपंज कर देना चाहिए.

बता दें कि टीएमसी लोकसभा में कांग्रेस और सपा के बाद विपक्ष की बड़ी पार्टी है. दिल्ली में कांग्रेस के साथ साथ सपा भी अयोध्या की जीत के साथ धाक जमाने की कोशिश कर रही है - और अभिषेक बनर्जी के ताजा तेवर से टीएमसी की भी वैसी ही कोशिश लगती है. अभिषेक बनर्जी अगर ओम बिरला से भिड़ते हैं, तो भी निशाने पर तो पीएम नरेंद्र मोदी ही होते हैं. यही काम राहुल गांधी भी करते हैं और अखिलेश यादव भी - लेकिन अभिषेक बनर्जी सीधे सीधे प्रधानमंत्री मोदी को भी अलग से टारगेट करते हैं. लोकसभा में अभिषेक बनर्जी अपने भाषण में कोलकाता में एक फ्लाईओवर गिरने पर प्रधानमंत्री मोदी के बयान की याद दिलाते हैं, उस समय मोदी जी ने कहा कि यह एक्ट ऑफ गॉड नहीं, एक्ट ऑफ फ्रॉड है. और फिर बाद के हादसों का नाम ले लेकर पूछने लगते हैं, जब गुजरात के मोरबी में पुल गिरा था तो वह क्या था... एक्ट ऑफ गॉड या एक्ट ऑफ फ्रॉड? जब एयरपोर्ट की छत गिरी तो वह क्या था... एक्ट ऑफ गॉड या एक्ट ऑफ फ्रॉड? जब पहली बारिश में अयोध्या में राम मंदिर की छत चूने लगी तो वह क्या था... एक्ट ऑफ गॉड या एक्ट ऑफ फ्रॉड? और ऐसे ही रेल दुर्घटनाओं की याद दिलाते हुए भी अभिषेक बनर्जी ने सवाल उठाया... यह सब क्या था, एक्ट ऑफ गॉड या एक्ट ऑफ फ्रॉड?

अभिषेक बनर्जी के भाषण के दौरान विपक्षी सांसदों ने जम कर तालियां बजाईं. अभी तक विपक्ष संसद में एकजुट नजर आ रहा है, पहले की तरह बिखरा हुआ नहीं लगता. कृष्णानगर से टीएमसी सांसद महुआ बनर्जी के भाषण में भी राहुल गांधी के लिए हमारे नेता कहते हुए सुना गया था, लेकिन ममता बनर्जी के तेवर अभी तक सीधे तौर पर यह नहीं समझने देते कि वह इंडिया ब्लॉक में ही हैं या नहीं.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

आहार की उच्छृंखलता

मनुष्य की तीन मूलभूत आवश्यकताएँ है, आहार आवास और आवरण (वस्त्र). इन तीन आवश्यकताओं की पूर्ति के लिये ही मानव प्रकृति का दोहन करता है. लेकिन जब तक वह इनका अपनी जरूरतों तक सीमित उपभोग, संयमपूर्वक करता है तब तक प्रकृति उसकी सहयोगी बनी रहती है. लेकिन जब वह अपनी आवश्यकताओं का अतिक्रमण करने लगता है, उपयोग कम और व्यर्थ अधिक करने लगता है, तृष्णाधीन होकर संग्रह के माध्यम से वस्तुओं को अनावश्यक सड़न-गलन में झोंक देता है. संयम और अनुशासन को भूल, अनियंत्रित और स्वछंद भोग-उपभोग करता है. मानव की स्वयं की प्रकृति, विकृति में रूपांतरित हो जाती है, तब प्रकृति अपना सहयोग गुण तज देती है और मानव का अपना असंयम ही उसके अस्तित्व शत्रु साबित होता है और मानव को अपने आगे लाचार कर देता है. प्रकृति के कोप के आगे किसी का वश नहीं चलता. यदि गंभीरता पूर्वक विचार किया जाये तो आवश्यकताओं के अतिक्रमण के कारण हमारे समाज में अनेक अपराध और बुरे कर्म होते हैं, जिससे पूरा समाज प्रभावित होता रहता है. इसी अतिक्रमण के कारण मनुष्य का विवेक ध्वस्त हो जाता है और बुद्धि के वशीभूत होकर ऐसे कार्य कर बैठता है, जिसका दुष्परिणाम अंततः समाज और मानवता को झेलनी पड़ती है. यह अतिक्रमण विश्व में अराजकता और सभी प्रकार के अनर्थों का जनक है. प्रायः मनुष्य सर्वाधिक हिंसा और प्रकृति का विनाश अपनी आहार जरूरतों के लिए करता है. किन्तु अपने आहार-चुनाव में ही उसे सर्वाधिक संयम और अनुशासन की आवश्यकता होती है. ऐसा भी नहीं है कि इस प्रकार की अराजकता के शिकार दूसरे लोग ही होते हैं, बल्कि वह मनुष्य स्वयं भी उसी प्रकार उसका शिकार हो जाता है, जो उसके आश्रय में निरंकुश होकर ऐसे कृत्य करता रहता है. फुड प्वाजनिंग और जहरीली शराब से होनेवाला संहार उसी का द्योतक है. आज जंगलों की कटाई और पहाड़ों को ध्वस्त किये जाने के फलस्वरूप जो समस्याएं सामने आ रही हैं, उससे आज हर कोई अवगत है. पर्यावरण प्रदूषण और असंतुलन की समस्या ऐसी है, जिसने पूरे विश्व को चिंता की गर्त में झोंक दिया है, लेकिन इसके बावजूद सही दिशा में न तो चिंतन हो रहा है और न ही वैसे कार्य. दुखद पहलू यह है कि कथित प्रगतिशील, इन तीनों (आहार आवास और आवरण) में स्वतंत्रता-स्वच्छंदता के पक्षधर होते है और स्वांत संयम के घोर विरोधी. वे असंयमित भोग उपभोग को बल देते है. वे मानवीय तृष्णा की अगन ज्वाला को निरन्तर प्रदीप्त रखने का दुष्प्रचार करते है.

अमेरिकी सीक्रेट सर्विस चूक के निहितार्थ

• देशांतर

पुष्परंजन

भारत में इंटेलिजेंस ब्यूरो यानी आईबी का स्टाफ लगभग 25 हज़ार है. उससे तीन गुना कम अमेरिकी सीक्रेट सर्विस का स्टाफ है. मात्र 8 हज़ार. यूएस गवर्नमेंट एग्जीक्यूटिव की एक रिपोर्ट के अनुसार, '2021 में अमेरिकन सीक्रेट सर्विस में लगभग 7,600 कर्मियों की तैनाती थी, जून, 2024 तक 400 स्टाफ और जुड़े. वित्तीय वर्ष 2026 तक इस संख्या को लगभग 10,000 कर्मचारियों तक बढ़ाने की योजना है.' क्या स्टाफ की कम संख्या की वजह से वीवीआईपी सुरक्षा लचर रही, या फिर ये हैं ही वैसे? पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप पर हमले के बाद से यह सवाल, अमेरिकी सोशल मीडिया पर ज़ेरे बहस रहा है. इंटेलिजेंस ब्यूरो के कर्मचारियों की संख्या बढ़ा भर देने से हमले रोके जा सकते हैं थे, तो महात्मा गांधी, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी की हत्या नहीं हुई होती. वर्ष 1967 की भुवनेश्वर चुनावी रैली को याद कीजिये, जब पत्थरबाज़ी में इंदिरा गांधी की नाक पर गंभीर चोट लगी. सूचना तंत्र मज़बूत होता, तो दो अक्तूबर, 1986 को राजघाट पर करमवीर सिंह नामक शख्स तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी पर गोली नहीं चला पाता. वहीं 5 जनवरी, 2022 को फ़िरोज़पुर दौरे के समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के काफ़िले में सुरक्षा चूक नहीं हुई होती. लेकिन सवाल है कि जब अमेरिका महफ़ूज़ नहीं है, तो दुनिया का कौन-सा हिस्सा सुरक्षित है? यह सवाल विक्रम-बेताल की तरह हमारे कंधों पर टंगा रहेगा. अमेरिकी सीक्रेट सर्विस की निदेशक किम्बर्ली चीटल का इस्तीफा दिया जाना, उन अटकलों को मज़बूत करता गया, जो इनकी क्षमता से लेकर 'कॉन्सपिरेसी थ्योरी' तक केंद्रित थी. ट्रंप पर गोली दागने वाली घटना के प्रकारांतर अमेरिकी सीक्रेट सर्विस की निदेशक किम्बर्ली चीटल सोमवार को कांग्रेस की एक समिति के सामने पेश हुईं, तो न तो जनता, और न ही कांग्रेस को इस बारे में ज़्यादा जानकारी मिली. चीटल ने स्वीकार किया कि ट्रम्प की रैली में हुई शूटिंग से हमारे एजेंट बेख़बर थे. अमेरिकी ख़ुफ़िया प्रमुख और आंतरिक मंत्रालय की चुप्पी ने भारत समेत दुनियाभर में अटकलों का बाज़ार गर्म किया था. भारतीय सोशल मीडिया के तुर्रम ख़ान, ख़म ठोक कर कहने लगे कि हो न हो, यह सारा कुछ ट्रंप का किया धरा है, जिससे चुनावी तस्वीर उनके पक्ष में बदल जाये.रिपब्लिकन इस पर अड़े हुए थे कि दो साल की अवधि में सीक्रेट सर्विस के अधिकारियों ने ट्रम्प के सार्वजनिक कार्यक्रमों में अधिक एजेंटों और मैग्नेटोमीटर के लिए बार-बार अनुरोधों को अस्वीकार कर दिया, बाहरी स्थानों के लिए अतिरिक्त स्नाइपर्स देने से भी मना किया था. मंगलवार को सीक्रेट प्रमुख पद से इस्तीफा देने से पहले चीटल ने कांग्रेस से कहा, 'जिस दिन यह काण्ड हुआ, जितना अनुरोध ट्रंप की तरफ से किया गया था, उन्हें दिया गया.' सोशल मीडिया इस घटना को लेकर दो खेमों में बंटा हुआ था. जो लोग पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप को लोकतंत्र के लिए खतरा मानते थे, उन्होंने इसे एक फर्जी घटना बताकर खारिज कर दिया. एक्स और टेलीग्राम जैसे प्लेटफ़ॉर्म, 'प्री-प्लांड' और 'मंचित किये जाने' वाले आरोपों के पोस्ट से भर गए. एलन मस्क तक ने एक्स पर सवाल कर दिया, 'एक स्नाइपर को पूरी राइफल किट के साथ राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के सबसे नज़दीकी छत पर रेंगने की अनुमति कैसे दी गई?' अमेरिकी सुरक्षा व्यवस्था की जो धाक समय-समय पर दुनियाभर में ज़माने की कोशिशें होती रही, ट्रंप कनपट्टी काण्ड से धराशायी हुई है. अमेरिका के 35वें राष्ट्रपति जॉन एफ 1 कैनेडी की 22 नवंबर, 1963 को टेक्सास के डलास में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी. उनके हत्यारे का नाम था, ली हार्वे ओसवाल्ड, जो एक पूर्व अमेरिकी मरीन था. जेम्स अर्ल रे एक अनजान सा अमेरिकी भगोड़ा था, जिसने 4 अप्रैल, 1968 को मार्टिन लूथर किंग 'जूनियर' की हत्या कर दी थी. कैनेडी और किंग की हत्याओं के बाद कई लोगों को यह स्वीकार करने में कठिनाई हुई कि एक अकेला, परेशान, महत्वहीन व्यक्ति इतिहास बदल सकता है. 27 नवंबर, 2002 को 9/11 आयोग की स्थापना की गई थी, जिसका उद्देश्य विश्व इतिहास में सबसे घातक आतंकवादी हमलों के सभी पहलुओं की जांच करनी थी. 9/11 आयोग की अध्यक्षता थॉमस कीन ने की थी, जिसमें पांच डेमोक्रेट और पांच रिपब्लिकन शामिल थे. 22 जुलाई, 2004 को 9/11 आयोग की रिपोर्ट जब आई, अमेरिकी जनता ने उसे निर्विवाद रूप से स्वीकार किया था. लेकिन, ट्रंप काण्ड पर जो आयोग बना है, उसके राजनीतिक निहितार्थ सीधा अमेरिकी मतदाताओं को प्रभावित करेंगे. क्या वह सर्वस्वीकृत होगा? **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

> अमेरिकी सीक्रेट सर्विस की निदेशक किम्बर्ली चीटल का इस्तीफा दिया जाना, उन अटकलों को मज़बूत करता गया, जो इनकी क्षमता से लेकर 'कॉन्सपिरेसी थ्योरी' तक केंद्रित थी. ट्रंप पर गोली दागने वाली घटना के प्रकारांतर अमेरिकी सीक्रेट सर्विस की निदेशक किम्बर्ली चीटल सोमवार को कांग्रेस की एक समिति के सामने पेश हुईं.

क्यों बढ़ रहा है यूपी भाजपा में असंतोष

• सियासत

प्रमोद जोशी

उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की जो सरकार पिछले सात साल से मजबूती के साथ खड़ी दिखाई पड़ रही थी, अब अचानक लड़खड़ाती नज़र आने लगी है. इसकी वजह है एक अरसे से पनप रहा असंतोष.. जो मौका देखकर अब बाहर आना चाहता है. लगता है कि पार्टी ने इस मसले को काफी गंभीरता लिया है. राज्य बीजेपी के अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात से लगता है कि मामला काफी बढ़ गया है. लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को उम्मीद के मुताबिक सफलता नहीं मिलने का सबसे बड़ा कारण था, उत्तर प्रदेश. पहली नज़र में यह साफ लगता है कि कुछ न कुछ गड़बड़ जरूर है, अन्यथा ऐसे परिणाम नहीं आते. बहरहाल, दिल्ली में सरकार बनने के एक महीने बाद, पार्टी ने पराभव के कारणों को समझने के लिए अंतर्मंथन शुरू किया है तो अंतर्विरोध भी खुलने लगे हैं. बयानबाज़ी ज्यादा नहीं है, पर प्रतीकों में बातें तो हो ही रही हैं.पहली नज़र में दिखाई पड़ रहा है कि गुटबाज़ी गहराई पकड़ रही है. लोकसभा चुनाव परिणामों को लेकर पार्टी का अंतर्मंथन चल रहा है. इसी प्रक्रिया में यह असंतोष भी बाहर निकलकर आया है. पिछले रविवार को प्रदेश की विस्तारित कार्यकारिणी की बैठक में उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने 'संगठन हमेशा सरकार से बड़ा होता है' कहकर इन हलचलों को तेज कर दिया. शायद इसी वजह से मंगलवार को केशव मौर्य और पार्टी-अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी को राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से बातचीत के लिए अलग-अलग दिल्ली बुलाया गया. भीतर क्या बातें हुईं, इसे लेकर भी कयास हैं, पर मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि पार्टी के हित में इस मसले पर बयानबाज़ी नहीं की जानी चाहिए. औपचारिक रूप से केंद्रीय नेतृत्व ने अभी तक कुछ कहा नहीं है.बहरहाल, केशव प्रसाद मौर्य ने नड्डा से मिलने के बाद फिर कहा, 'संगठन हमेशा सरकार से बड़ा होता है.' ज़ाहिर है कि सरकार से उनका आशय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हैं. योगी जी के दोनों उपमुख्यमंत्री, यानी केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक, इस वक्त एक साथ उनके खिलाफ खड़े नज़र आ रहे हैं. राज्य में पार्टी के भीतर की उमड़-घुमड़ काफी पहले से सुनाई पड़ रही है, पर अब वह खुलकर सामने आती जा रही है. इस खींचतान के समानांतर समाजवादी पार्टी और कांग्रेस की सद्य-स्थापित एकता पहले से ज्यादा मजबूत होती जा रही है, क्योंकि उन्हें बीजेपी के भीतर के टकराव में अपने लिए बेहतर संभावनाएं नज़र आ रही हैं. इतना ही नहीं बीजेपी के सहयोगी दलों ने भी अपने स्वरों को मुखर करना शुरू कर दिया है. लोकसभा चुनाव में विफलता के कारण असंतुष्टों को विरोध व्यक्त करने का मौका मिला है. हैरत इस बात पर ज़रूर है कि केंद्रीय नेतृत्व ने समय रहते इस टकराव को पढ़ा नहीं या फिर यह माना जाए कि केंद्रीय नेतृत्व कुछ सोचकर कोई बड़ा फैसला नहीं करना चाहता है.वस्तुतः नेतृत्व को समझदारी के साथ पहले इस टकराव को टालना या कालीन के नीचे डालना होगा, फिर धीरे-धीरे परिवर्तन करना होगा. उसके साथ ही कार्यकर्ताओं के बीच यह संदेश भेजना भी जरूरी है कि सरकार में उनकी बात सुनी जाएगी और उन्हें सम्मान मिलेगा. दिल्ली में राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ हुई बैठकों के बाद बुधवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य में विधानसभा की 10 सीटों के लिए होने वाले उपचुनाव की रणनीति तैयार करने के लिए लखनऊ में बैठक बुलाई. हाल हुए लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश के नौ विधायकों ने लोकसभा की सदस्यता प्राप्त करके अपने पद से इस्तीफा दे दिया. प्रदेश की फूलपुर, खैर, गाजियाबाद, मझवां, मीरापुर, मिल्कीपुर, करहल, कटेहरी और कुंदरकी यानी नौ सीटें खाली हुई हैं. दसवीं सीट सीसामऊ सपा विधायक इरफान सोलंकी को अयोग्य करार दिए जाने से खाली हुई है. जिन 10 सीटों पर उपचुनाव होना है, उनमें से पांच पर समाजवादी पार्टी के विधायक थे, भाजपा के तीन और राष्ट्रीय लोक दल तथा निषाद पार्टी के एक-एक. यानी इंडिया गठबंधन और एनडीए की 5-5 सीटें हैं. अब दोनों गठबंधन अपने महत्व और वर्चस्व को साबित करने के लिए चुनाव में उतरेंगे. ऐसे में बीजेपी के भीतर से बर्तनों के खटकने की आवाज़ों का आना शुभ लक्षण तो नहीं है.पार्टी के सहयोगियों की आवाजें भी अब मुखर हो रही हैं. पिछले सोमवार को निषाद पार्टी के नेता संजय निषाद ने कहा, गरीब को उजाड़ेंगे, तो वह हमें उजाड़ेगा राजनीति में. उन्होंने उत्तर प्रदेश की 'बुलडोज़र राजनीति' पर भी टिप्पणी की है. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

> पिछले रविवार को प्रदेश की विस्तारित कार्यकारिणी की बैठक में उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने 'संगठन हमेशा सरकार से बड़ा होता है' कहकर इन हलचलों को तेज कर दिया. शायद इसी वजह से मंगलवार को केशव मौर्य और पार्टी-अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी को राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से बातचीत के लिए अलग-अलग दिल्ली बुलाया गया.

मीडिया में अन्यत्र

वित्तीय स्पष्टता की आवश्यकता

केंद्र सरकार ने राजस्व के मोर्चे पर बेहतर हुई स्थिति का फायदा उठाते हुए चालू वर्ष के लिए कम राजकोषीय घाटा दर्शा कर अच्छा किया है. चालू वित्त वर्ष में घाटे को सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी के 4.9 फीसदी के बराबर रखने का लक्ष्य तय किया गया है जबकि अंतरिम बजट में यह लक्ष्य 5.1 फीसदी का था.सरकार ने 2021 में घोषणा की थी कि घाटे को 2025-26 तक कम करके जीडीपी के 4.5 फीसदी के स्तर तक लाया जाएगा. सरकार अगले वर्ष इस लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में अग्रसर है. इस संदर्भ में वित्तीय बाजारों और विश्लेषकों को उम्मीद थी कि केंद्रीय बजट में मध्यम अवधि के लिए संशोधित राजकोषीय पथ घोषित किया जाएगा. बजट के बाद मीडिया से (इस समाचार पत्र समेत) बात करते हुए वित्त मंत्री ने तथा वित्त मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि सरकार खुद को खास लक्ष्यों में उलझाने के बजाय बदलते आर्थिक हालात के अनुसार कदम उठाना चाहती है. बहरहाल, सरकार को सलाह होगी कि वह और अधिक स्पष्टता प्रदान करे. साफ कहा जाए तो कर्ज पर ध्यान केंद्रित करना उचित है.वित्तीय जवाबदेही एवं बजट प्रबंधन (एफआरबीएम) अधिनियम में उम्मीद जताई गई थी कि मार्च 2025 तक सामान्य सरकारी ऋण जीडीपी के 60 फीसदी तक सीमित रहे और केंद्र सरकार के ऋण का अनुपात 40 फीसदी रहे. बजट दस्तावेजों में राजकोषीय नीति को लेकर जो वक्तव्य दिए गए हैं उनके मुताबिक राजकोषीय घाटा केवल एक परिचालन लक्ष्य है.चालू वर्ष में केंद्र सरकार कर्ज के स्तर के जीडीपी के 56.8 फीसदी रहने के अनुमान को देखते हुए अंशधारकों के लिए यह महत्त्वपूर्ण है कि उन्हें पता रहे कि सरकार अगले करीब पांच साल में किस लक्ष्य को ध्यान में रखकर काम कर रही है. यह जानना भी अहम होगा कि इस तय अवधि में कर्ज का वांछित स्तर पाने के लिए राजकोषीय घाटे को किस स्तर तक सीमित रखना होगा.ऐसे में मध्यम अवधि में घाटे का स्तर और कर्ज दोनों एक दूसरे से स्वतंत्र नहीं होंगे. विकास के इस मोड़.पर जब सरकार और निजी क्षेत्र दोनों को निवेश के लिए धन जुटाने की आवश्यकता है, पारदर्शी और नियम आधारित राजकोषीय ढांचा मददगार साबित होगा. एफआरबीएम अधिनियम के पीछे भी यही विचार रहा है. एक नियम आधारित राजकोषीय ढांचा रेटिंग एजेंसियों के लिए भी मददगार होगा, क्योंकि वे उस आधार पर भारत का आकलन कर सकेंगी.राजकोषीय घाटे की भरपाई करने की अर्थव्यवस्था की क्षमता भी बातचीत से नदारद है. विशुद्ध पारिवारिक वित्तीय बचत 2022-23 में जीडीपी के 5.3 फीसदी के साथ कई दशकों के निचले स्तर पर आ गई.

(बिजनेस स्टैंडर्ड)

शब्द चर्चा | डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

कार्यवाही/कार्रवाई

पुलिस की सही कार्रवाई न्यायालय की कार्यवाही को आसान कर देती है. कार्रवाई और कार्यवाही दोनों शब्द सुनने में एक जैसे लगते हैं, इसलिए इनके प्रयोग में अक्सर भूल हो जाती है. कई लोग कार्रवाई की जगह कार्यवाही और कार्यवाही की जगह कार्रवाई लिख देते हैं. संभवतः सुनने में एक जैसे लगने के कारण कार्रवाई और कार्यवाही दोनों का अर्थ समान समझ लिया जाता है, लेकिन वास्तविकता कुछ और ही है. ये दोनों ही शब्द कुछ विशेष प्रयोजनों के लिए रूढ़ हो चुके हैं. कार्रवाई का अर्थ अंग्रेजी में एक्शन होता है, वहीं कार्यवाही का अर्थ अंग्रेजी में प्रोसीडिंग. आपका कोई काम सरकारी कार्यालय में या कहीं और अटका पड़ा है तो आप संबंधित व्यक्ति से शीघ्र कार्रवाई की अपेक्षा करते हैं, लेकिन आप सभा या गोष्ठी में हों तो वहां कार्यवाही होती है, कार्रवाई नहीं. कार्रवाई फारसी भाषा की संज्ञा है तो वहीं कार्यवाही संस्कृत की संज्ञा है. दोनों में अंतर को इस प्रकार समझा जा सकता है-संसद या विधानसभा के सदनों में जो कामकाज हुआ, उसे कार्यवाही कहते हैं और सरकार ने जो कदम उठाये या किसी मामले में एक्शन लिया, उसे कार्रवाई कहा जाता है. उदाहरण के लिए संसद की कार्यवाही दो घंटे के लिए ठप हो जाती है, लेकिन ठप करनेवालों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हो पाती. अदालती कार्यवाही में बाधा डालने की कोशिश कर रहे एक युवक के खिलाफ अदालत ने तुरंत कार्रवाई करने का निर्देश दिया. इन उदाहरणों से इन दोनों शब्दों के अंतर को अच्छी तरह समझा जा सकता है. कार्रवाई और कार्यवाही दोनों शब्द सरकारी कागजों में अधिक देखने को मिलते हैं. समाचार पत्रों, न्यूज चैनलों या न्यूज पोर्टलों पर अधिक दिखायी, सुनायी पड़ते हैं. अधिकतर लिखने, पढ़ने और बोलने वाले दोनों शब्दों को एक ही मानते हैं, लेकिन दोनों में जमीन और आसमान का अंतर है. कार्रवाई को कार्यवाही लिखना भारी भूल है, वहीं कार्यवाही को कार्रवाई लिखना अज्ञानता का द्योतक.

फर्जियों के पहाड़ पर बैठा आदमी

• तीर-तुक्का

नवेंदु उन्मेष

घर फर्जी, बाहर फर्जी. इधर फर्जी, उधर फर्जी. जिधर देखो, बस, फर्जी ही फर्जी. ऐसा लगता है कि हमारे देश का हर आदमी फर्जी चीजों के पहाड़ पर बैठा हुआ है. जिधर भी नजर दौड़ाइये हर तरफ फर्जी ही फर्जी नजर आता है. आप जो खा-पी रहे हैं उसमें मिलावट है, जिसे आप फर्जी सामान कहते हैं. यहां तक कि देश में कई नेता और अभिनेता भी फर्जी हैं. नेता फर्जी बातें करता है. अभिनेता डुप्लीकेट है यानी फर्जी है. जिस मोबाइल की सिम से आप बातें कर रहे हैं, हो सकता है कि वह भी फर्जी हो. आपके पास आने वाले कई कॉल भी फर्जी होते हैं. अगर आपने मिस्ड कॉल का उत्तर दिया तो आपके मोबाइल का बैलेंस गायब हो जाता है. फर्जी बैंक अधिकारी बनकर आपको साइबर अपराधी फोन करते हैं. अगर गलती से आपने अपना एटीएम नंबर बता दिया तो आपके बैंक का बैलेंस खाली हो जाता है. यहां तक कि फर्जी शराब पीकर लोग मौत को गले लगा लेते हैं. इलाज के लिए अस्पताल में गये तो वहां इलाज करने वाला डॉक्टर है या कंपाउंडर, आपको पता नहीं चलता है. यहां तक कि उसने जो दवा दी है, वह भी फर्जी हो सकता है. दवा तो खा रहे हैं, लेकिन फर्जी होने के कारण असर नहीं करता है. मिनरल वाटर के नाम पर फर्जी पानी सप्लाई की जाती है. यहां तक कि फर्जी आईएसआई का मार्का लगाकर फर्जी सामान बेचे जा रहे हैं. आप सोच रहे हैं सामान ठीक है, लेकिन कुछ दिनों के बाद आपको पता चलता है कि दुकानदार ने तो ज्यादा कमाई के चक्कर में आपको फर्जी सामान थमा दिया है. आपकी इच्छा विदेशों में नौकरी करने की होती है. आपने किसी विदेशी एजेंसी को एप्रोच किया. उसने कहा इतने रुपये लगेंगे. आप अपना घर-द्वार बेचकर एजेंसी वाले को इस लालच में पैसा देते हैं कि विदेश में जाकर कमाई करेंगे तो इससे अच्छा घर बना लेंगे. विदेश जाकर आपको पता चला कि आप घरेलू नौकर के रूप में काम कर रहे हैं. अगर आप अपने देश में नौकरी खोजने के लिए निकलते हैं तो पता चलता है कि फर्जी साक्षात्कार भी फर्जी कंपनी ने ली है. पैसे लेने के बाद आपको फर्जी नियुक्ति पत्र थमा दिया है. नियुक्त किये जाने वाले दफ्तर में जाने पर आपको पता चलता है कि आपका नियुक्ति पत्र फर्जी है. फर्जी नियुक्ति पत्र रखने के कारण आपको हवालात भेज दिया गया है. संभव यह भी है कि थाने में नियुक्त पुलिस अधिकारी भी फर्जी हो. वह आपको छोड़ने के एवज में रुपये मांग रहा हो और आप भी कम चालाक नहीं हैं. आपके पास फर्जी एटीएम कार्ड है. आप एटीएम क्योस में गये वहां से फर्जी यानी नकली रुपये निकल गये. आपने उन फर्जी रूपयों को लाकर फर्जी पुलिस अधिकारी को थमा दिया और आप वहां से छूट गये.

सावन विशेष

भारतीय पंचांग का पांचवा महीना सावन या श्रावण मास कहलाता है. हिंदू धर्म में श्रावण मास का विशेष धार्मिक महत्व है. ये साल का सबसे महत्वपूर्ण और पवित्र महीना माना जाता है. सावन महीने में विशेष कर शिव और पार्वती की पूजा बहुत भक्ति और श्रद्धा से की जाती है. सावन मास इसलिए भी अति मनमोहक माना जाता है कि इस मास में वर्षा और हरियाली का बोलबाला रहता है, जिससे इसे पावस ऋतु भी कहा जाता है. इस वर्ष सावन की शुरुआत 22 जुलाई से हुई है और समापन 19 अगस्त को होगा. इस सावन मास की अन्य विशेषता ये है कि इस एक माह में कुल पांच सोमवार पड़ेंगे. सावन की शुरुआत सोमवार से हुई और समापन भी सोमवार से ही होगा.

सावन का महीना और शिव की आराधना

बाबा बैद्यनाथ

हम आयल छी भिखरिया

डॉ. हरेन्द्र सिन्हा
पुरातत्वविद

देवाधिदेव महादेव शिव सनातनियों के प्राचीनतम देवताओं में से एक माने जाते हैं और इस संबंध में हड़प्पा मोहनजोदड़ो की खुदाई में एक सील मिली थी जिस पर शिव की अनुकृति बनी हुई है, ऐसा माना जाता है. तो शिव का पुरातात्विक प्रमाण आज से लगभग पांच हज़ार साल पहले ही प्राप्त हो चुका है. यानी अत्यंत प्राचीन काल से ही शिव की पूजा हमारे देश में होती रही है.

वैसे तो हिंदू धर्म में प्रत्येक माह देवी देवताओं की पूजा अर्चना की ही जाती है लेकिन सावन का महीना धार्मिक दृष्टिकोण से इसलिए ही भी बेहद खास माना जाता है क्योंकि यह पूरा माह देवाधिदेव महादेव को समर्पित है. शिव पुराण में भी इसकी चर्चा है कि सावन के माह में ही मुख्य रूप से शिव की आराधना होती है. लेकिन सावन के महीने में ही भगवान शिव का पूजन पूरे देश में धूमधाम से क्यूं किया जाता है, इसके पीछे कई मान्यताएं जुड़ी हुई हैं. इन मान्यताओं के अनुसार सावन के महीने में ही भगवान शिव ने समुद्र मंथन से निकले विष का प्याला पिया था. इस विष का ताप इतना तेज था कि इंद्र देवता ने बारिश करके उन्हें शीतल किया. इसीलिए सावन के महीने में बारिश होती है. यह भी मान्यता है कि माता पार्वती ने सावन माह में ही भगवान शिव को पति परमेश्वर के रूप में प्राप्त करने के लिए कठोर तपस्या की थी और तपस्या सफल होने पर उनसे विवाह भी किया था।.

कारण हैं कि शिव जी को सावन का महीना अत्यधिक प्रिय है.

इतना ही नहीं, यह भी कहा जाता है कि पहली बार भगवान शिव पृथ्वी लोक पर अपने ससुराल सावन के महीने में ही आए थे. ऐसे में लोग ऐसा मानते हैं कि सावन के महीने में हर साल भगवान शिव पृथ्वी पर आते हैं और सभी को अपना आशीष देते हैं.

यह भी माना जाता है कि भगवान शिव का देवी पार्वती के साथ पवित्र श्रावण मास में पुनर्मिलन हुआ था, इसीलिए जो महिलाएं श्रावण मास में भगवान से अच्छे पति के लिए प्रार्थना करती हैं, उन्हें अच्छे जीवनसाथी का आशीर्वाद मिलता है.

पुराणों के मुताबिक शिव जी को चढ़ाये जाने वाले उनके प्रिय फूल-पत्ते भी मुख्यतः बरसात में ही उगते हैं, इसलिए सावन में शिव पूजा की परंपरा बनी. इन फूल, फल, पत्तों में बेलपत्र, पीपल, शमी, केला, चंपा इत्यादि प्रमुख हैं, जो शिव पर मुख्यतः चढ़ाए

शिव की पूजा में एक और भी अनोखी बात है कि मानव रूप के अलावा शिव के प्रतीक रूप की भी पूजा की जाती है और वह प्रतीक है- शिवलिंग. शिव का अर्थ होता है - परम कल्याणकारी और लिंग का अर्थ है -सृजन. इस प्रकार शिवलिंग का अर्थ हुआ- शिव का प्रतीक. शिव के प्रतीक चिन्ह की पूजा प्रारंभ होने के संदर्भ में भी एक पौराणिक कथा बहुत प्रचलित है. सृष्टि के उत्पन्न होने के बाद भगवान विष्णु और ब्रह्मा जी में इस बात को लेकर युद्ध होता रहा कि कौन ज्यादा शक्तिशाली है. इस दौरान आकाश में एक चमकीला पत्थर दिखा और आकाशवाणी हुई कि जो भी इस पत्थर का अंत ढूंढ लेगा, वही ज्यादा शक्तिशाली माना जाएगा. भगवान विष्णु और ब्रह्मा जी दोनों ही उस पत्थर का अंत ढूंढने में लग गए परंतु दोनों में से किसी को भी सफलता नहीं मिली. थक कर भगवान विष्णु ने हार मान ली. लेकिन ब्रह्मा जी ने सोचा कि अगर मैं भी हार मान लूं तो विष्णु ज्यादा शक्तिशाली कहलाएंगे, इसलिए ब्रह्मा जी ने कह दिया कि उनको पत्थर का अंत मिल गया है. इसी बीच फिर से आकाशवाणी हुई कि मैं शिवलिंग हूं और मेरी न तो कोई शुरुआत है न कोई अंत है. इसी समय भगवान शिव प्रकट हुए और तभी से शिवलिंग के रूप में भी शिवजी की आराधना शुरू हुई. आज भी पूरे सावन मास में शिवलिंग की पूजा देशभर में की जाती है.

12 ज्योतिर्लिंगों में से एक बैद्यनाथ धाम

झारखंड का बैद्यनाथ धाम एक महत्वपूर्ण हिंदू तीर्थ स्थान है. यहां भारत में स्थित 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक है. इसी सावन माह में दुनिया भर से कांवर धारी भक्त झारखंड के देवघर यानी बैद्यनाथ धाम स्थित शिव मंदिर में जल चढ़ाने पहुंचते हैं. बैद्यनाथ धाम का ये ज्योतिर्लिंग कामना लिंग कहा जाता है, क्योंकि जन सामान्य का ऐसा विश्वास है कि यहां जल चढ़ाने से मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं. देश के कुल 12 ज्योतिर्लिंगों में से ये नवें स्थान पर माना जाता है, जो शक्तिपीठ भी है. धार्मिक मान्यता के अनुसार स्वयं भगवान विष्णु ने इसकी स्थापना की थी. वैसे तो भक्त यहां पूरे साल दर्शन पूजा के लिए पहुंचते हैं, लेकिन सावन माह में यहां लाखों-लाख भक्त आते हैं और बिहार के सुल्तानगंज- अजगैबीनाथ से उत्तर वाहिनी गंगा का जल अपने कांवर के पात्र में भरकर, बोल बम का नारा लगाते हुए, करीब 140 किलोमीटर का पैदल सफर तय कर बैजनाथ धाम पहुंच, शिवलिंग पर जलाभिषेक करते हैं. पिछले दिनों बैद्यनाथ धाम के शिव मंदिर का काफी विकास हुआ है और यहां आने वाले श्रद्धालुओं को अधिकाधिक सुविधाएं देने की सुदृढ़ व्यवस्थाएं स्थानीय जिला प्रशासन द्वारा सुनिश्चित की गईं हैं.

पाल काल से भी पुराना मंदिर

बैद्यनाथ धाम का प्राचीन शिव मंदिर कितना पुराना है, अधिकृत रूप से अभी तक इसकी पुष्टि नहीं की जा सकी है. लेकिन सामान्यतः लोगों का मानना है कि सातवीं शताब्दी में मूल मंदिर का निर्माण हुआ होगा. कुछ अन्य विद्वान उसे 4-5 सौ साल पुराना बताते हैं. लेकिन स्वयं लेखक द्वारा पूर्व में जब इस मंदिर का निरीक्षण किया गया था तो पाया गया कि यहां के मंदिरों में स्थापित की गई ब्लैक बसाल्ट पत्थरों की मूर्तियां अधिकांशतः पाल कालीन यानी आठवीं-दसवीं शताब्दी की अवश्य हैं. इसीलिए इतना तो अवश्य तय है कि पाल काल का ये शिव मंदिर अस्तित्व में था, तभी ये मूर्तियां यहां रखी गई होंगी. यहां कई प्राचीन अभिलेख भी हैं, जिनसे ये एहसास होता है कि मंदिर और भी पुराना होगा. लेकिन इस पर विस्तृत चर्चा फिर कभी अलग से की जाएगी.

शिव का नृत्य ब्रह्मांड, यही परम सत्य

आचार्य अजय मिश्रा

भगवान शिव का नटराज भी कहा जाता है और नृत्य की मुद्रा में भी उनकी अराधना की जाती है. नृत्य करती शिव की नटराज प्रतिमा दर्शाती है कि संसार गति से भरा है, और यहां का कण-कण नृत्य कर रहा है. शिव का नृत्य ही ब्रह्मांड है. इस नृत्य में गति है. यह भी कह सकते हैं कि इस गति में नृत्य है. परम सत्य तो यही है कि नृत्य की यही गति ब्रह्मांड है. इसी गति को पाना प्रभु को पाना है. जिसने भी प्रभु को पाया है, वे सब नाचे हैं, चाहे चैतन्य महाप्रभु हों या मीरा. क्या है भोले बाबा के नृत्य के पीछे की कहानी, आइए जानें-

शिव के नटराज मुद्रा में होने की कथा का वर्णन हमें स्कंद पुराण में मिलता है. नटराज की मूर्ति देखें तो उनके पैरों तले कोई है. यह अपस्मरा नाम का राक्षस है. कहा जाता है कि अपस्मरा राक्षस बहुत अभिमान था. साथ ही अज्ञानी भी. शिव के नटराज मुद्रा में शिव आन्दित होकर मुस्कुराते हुए अपस्मरा पर चढ़कर नृत्य कर रहे हैं. क्यों मुस्कुरा रहे हैं शिव! वे क्रोधित हो कर भी तो राक्षस का वध कर सकते थे. पर आनंदित हैं. दरअसल पैरों तले अभिमान और अज्ञानता कुचला जा रहा है.

शिव पुराण में भी महादेव के नृत्य की चर्चा है. इस ग्रंथ में वर्णित है कि महादेव को जब क्रोध आता है, तो वो तांडव नृत्य करते हैं. शिव जी जब तांडव नृत्य करते हैं तो उस समय उनकी आंखें क्रोध से लाल हो जाती हैं और पूरा ब्रह्मांड कांपने लगता है. भगवान शिव ने उस समय किया तांडव था, जब मां सती अपने पिता द्वारा आयोजित यज्ञ में शामिल होने अपने मायके गई थीं. वहां उनके पिता ने शिव जी का अपमान किया और यह बात सती सहन नहीं कर पाईं. उन्होंने अपने को यज्ञाग्नि में दाह कर लिया.

महादेव को जब इस बात की जानकारी मिली, वे क्रोधित हो उठे. उन्होंने अपने गण वीरभद्र को भेजकर सती के पिता दक्षराज का सर धड़ से अलग कर दिया. इसके बाद सती को अपनी गोद मे उठाकर क्रोध में आकर शिव पूरे ब्रह्मांड में वे तांडव नृत्य करने लगे. शिव का ये रौद्र रूप देखकर सारे देवता, राक्षस, और

जब किसी तरह उनके शांत होने का उपाय नहीं सूझा तो सभी लोग ब्रम्हदेव के पास गए. ब्रह्म देव ने सभी को भगवान विष्णु के पास जाने का सुझाव दिया. जब वे भगवान विष्णु के पास पहुंचे तो उन्होंने कुछ विचार कर कहा कि इस समय महादेव के सामने जाना उचित नही है. जब तक उनके गोद में मां सती का पार्थिव शरीर है, वो शांत नहीं होंगे. भ ग व ान विष्णु अपने सुदर्शन चक्र से मां सती के पार्थिव शरीर को काटकर नीचे गिराने लगे. कहा जाता है कि मां शरीर का जो अंग कटकर पृथ्वी पर गिरा है वहां-वहां शक्तिपीठ की स्थापना हुई. जब मां सती

रुणा रश्मि दीप्त

हिंदुस्तान का ताज, धरती का स्वर्ग आदि विशेषणों से सुशोभित जम्मू कश्मीर अपनी मनोहरी प्राकृतिक छवि के लिए तो विश्व भर में प्रसिद्ध है ही, साथ ही साथ यह अनेकानेक मान्यता प्राप्त प्राचीन सुप्रसिद्ध मंदिरों के लिए भी जाना जाता है. दूर-दूर से श्रद्धालु यहां ऊंचे पर्वत पर स्थित देवी देवताओं के दर्शन की खातिर आते हैं. उन अनेकानेक मंदिरों में से एक मंदिर है, श्रीनगर में स्थित शंकराचार्य मंदिर.

सदियों पुराना है श्रीनगर का शंकराचार्य मंदिर

280 सीढ़ियों पर चढ़ने के बाद होता विशाल शिवलिंग का दर्शन

यह जम्मू कश्मीर के श्रीनगर शहर में गोपाल गिरी पर्वत पर स्थित एक अत्यंत ही प्राचीन शिव मंदिर है. यह मंदिर समुद्र तल से 300 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है. इतनी अधिक ऊंचाई पर स्थित होने के कारण ही शहर के प्रत्येक कोने से इसका दर्शन दूर से ही हो जाता है.

जैसाकि स्थानीय लोगों ने बताया, इसका भ्रमण सर्वप्रथम आदि शंकराचार्य जी ने किया था, इसीलिए इस मंदिर को शंकराचार्य मंदिर के नाम से जाना जाता है. भक्तों का मानना है कि इस मंदिर का निर्माण 200 ईसा पूर्व में मौर्य राजकुमार जलुका ने करवाया था.

वास्तुकला के हिसाब से भी यह मंदिर अत्यधिक महत्वपूर्ण है. यह कश्मीरी शिखर शैली की वास्तुकला का प्रतिनिधित्व करता है. भगवान शिव का यह मंदिर ज्येठेश्वर महादेव के नाम से भी लोकप्रिय है. चौकोर आकार के इस मंदिर में 20 फीट ऊंचा अष्ट कोनिया चट्टानी आधार और अष्टकोणीय स्तंभ है. इसमें एक तहखाना भी है जो मंदिर के निर्माण को सहारा देता है. मुख्य द्वार से मंदिर के सामने स्थित बाग तक पहुंचने के लिए 244 सीढ़ियां और फिर वहां से मंदिर के गर्भगृह तक पहुंचने के लिए और 36 सीढ़ियां चढ़नी पड़ती हैं. गर्भगृह में एक विशाल शिवलिंग है, इसी के दर्शन के लिए श्रद्धालु आते हैं. गर्भगृह के नीचे एक कमरा है जहां आदिगुरु शंकराचार्य विश्राम करते

थे. (ऐसा बताया गया) लेकिन दर्शनार्थियों का वहां जाना वर्जित है. गर्भगृह से नीचे उतरते हुए दूसरी तरफ कुछ दूरी पर गौरीकुंड है जो अभी पूर्णतया सूख चुका है. मंदिर भ्रमण के साथ ही साथ इतनी ऊंचाई से डल झील सहित पूरे श्रीनगर का नजारा अत्यंत ही मनमोहक होता है.

यह मंदिर, जहां श्रीनगर बस स्टेशन से मात्र करीब ढाई किलोमीटर की दूरी पर स्थित है वहीं रेलवे स्टेशन से 18 किलोमीटर दूर स्थित है. इसलिए सामान्य दर्शनार्थियों के लिए बस स्टेशन से ई-रिक्शा या ऑटो लेना सही रहता है, जबकि रेलवे स्टेशन से ऑटो या टेक्सी बेहतर साधन हैं.

जैसाकि हमारे कई अन्य प्राचीन मंदिरों के विध्वंस की गाथा भी हमने सुनी है, वैसा ही आचरण इसके साथ भी हुआ. किवदंती यह है कि सुल्तान सिकंदर ने मंदिर के शिवलिंग और कई अन्य देवी-देवताओं की मूर्तियों को नष्ट कर दिया था. कुछ विनाश प्राकृतिक आपदाओं के कारण भी हुआ. किंतु कालांतर में, विभिन्न शासकों ने भिन्न-भिन्न समय पर इस मंदिर का जीर्णोद्धार भी किया.

यह मंदिर शैव धर्म का एक महत्वपूर्ण स्थल माना जाता है. कैलाश पर्वत के समीप स्थित होने के कारण ही, भक्तों का ऐसा मानना है कि देवाधिदेव शिव की भक्ति का प्रचार प्रसार इसी क्षेत्र से आरंभ हुआ है. शिवरात्रि यहां का मुख्य पर्व है. ऐसी मान्यता है कि इसी क्षेत्र में महान संत आदि शंकराचार्य ने अपने सुप्रसिद्ध आध्यात्मिक ग्रंथ 'सौंदर्य लहरी' की रचना की थी.

कुल मिलाकर धार्मिक प्रवृत्ति के श्रद्धालुओं के साथ

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

ला विलेट में 'इंडिया हाउस' का किया गया उद्घाटन

ओलंपिक में भारत दोहरे अंक में पदक जीतने के लिए तैयार: नीता

वह दिन अब 'दूर नहीं' है जब भारत ओलंपिक की मेजबानी करेगा

ला विलेट में इंडिया हाउस के उद्घाटन के मौके पर नीता अंबानी, पीटी उषा, जय शाह व अन्य.

भाषा। पेरिस

खेल प्रशासक और अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) की सदस्य नीता अंबानी ने कहा है कि टोक्यो ओलंपिक में भारत के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के बाद देश पेरिस में दोहरे अंक में पदक जीतने के लिए तैयार है. ला विलेट में 'इंडिया हाउस' के उद्घाटन के मौके पर 'पीटीआई' से विशेष बातचीत में उन्होंने यह भी कहा कि वह दिन अब 'दूर नहीं' है जब भारत ओलंपिक की मेजबानी करेगा.

पिछले साल अक्टूबर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2036 ओलंपिक की मेजबानी के लिए भारत की दावेदारी की इच्छा की घोषणा की थी और देश के एक अरब 40 करोड़ लोगों के सपने को पूरा करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ने का संकल्प लिया था. नीता ने कहा, हम बहुत अच्छा प्रदर्शन करने जा रहे हैं. हमारे खिलाड़ियों में से 47 प्रतिशत लड़कियां हैं. यह सब महिला शक्ति और हमारे युवा लड़के-लड़कियों के लिए है, हम उनका उत्साहवर्धन कर रहे हैं. मुझे उम्मीद है कि हम पहली बार पदक की संख्या को दोहरे अंक में देख पाएंगे. आगे बढ़ो भारत, भारत को गौरवांवित करो. पेरिस ओलंपिक के शानदार उद्घाटन समारोह के पूरी दुनिया का ध्यान खींचने के एक दिन बाद ओलंपिक में पहले कंट्री हाउस 'इंडिया हाउस' का उद्घाटन हुआ, जिसमें बीसीसीआई के सचिव जय शाह और आईओसी के अधिकारी और प्रशासक भी शामिल हुए.

नीता ने कहा, भारत आ गया है. अब समय आ गया है कि एथेंस में पहली बार जलाई गई ज्योति हमारी प्राचीन भूमि भारत के आकाश को रोशन करे. वह दिन दूर नहीं जब भारत ओलंपिक खेलों की मेजबानी करेगा. इंडिया हाउस के उद्घाटन पर यह हमारा सामूहिक संकल्प होना चाहिए. पहली बार पेरिस ओलंपिक 2024 में भारत का अपना घर है. यह एक ऐसी जगह है जहा हम अपने खिलाड़ियों का सम्मान करेंगे, उनकी उपलब्धियों का जश्न मनाएंगे. यह विचार उनके दिमाग में कैसे आया यह पूछे जाने पर उन्होंने कहा, जब मैं ब्राजील, कोरिया में शीतकालीन ओलंपिक और फिर टोक्यो गई थी तो हमारे पास इंडिया हाउस नहीं था. मुझे लगा कि एक करोड 40 लाख की जनसंख्या वाले भारत को अपना खुद का घर चाहिए.

पेरिस ओलंपिक 2024 पदक तालिका

देश	गोल्ड	सिल्वर	कांस्य	कुल
1. ऑस्ट्रेलिया	3	2	0	5
2. चीन	3	0	1	4
3. द. कोरिया	2	2	1	5
4. अमेरिका	1	2	2	5
17. भारत	0	0	1	1

पेरिस ओलंपिक में आज भारत

- **बैडमिंटन :** पुरुष युगल (ग्रुप चरण) : सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी बनाम मार्क लैम्सफस और मार्विन सीडेल (जर्मनी) – दोपहर 12 बजे, महिला युगल (ग्रुप चरण) : अश्विनी पोनप्पा और तनीषा क्रास्टो बनाम नामी मात्सुयामा और चिहारू शिदा (जापान) – दोपहर 12 :50 बजे, पुरुष एकल (ग्रुप चरण) : लक्ष्य सेन बनाम जूलियन कैरेगी (बेल्जियम) – शाम 5 :30 बजे
- **निशानेबाजी :** 10 मी. एयर पिस्टल मिश्रित टीम क्वालीफिकेशन : मनु भाकर और सरबजोत सिंह, रिदम सांगवान और अर्जुन सिंह चीमा – दोपहर 12 :45 बजे, पुरुष ट्रैप क्वालीफिकेशन : पृथ्वीराज तोंडईमान– दोपहर 1 :00 बजे, 10 मीटर एयर राइफल महिला फाइनल : रमिता जिंदल – दोपहर 1 :00 बजे, 10 मीटर एयर राइफल पुरुष फाइनल : अर्जुन बबूता – दोपहर 3 :30 बजे
- **हॉकी :** पुरुष पूल बी : भारत बनाम अर्जेंटीना– शाम 4 :15 बजे से.
- **तीरंदाजी :** पुरुष टीम क्वार्टर फाइनल : तरुणदीप, धीरज बोम्मादेवरा, प्रवीण जाधव – शाम 6 :30 बजे
- **टेबल टेनिस :** महिला एकल (राउंड ऑफ 32) : श्रीजा अकुला बनाम जियान (सिंगापुर)– रात 11 :30 बजे

पेरिस ओलंपिक : मुक्केबाजी में भारतीय अभियान की शानदार शुरुआत

निकहत-प्रीति पवार प्री क्वार्टर फाइनल में

प्रीति ने वियतनाम की वो थी किम आन्ह को 5-0 से हराया

भाषा। पेरिस

भारतीय महिला मुक्केबाजों ने पेरिस ओलंपिक में शानदार शुरुआत की. निकहत जरीन और प्रीति पवार पहला मैच जीतकर क्वार्टर फाइनल में पहुंचे. प्रीति पवार ने वियतनाम की वो थी किम आन्ह को सर्वसम्मत फैसले में हराकर पेरिस ओलंपिक में महिलाओं के 54 किग्रा वर्ग के प्री क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया. एशियाई खेलों की कांस्य पदक विजेता और पहली बार ओलंपिक खेलों में भाग ले रही प्रीति ने शनिवार को खेले गए मुकाबले में 5-0 से जीत हासिल करके मुक्केबाजी में भारतीय अभियान की शानदार शुरुआत की.

हरियाणा की इस 20 वर्षीय मुक्केबाज को बीमार होने के कारण ओलंपिक खेलों से कुछ दिन पहले अस्पताल में भर्ती होना पड़ा था। पहले राउंड में वह अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई और इस दौरान वियतनाम की मुक्केबाज उन पर हावी रही. भारत की मुक्केबाज ने इसके बाद हालांकि आक्रामक रवैया अपनाकर शानदार वापसी की और अगले दो राउंड में अपनी प्रतिद्वंद्वी को कोई मौका नहीं दिया.

भारतीय मुक्केबाजी महासंघ के अध्यक्ष अजय सिंह ने कहा, हमें बेहद खुशी है कि हमने जीत के साथ शुरुआत की. खेलों से पहले बीमार होने के बावजूद प्रीति न सिर्फ उससे उबरने में सफल रही, बल्कि उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया और असाधारण साहस दिखाया. प्रीति का अगला मुकाबला मंगलवार को कोलंबिया की दूसरी वरीयता प्राप्त और विश्व चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता मार्सेला येनी एरियास से होगा.

बलराज पंवार पुरुष एकल स्कल्स के क्वार्टर फाइनल में

पेरिस । भारत के बलराज पंवार रविवार को पेरिस ओलंपिक में रेपेचेज दो में दूसरे स्थान पर रहते हुए नौकायन (रोइंग) की पुरुष एकल स्कल्स स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए. बलराज ने सात मिनट 12.41 सेकेंड का समय लिया और वह मानाको के क्वेंटिन एंटोगनेली से पीछे रहे जो सात मिनट 10:00 सेकेंड के समय से शीर्ष पर रहे. प्रत्येक रेपेचेज से शीर्ष दो में रहने वाले खिलाड़ी क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई करते हैं. पंवार पूरी

रेस के दौरान दूसरे स्थान पर बने रहे. उन्होंने 500 मीटर की दूरी को एक मिनट 44:13 सेकेंड, 1000 मीटर की दूरी को तीन मिनट 33:94 सेकेंड और फिर 1500 मीटर की दूरी को पांच मिनट 23:22 सेकेंड में पार किया. इसके बाद उन्होंने 2000 मीटर की दूरी की रेस सात मिनट 12.41 सेकेंड में पूरी की. शनिवार को बलराज इसी स्पर्धा में सात मिनट 07:11 सेकेंड के समय से चौथे स्थान पर रहे थे और रेपेचेज दौर में पहुंचे थे. रेपेचेज एक में स्लोवेनिया के इवान इसाक जवेगेल्ज और पैराग्वे के जेवियन इन्सफ्रान क्रमशः सात मिनट 6.90 सेकेंड और सात मिनट 8.29 सेकेंड के समय से शीर्ष दो स्थान पर रहे.

निकहत ने जर्मनी की मैक्सी क्लोएट्जर को 5-0 से हराया

पेरिस। दो बार की विश्व चैंपियन निकहत जरीन ने रविवार को यहां जर्मनी की मैक्सी करीना क्लोएट्जर पर जीत के साथ महिलाओं के 50 किग्रा ओलंपिक के प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया. इस 28 साल की गैरवरीय मुक्केबाज ने यहां 'नॉर्थ पेरिस एरेना' अंतिम 32 दौर के मुकाबले में जर्मनी की मुक्केबाजी के खिलाफ 5-0 से जीत हासिल की. निकहत के सामने गुरुवार को खेल जाने वाले प्री-क्वार्टर फाइनल में एशियाई खेलों और मौजूदा फ्लाईवेट विश्व चैंपियन चीन की वू यू की चुनौती होगी. शीर्ष वरीयता प्राप्त वू यू को पहले दौर में बाई मिली है. ओलंपिक में पदार्पण कर रही निकहत पदक की मजबूत दावेदार है क्लोएट्जर के खिलाफ अपने मुकाबले में वह अच्छी शुरुआत करने में विफल रही.

सिंधू ने आसान जीत से अभियान शुरू किया

पेरिस। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू ने रविवार को यहां पेरिस ओलंपिक की महिला एकल स्पर्धा में अपने अभियान की शुरुआत ग्रुप एम के मैच में मालदीव की फातिमाथ अब्दुल रज्जाक के खिलाफ आसान जीत के साथ की. लगातार तीसरे ओलंपिक पदक के लिए चुनौती पेश कर रही सिंधू और फातिमाथ के बीच का अंतर साफ नजर आया. भारतीय खिलाड़ी ने अपने से कम रैंकिंग वाली खिलाड़ी को सिर्फ 29 मिनट में सीधे गेम में 21-9 21-6 से शिकस्त दी. शुरुआत में कुछ गलतियां करने के बाद सिंधू ने वापसी की और ब्रेक तक 11-4 की बढ़त बना ली.

कल्बर्ग पर आसान जीत से श्रीजा अगले दौर में

पेरिस। भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी श्रीजा अकुला ने रविवार को स्वीडन की क्रिस्टीना कल्बर्ग पर 4-0 की शानदार जीत के साथ पेरिस ओलंपिक खेलों के राउंड ऑफ 32 में प्रवेश किया. डब्ल्यूटीटी कंटेंडर एकल खिताब जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बनकर इतिहास रचने वाली श्रीजा ने स्वीडन की खिलाड़ी को 30 मिनट में 11-4, 11-9, 11-7, 11-8 से पराजित किया. भारतीय खिलाड़ी को पहला गेम जीतने में किसी तरह की परेशानी नहीं हुई लेकिन अगले तीन गेम में उन्हें थोड़ा संघर्ष करना पड़ा. तीसरे गेम में एक समय स्कोर 7-5 था, लेकिन इसके बाद भारतीय खिलाड़ी ने शानदार खेल दिखाकर कल्बर्ग को कोई मौका नहीं दिया.

एकल में खेलने को लेकर सुनिश्चित नहीं : नडाल

पेरिस। दुनिया के पूर्व नंबर एक टेनिस खिलाड़ी रफेल नडाल इस बात को लेकर सुनिश्चित नहीं हैं कि वह पेरिस ओलंपिक में एकल स्पर्धाओं में हिस्सा लेंगे या नहीं. कार्लोस अल्काराज के साथ जोड़ी बनाकर पहले दौर का युगल मैच जीतने के बाद उन्होंने कहा कि वह पदक के साथ स्वदेश लौटने के सर्वोत्तम अवसरों के लिए सबसे चतुराई भरा फैसला करना चाहते हैं. नडाल ने कहा, कल, मुझे नहीं पता कि क्या होने वाला है. मुझे नहीं पता कि मैं खेलूंगा या नहीं. वहीं, नडाल के मैनेजर बेनिटो पेरेज-बेरबाडिलो ने कहा है कि 22 बार का यह ग्रैंड स्लैम चैंपियन रविवार को पेरिस ओलंपिक में टेनिस एकल स्पर्धा में खेलेगा. नडाल 38 साल के हैं और पिछले दो सत्र में कई चोटों से जूझ रहे हैं.

पोलैंड का पत्रकार निलंबित

वारसॉ। पोलैंड के सरकारी प्रशासक ने उस टेलीविजन पत्रकार को निलंबित कर दिया है, जिसने ओलंपिक खेलों के उद्घाटन समारोह के दौरान जॉन लेनन के 'इमेजिन' के प्रदर्शन को साम्यवाद का दर्शन कहकर प्रतिक्रिया दी थी. राष्ट्रीय प्रशासक टीवीपी ने बयान जारी करके कहा कि पत्रकार और खेल कमेंटेटर, प्रेज़ेमिस्लाव बाबियार्ज़ को वर्तमान ओलंपिक खेलों के दौरान काम करने की अनुमति नहीं दी जाएगी. लेनन के गीत में स्वर्ग या नर्क, किसी देश या संपत्ति की कल्पना करने का आह्वान किया गया था. बाबियार्ज़ ने शुक्रवार शाम को पेरिस में सीन नदी के किनारे भव्य उद्घाटन समारोह के दौरान कहा, दुर्भाग्य से यह साम्यवाद का दर्शन है. उनकी इस टिप्पणी से पोलैंड में विवाद पैदा हो गया था जिसके कारण सरकारी प्रसारक को इस पत्रकार को निलंबित करना पड़ा.

महिला तीरंदाजी टीम क्वार्टर फाइनल में हारी

पेरिस। भारतीय महिला तीरंदाजी टीम पेरिस ओलंपिक में रविवार को क्वार्टर फाइनल में नीदरलैंड से 0-6 से हार गई. अपना चौथा ओलंपिक खेल रही दीपिका कुमारी, अंकिता भकत और भजन कौर की तिकड़ी 51-52, 49-54, 48-53 से हार गई. अंकिता और दीपिका ने बेहद खराब प्रदर्शन किया जबकि भजन ने अच्छा स्कोर बनाया. तीरंदाजी में सर्वोच्च स्कोर बनाने वाली टीम को दो अंक मिलते हैं. ड्रॉ पर दोनों टीमों को एक एक सेट प्वाइंट मिलता है. भारत क्वालीफिकेशन में चौथे स्थान पर रहने पर क्वाफा में पहुंचा था.

जल गुणवत्ता की चिंता से सीन नदी में ट्रायथलॉन आयोजन रद्द

एजेंसी। पेरिस

पेरिस की सीन नदी की जल गुणवत्ता को लेकर चिंताएं 2024 ओलंपिक में भी जारी हैं और मुख्य ट्रायथलॉन स्पर्धा से पहले रविवार को यहां होने वाले ट्रायथलॉन आयोजन को रद्द कर दिया गया. आयोजकों ने कहा कि उन्होंने जल गुणवत्ता परीक्षण करने वाले अधिकारियों के बीच जल गुणवत्ता को लेकर हुई बैठक के बाद रविवार सुबह होने वाले ट्रायथलॉन के तैराकी चरण के सामंजस्य कार्यक्रम को रद्द कर दिया. इसमें विश्व ट्रायथलॉन के प्रतिनिधियों के साथ-साथ शहर के और क्षेत्रीय अधिकारी भी शामिल थे. खराब जल गुणवत्ता के कारण सीन में तैराकी पर एक सदी से भी अधिक समय से प्रतिबंध लगा हुआ है. आयोजकों ने सीन को इन खेलों के लिए तैयार करने में 1.5 अरब डॉलर का निवेश किया है. सरकार ने कहा है कि नदी इतनी साफ होगी कि इसमें ट्रायथलॉन के तैराकी चरण और मैराथन तैराकी स्पर्धा सहित अन्य स्पर्धाएं आयोजित की जा सकेंगी. जून के आरंभ में दैनिक जल गुणवत्ता परीक्षणों में बैक्टीरिया के असुरक्षित स्तर का पता चला जिसके बाद हाल ही में स्थिति में सुधार हुआ. पेरिस की मेयर ऐनी हिडाल्गो ने ओलंपिक प्रतियोगिताओं के शुरू होने से दो सप्ताह से भी कम समय पहले नदी में डुबकी लगाई जिससे यह दिखाने का वादा पूरा हुआ कि लंबे समय से प्रदूषित जलमार्ग तैराकी प्रतियोगिताओं की मेजबानी करने के लिए पर्याप्त रूप से साफ है.

सानन और इमरान के गोल से पहले मैच में जेएफसी 3-0 से जीता

- उद्घाटन मैच में असम राइफल्स हारा
- जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में डूरंड कप फुटबॉल मैच शुरू

संवाददाता । जमशेदपुर

जमशेदपुर फुटबॉल क्लब (जेएफसी) ने जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में पहले मैच में ही असम राइफल्स फुटबॉल टीम को 3-0 से हराकर अपनी जीत का खाता खोल लिया है. रविवार को जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में इंडियन ऑयल डूरंड कप 2024-25 सीजन का उद्घाटन मैच खेला गया. यह मैच जमशेदपुर के लिए एक ऐतिहासिक क्षण था, क्योंकि शहर ने पहली बार

प्रतिष्ठित डूरंड कप की मेजबानी की है. मैच के उद्घाटन समारोह के साथ प्रशंसकों की भारी भीड़ के बीच टूर्नामेंट की शुरुआत हुई. जमशेदपुर एफसी के खिलाड़ी काफी ऊर्जा के साथ मैच में उतरे. जेएफसी के खिलाड़ियों ने मैच के पहले मिनट में ही गोल करने का प्रयास किया पर वे चूक गये. उसके ठीक पांच मिनट बाद एक और प्रयास किया.

45.2वें मिनट में जेएफसी ने दागा पहला गोल : शुरुआत से ही जेएफसी ने असम रायफल पर दबाव बनाना शुरू कर दिया था. मैच के 45.2वें मिनट में सनन ने पहला गोल कर जमशेदपुर एफसी को बढ़त दिलाई. इसके साथ ही टीम ने दूसरे हाफ में भी अपना दबदबा कायम रखा. हाफ टाइम में निखिल बारला की जगह अनिकेत जाधव ने आक्रमण कर टीम में नई जान डाल दी. मैच के 49वें मिनट में अनिकेत ने क्रॉस लेने का प्रयास किया पर वह चूक गया. इसके ठीक दो मिनट बाद इमरान द्वारा अनिकेत को दिया गया क्रॉस बार से टकरा गया. 60वें मिनट में अनिकेत के सीधे शॉट को असम राइफल्स के गोलकीपर ने बचा लिया.

किक मारकर बन्ना गुप्ता ने की मैच की शुरुआत

इधर, मैच के पूर्व झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने फुटबॉल को किक मारकर मैच की शुरुआत की. उन्होंने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका मनोबल बढ़ाया. इसके पूर्व दर्शकों को मंत्रमुग्ध करने के लिए भारतीय सेना की ओर से कई सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया था. इसमें मिलिट्री डॉग शो मुख्य आकर्षण का केंद्र रहा. वहीं आकाश गंगा टीम ने भारतीय वायु सेना के पैराट्रूपर्स से स्काई डाइविंग की.

दूसरे हाफ में इमरान व सनन ने गोल से जीत पक्की की

मैच के 68वें मिनट में जेएफसी को बढ़त तब मिली जब इमरान ने सनन को क्रॉस दिया और दूसरा गोल हो गया. जमशेदपुर ने दबाव बनाना जारी रखा और 86वें मिनट में इमरान ने आशुतोष को क्रॉस से डिफ्लेक्शन के बाद गोल करके जीत पक्की कर दी. इसके साथ ही जेएफसी ने होम ग्राउंड पर इंडियन ऑयल डूरंड कप में असम राइफल्स एफसी पर 3-0 की शानदार जीत दर्ज की. इमरान को उनकी सहायता और एक गोल के लिए मैन ऑफ द मैच मिला.

टी20 क्रिकेट — श्रीलंका की टीम ने फाइनल मैच में भारत को आठ विकेट से हराया

भारत को हरा श्रीलंका बना महिला एशिया कप चैंपियन

भाषा। दाम्बुला

हर्षिता समरविक्रमा और कप्तान चमारी अटापट्टू की आक्रामक पारियों और दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 63 गेंद में 87 रन की साझेदारी के दम पर श्रीलंका ने महिला टी20 एशिया कप के फाइनल में रविवार को यहां भारत को आठ विकेट से हराकर पहली बार खिताब अपने नाम किया. भारत को छह विकेट पर 165 रन पर रोकने के बाद श्रीलंका ने 18.4 ओवर में दो विकेट पर 167 रन बनाकर यादगार जीत दर्ज की. भारतीय टीम की इस हार में खराब गेंदबाजी के साथ बेहद लचर क्षेत्ररक्षण का भी हाथ रहा. कप्तान हरमनप्रीत कौर ने समरविक्रमा का आसान कैच

टपकाया जिन्होंने 51 गेंद की नाबाद पारी में छह चौके और दो छक्के की मदद से 69 रन बनाये. चमारी ने 43 गेंद में नौ चौके और दो छक्के की मदद से 61 रन बनाकर भारतीय गेंदबाजों को हावी होने का मौका नहीं दिया. कप्तान के आउट होने के बाद समरविक्रमा ने कविशा दिलहारी के साथ तीसरे विकेट के लिए 40 गेंद में 73 रन की साझेदारी कर टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया. विजयी छक्का लगाने वाली दिलहारी ने 16 गेंद की नाबाद पारी में 30 रन बनाये. दिलहारी ने इससे पहले गेंदबाजी में प्रभावित करते हुए 36 रन देकर दो विकेट चटकाये थे. भारत के लिए सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने 47 गेंद की अपनी पारी 10 चौके की मदद से 60 रन की पारी खेल बड़े स्कोर की नींव रखी.

लक्ष्य का बचाव करते हुए भारत ने दूसरे ओवर विष्मी गुणारत्ने (01) को रन आउट कर पहली सफलता हासिल की. चमारी पर हालांकि इसका कोई असर नहीं पड़ा उन्होंने शुरू से ही आक्रामर रवैया अपनाये रखा. रेणुका और दीप्ति के ओवर में चौके जड़ने के बाद श्रीलंका की कप्तान ने छठे ओवर में तनुजा कंवर के खिलाफ दो छक्के और चौका लगाकर ओवर से 16 रन बटोरे. पावर प्ले के बाद श्रीलंका स्कोर एक विकेट पर 44 रन हो गया. उन्हें दूसरे छोर से समरविक्रमा का अच्छा साथ मिला. जिन्होंने सातवें और आठवें ओवर में दीप्ति शर्मा (30 रन पर एक विकेट) और राधा यादव के खिलाफ चौके लगाये. चमारी ने 10वें ओवर में रेणुका के खिलाफ चौका जड़ 33 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया. उन्होंने 12 ओवर में दीप्ति के खिलाफ दो चौके जड़ भारतीय खेमे की निराशा को बढ़ाया लेकिन भारत की इस अनुभवी हरफनमौला ने श्रीलंकाई कप्तान को बोल्ड कर वापसी करने का मौका दिया.

भारत ने लगातार दूसरे मैच में भी श्रीलंका को हराया

सूर्या-गंभीर की जोड़ी ने जीती पहली सीरीज

- भारत ने दूसरे टी-20 में श्रीलंका को सात विकेट से हराया
- यशस्वी, सूर्या और हार्दिक ने खेलीं विस्फोटक पारियां
- तीन विकेट लेने वाले रवि बिश्नोई बने प्लेयर ऑफ द मैच

एजेंसी। पालेकल

यशस्वी जायसवाल और कप्तान सूर्यकुमार यादव ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए वर्षाबाधित दूसरे टी20 मैच में श्रीलंका को नौ गेंद बाकी रहते सात विकेट से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला में 2 . 0 की अजेय बढत बना ली .मुख्य कोच गौतम गंभीर और नये कप्तान सूर्यकुमार यादव ने अपनी पारियों की बेहतरीन की और भारतीय टीम टी20 विश्व चैम्पियन की तरह ही खेली . गर्दन में जकड़न के कारण शुभमन गिल ने यह मैच नहीं खेला जबकि संजू सैमसन (0) जल्दी आउट हो गए . इसके बाद जायसवाल ने 15 गेंद में 30 और सूर्यकुमार ने 12 गेंद में 26 रन बनाये . भारत ने आठ ओवर में 78 रन का संशोधित लक्ष्य आसानी से हासिल कर लिया . श्रीलंका ने पहले बल्लेबाजी के लिये भेजे जाने पर नौ विकेट पर 161 रन बनाये थे .सैमसन को महीश पथिराना ने कैरम बॉल पर आउट किया . इसके बाद सूर्यकुमार और जायसवाल ने 3 . 1 ओवर में 39 रन जोड़े . हार्दिक पंड्या ने नौ गेंद में नाबाद 22 रन बनाये . इससे पहले भारतीय गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दूसरे टी20 मैच में श्रीलंका को नौ विकेट पर 161 रन पर रोक दिया .

ब्रीफ खबरें

प्रताड़ना का आरोप बेटी-दामाद गिरफ्तार

भागलपुर। जिले के इशाकचक थाना क्षेत्र के बरहपुरा मोहल्ले में रविवार को प्रताड़ना के मामले को लेकर पुलिस ने बेटी और दामाद को हिरासत में ले लिया है. दामाद और बेटी अपने ससुर के साथ वर्षों से रह रहे हैं. इस दौरान बेटी और दामाद ससुर के पैसे पर ही ऐश मौथ किया करते थे. उसके बावजूद ससुर के साथ मारपीट करने का वीडियो जब वायरल हुआ तो मोहल्ले वालों के द्वारा मामले की सूचना स्थानीय थाने को दी गई. पुलिस ने बेटी और दामाद को हिरासत में लिया.

प्राचीन मंदिर से छह अष्टधातु की मूर्ति चोरी

पूर्वी चंपारण। जिले के सुगौली थाना क्षेत्र में बीती रात एक प्राचीन मंदिर से चोरो ने अष्टधातु से निर्मित राम जानकी की मूर्ति चोरी कर ले गए. सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुटी है. घटना सुगौली के भटहां टिकुलिया रामजानकी मठ की है. मठ के महंत ने रविवार को बताया कि वह मंदिर के बाहर सो रहे थे. सुबह में जब मंदिर में पूजा करने के लिए गए तो देखा कि सभी भगवान का मूर्ति गायब है. मंदिर के बाहर के गेट में ताला बंद था, चोर छत पर बाहर से चढ़ सीढ़ी के गेट में लगी ताला तोड़कर अंदर घुसे और चोरी की घटना को अंजाम दिया है.

बाइक घुसी चाय दुकान में, एक की मौत

किशनगंज। जिले के डेरामारी हाट के समीप एक मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर राहगीर को ठोकर मारते हुए चाय की दुकान में घुस गईं, जिससे मौके पर दुकान में बैठे एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि पांच व्यक्ति घायल हो गए. घायलों में बाइक चालक व उस पर बैठे एक व्यक्ति के अलावा चाय दुकानदार व दो अन्य ग्राहक शामिल है. पुलिस व ग्रामीणों के द्वारा घायलों को इलाज के लिए किशनगंज सदर अस्पताल भेजा गया. मृतक डेरामारी पंचायत के ग्वालडांगी निवासी अजय लाल सिंह है. वह घर से डेरामारी हाट आया था.

कचड़ा संग्रह केंद्र को लेकर महादलित परिवार का प्रदर्शन

संवाददाता। भागलपुर

जिले के शाहकुंड थाना क्षेत्र के बोरगांव दरियापुर में मनरेगा विभाग द्वारा कचड़ा संग्रह केंद्र बनाए जाने को लेकर रविवार को महादलित परिवार ने जमकर विरोध करते हुए हंगामा किया. घटना की जानकारी मिलते ही जदयू अनुसूचित जाति के जिला अध्यक्ष महेश दास ने महादलित परिवारों से मुलाकात की.

प्रदर्शन कर रहे लोगों ने बताया कि चारों तरह सभी जाति धर्म के लोग रहते हैं. यहां मनरेगा के द्वारा बिना स्थल जांच किये जमीन चिह्नित कर कचड़ा संग्रह केन्द्र बनाया जा रहा है. कचड़ा संग्रह केंद्र बनने से यहां के लोगों को तरह तरह की बीमारी उत्पन्न हो सकती है. हम लोग भूमिहीन परिवार हैं. हमारी पुश्तें इस जमीन पर रह रहे हैं. हमलोगों को सरकार के द्वारा तीन डीसमील जमीन रहने के लिए दिया गया है लेकिन अंचल के द्वारा अबतक तीन डीसमील जमीन का पर्चा नहीं दिया गया है. इसके लिए जिला पदाधिकारी, अंचल पदाधिकारी को लिखित आवेदन देने पर भी अबतक कोई भी कार्यवाही नहीं होने पर किसी तरह जीवन यापन कर रहे हैं. जदयू अनुसूचित जाति के जिला अध्यक्ष महेश दास ने कहा कि इसके लिए मनरेगा पदाधिकारी एंव अंचल पदाधिकारी से बातचीत कर सारी समस्या का निदान जल्द किया जाएगा.

बिना काम कराए पंचायत निधि से 12.50 लाख का हुआ भुगतान

संवाददाता। नवादा

जिले के एक पंचायत में बिना काम किए 12.50 लाख रुपये का भुगतान हो गया. कैग की रिपोर्ट ने इस घोटाले का खुलासा हुआ है. मामला नवादा जिले के अकबरपुर प्रखंड के बुधुआ पंचायत का है. यहां बिना काम किए 12.50 लाख रुपये का पेमेंट किया गया. रविवार को जानकारी मिलते ही नवादा जिले का अधिकारियों में हड़प्पा मच गया. कैग की रिपोर्ट के मुताबिक, पंचायत में वित्तीय वर्ष 2016-17 से 2021-22 के दौरान नाला निर्माण और सड़क निर्माण के नाम पर 15.93 लाख रुपये का काम होना था.

बिना काम हुए जूनियर इंजीनियर ने बना दी रिपोर्ट : बिहार विधानसभा में बीते दिन पेश की गई रिपोर्ट में कहा गया है कि जूनियर इंजीनियर ने काम हुए बिना ही 13.05 लाख रुपये के काम की नापी रिपोर्ट बना दी. इसी के आधार पर मई से जुलाई 2020 के बीच अभिकर्ता को 12.50 लाख रुपये का भुगतान कर दिया गया. कैग ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि पंचायत के मुखिया और तत्कालीन सचिव ने बिना काम की जांच किए ही भुगतान कर दिया.

अपसड़ व भवानी बिगहा गांव के बगीचे में पुलिस ने की छापेमारी

लोन दिलाने के नाम पर ठगी करते 11 अपराधी गिरफ्तार

संवाददाता। नवादा

बैंक से कर्ज दिलाने के नाम पर ठगी करनेवाले 11 साइबर अपराधी को साइबर पुलिस ने रविवार को धर दबोचा. गिरफ्तार साइबर अपराधियों से साइबर पुलिस पूछताछ कर रही है. गिरफ्तार अपराधियों के पास से लैपटॉप, दर्जनों मोबाइल, कई पन्नों का कस्टमर डाटा बरामद किया गया है. बताया जाता है कि वारिसलीगंज थाना क्षेत्र के अपसड़ व भवानी बिगहा गांव के बगीचे से करीब 20-25 की संख्या में बैठे साइबर अपराधी धनी फाइनेंस प्राइवेट कंपनी सहित विभिन्न फाइनेंस कंपनियों से सस्ते दर पर लोन दिलाने की नाम पर ठगी कर रहे थे. इसी सूचना पर एसपी के निर्देश पर साइबर पुलिस उपाधीक्षक प्रिया ज्योति के नेतृत्व में एसआइटी गठित कर साइबर अपराधियों के विरुद्ध कार्रवाई की गयी. एसआइटी की सूचना पर बगीचे की घेराबंदी कर साइबर अपराधियों को पकड़ने का प्रयास किया गया, लेकिन, पुलिस को देख भागने लगे. इनमें से पुलिस ने खदेड़कर लगभग 11 साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है. कुछ मौके पाकर साइबर अपराधी फरार हो गये .

गिरफ्तार अपराधियों के पास कई लेपटॉप, दर्जनों एंड्रॉयड मोबाइल व कई पन्नों की कस्टमर डाटा बरामद की गयी है. ऐसे साइबर पुलिस उपाधीक्षक प्रिया ज्योति फिलहाल कुछ बताने से परहेज कर रही है. साइबर अपराधियों की गिरफ्तारी की पुष्टि की है. गौरतलब है कि वारिसलीगंज, काशीचक, शाहपुर व पकरीबरावां तथा नालंदा जिले के कतरीसराय थाना क्षेत्र के गांव इलाके में साइबर अपराधियों की दुकान गांव के बाहर बगीचे में सजती है.

तनिष्क शोरूम लूट का बंगाल के मालदा से कनेक्शन, लुटेरों के जूते-चप्पल मिले

पूर्णिया। तनिष्क के शोरूम में हुई बड़ी लूट की घटना का खुलासा करते हुए एसपी उपेंद्र नाथ वर्मा ने कहा है कि हम लोग जल्द ही लुटेरों के पास पहुंच जाएंगे . जांच के लिए स्पेशल टास्क फोर्स अलग-अलग टीमों में काम कर रही है . अब तक मिले सूत्रों के अनुसार लुटेरे पुलिस को चकमा देने के लिए ऐसे रास्ते का प्रयोग भागने के लिए किया, जिसमें सीसीटीवी की कमी हो . उन्होंने बताया कि पुलिस ने पूर्णिया के बेलौरी में एक सुनसान स्थान सपनी के पास एक चप्पल एक जूता और डब्बा तथा जले हुए कपड़े बरामद किया है . उनके अनुसार लूटेरों ने यहां पर अपने पुराने कपड़े को जला दिया है . यह लोग लूट की घटना को अंजाम देने के बाद वहां से पंचमुखी मंदिर फिर रामबाग होते हुए कप्तान पुल उसके बाद बेलौरी होते हुए भागे हैं . सूचना अनुसार इन लोगों ने पहले कई दिनों से रेकी की है उसके बाद इस लूट की घटना को अंजाम दिया है . इन लोगों ने भागने का सेफ रास्ता सोनौली होते हुए मनिहारी के हसनगंज फिर बंगाल के मालदा को चुना . पुलिस के अनुसार विशेष जानकारी जुटाना के बाद दो लोगों को डिटेन किया गया है . इन लोगों पर लाइनर की भूमिका निभाने की शंका है . 26 जुलाई को हुए इस बड़ी लूट की घटना के बाद 27 जुलाई रात्रि तक हुए लूट के सामानों के मिलान के बाद तनिष्क शोरूम की ओर से बताया गया है कि लगभग 3 करोड़ 70 लाख का सामान लुटा गया है .

कारगिल शहीद के परिजन सम्मानित

संवाददाता। पूर्वी चंपारण

एनसीसी के ग्रुप मुख्यालय मुजफ्फरपुर से पहुंचे अधिकारियो ने रविवार को मोतिहारी शहर के राजाबाजार स्थित 25 बिहार बटालियन एनसीसी कार्यालय में आयोजित कारगिल विजय दिवस के अवसर पर कारगिल युद्ध में शहीद हुए जवानो के परिजनो को सम्मानित किया गया. मौके पर एसएसबी 71वीं बटालियन के कमांडेंट प्रफुल्ल कुमार सिंह बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे.समारोह में पूर्वी एवं पश्चिमी चंपारण जिले के कारगिल युद्ध मे शहीद 14 जवानो के परिवारजनों को सम्मानित किया गया. समारोह में 25 बिहार बटालियन एन.सी.सी.के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल प्रदीप कुमार सिंह(सेना मेडल)ने उन वीर शहीदो के पत्नी और उनके परिवारजनों का स्वागत किया जिनके पतियों और पुत्रों ने कारगिल के कठिन युद्ध में अपने अपने प्राणों की आहुतियां देकर देश की सीमाओं की रक्षा की थी.उन शहीद सैनिकों की बहादुरी के कारनामे भी बताए गए और यह कहा गया कि राष्ट्र सदैव उन बलिदानियों की कुर्बानी को याद रखेगा.राष्ट्र उनके प्रति अपनी कृतज्ञता प्रकट करता रहेगा.

इस अवसर पर सैनिकों की बलिदान गाथा को सुनकर उन परिवारों के सीने गर्व से चौड़े हो गए और आंसुओं की बरसात भी होती रही. इसके पश्चात कमान्डेंट एस. एस.बी.,प्रफुल्ल कुमार सिंह एवं कमांडिंग ऑफिसर एन.सी.सी.प्रदीप कुमार सिंह द्वारा सभी वीर नारियों की कृतज्ञ राष्ट्र एवं नागरिकों की ओर से स्मृति स्वरूप भेंट और उपहार प्रदान किया गया.इस अवसर पर बटालियन द्वारा हाई टी का भी आयोजन शहीदो के परिजनो के सम्मान में किया गया.

350 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

किशनगंज। जिले के महानंदा पुल के पास गुप्त सूचना के आधार पर ठाकुरगंज पुलिस और एसएसबी 19वीं वाहिनी ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए 350 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ दो तस्कर को गिरफ्तार किया है. एसडीपीओ टू मंगलेश कुमार सिंह ने आज बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि पुल के पास ब्राउन के कारोबारी मौजूद है. इसके बाद तत्काल एक टीम को गठित किया गया और एसएसबी 19वीं वाहिनी के साथ मिलकर आरोपियों को पकड़ लिया गया. गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अब्दुल कलाम और हबीबुर रहमान के रूप में की गई है.

व्यवसायी की गोली मार कर हत्या

बाइक सवार अपराधियों ने दिनदहाड़े घटना को दिया अंजाम

संवाददाता। पूर्वी चंपारण

जिले के पिपरा थाना क्षेत्र में बाइक सवार अपराधियों ने दिनदहाड़े एक व्यवसायी की गोली मार कर हत्या कर दी.बताया जा रहा है,कि व्यवसायी अपने भतीजा के साथ स्कूटी पर सवार होकर बाजार जा रहे थे. घटना में उसका भतीजा बाल बाल बचा है. सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुटी है.

घटना पिपरा थाना क्षेत्र के बेदीबन मधुबन गांव में घटित हुआ है.मृतक रामायण साह नेपाल की राजधानी काठमांडू में हार्डवेयर का बड़ा व्यवसायी था. पिता की मौत हो जाने के बाद वह घर आया था, कल पिता का अंतिम संस्कार करने के बाद रविवार को स्कूटी से अपने भतीजा के साथ बाजार जा रहा था, इसी बीच बाइक सवार अपराधियो ने उसे दो गोली मारी, जिससे उसकी घटना स्थल पर ही मौत हो गई है.वहीं, पीछे बैठे भतीजे ने किसी तरह से भागकर अपनी जान बचाई. घटना के पीछे की वजह अब तक सामने नहीं आयी है. घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंचे पिपरा थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने मामले की जांच शुरू कर दी है. साथ ही घटना के पीछे की वजह पता करने में जुटे हैं.

कारोबार

महिंद्रा होलिडेज : बुकिंग 85 % रहने की उम्मीद

नयी दिल्ली। महिंद्रा होलिडेज एंड रिजॉर्ट्स इंडिया लिमिटेड (एमएचआरआईएल) को चालू वित्त वर्ष में अपने सदस्यों की ओर से कमरों की बुकिंग 85 प्रतिशत के स्तर पर रहने की उम्मीद है. कंपनी के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) मनोज भट्ट ने कहा है कि कम अवधि की छुट्टियों की बढ़ती प्रवृत्ति के बीच हम सतत बुकिंग की उम्मीद कर रहे हैं. कंपनी ने पहली तिमाही में अपने रिजॉर्ट्स में करीब 90 प्रतिशत की बुकिंग दर्ज की है, लेकिन दूसरी तिमाही कुछ नरम रह सकती है.

बीते सप्ताह मूंगफली में सुधार देखा गया

नयी दिल्ली। आम बजट से पहले देश में सूरजमुखी तेल सहित बाकी खाद्य तेलों का जरूरत से कहीं अधिक आयात होने की वजह से बीते सप्ताह देश के तेल-तिलहन बाजारों में अधिकांश तेल-तिलहनों के दाम में गिरावट रही. आपूर्ति की कमी के बीच उच्च आयवर्ग के उपभोक्ताओं की मांग निकलने की वजह से मूंगफली के दाम मजबूती दर्शाते बंद हुए. केंद्रीय बजट में खाद्य तेलों पर आयात शुल्क बढ़ाये जाने की उम्मीद में आयातकों ने सभी खाद्य तेलों का जरूरत से अधिक आयात किया .

ओला इलेक्ट्रिक का आईपीओ दो को

नयी दिल्ली। इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन कंपनी ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) दो अगस्त को खुलेगा. कंपनी ने कहा है कि वह आईपीओ से प्राप्त राशि के एक बड़े हिस्से का इस्तेमाल अपने सेल विनिर्माण संयंत्र की क्षमता विस्तार और शोध एवं विकास (आरएंडी) गतिविधियां बढ़ाने पर करेगी. आईपीओ दस्तावेजों के अनुसार, कंपनी की शुरुआती शेयर बिक्री छह अगस्त को बंद होगी. एंकर (बड़े) निवेशक एक अगस्त को शेयरों के लिए बोली लगा सकेंगी. कंपनी आईपीओ के तहत 5,500 करोड़ रुपये तक के नए शेयर जारी करेगी.

अडानी समूह की पेट्रो रसायन परियोजना 2026 तक चालू होगी

भाषा। नयी दिल्ली

अडानी समूह दिसंबर, 2026 तक चार अरब अमेरिकी डॉलर की पॉलिविनाइल क्लोराइड (पीवीसी) परियोजना के पहले चरण को चालू करने के साथ पेट्रोरसायन क्षेत्र में उतरेगा. सूत्रों ने यह जानकारी दी. सूत्रों ने कहा कि यह क्षेत्र ऐसा है जिसमें घरेलू मांग और आपूर्ति में काफी अंतर है. पॉलिविनाइल क्लोराइड (पीवीसी)- दुनियाभर में बनाया जाने वाला तीसरा सबसे सामान्य सिंथेटिक प्लास्टिक पॉलिमर है. इसका उपयोग रेनकोट, शॉवर कर्टेन, खिड़की के फ्रेम, इनडोर प्लंबिंग के लिए पाइप, चिकित्सा उपकरण, तार और केबल इन्सुलेशन, बोतल, क्रेडिट कार्ड और फ्लोरिंग जैसे उत्पाद बनाने के लिए किया जाता है. भारत की सालाना पीवीसी मांग लगभग 40 लाख टन है लेकिन घरेलू उत्पादन क्षमता केवल 15 लाख टन है. इस वजह से मांग और आपूर्ति में काफी अंतर रहता है. खपत बढ़ने के साथ यह अंतर और बढ़ेगा. अदाणी समूह इस क्षेत्र में उतरकर लाभ उठाना चाहता है.

समूह की प्रमुख कंपनी अदाणी एंटरप्राइजेज गुजरात के मुंदड़ा में एक पेट्रोरसायन 'क्लस्टर' स्थापित कर रही है. मामले की जानकारी रखने वाले दो सूत्रों ने बताया कि कंपनी का इरादा इस क्लस्टर के अंदर 20 लाख टन सालाना क्षमता वाला पीवीसी संयंत्र लगाने का है. इस संयंत्र को कई चरणों में स्थापित किया जाएगा. इसका शुरुआती चरण दिसंबर, 2026 तक चालू होने की उम्मीद है. इस दौरान संयंत्र की उत्पादन क्षमता सालाना 10 लाख टन की होगी. समूह ने पिछले साल मार्च में इस परियोजना को रोक दिया था. समूह ने कहा था कि वित्तीय संसाधन जुटने तक उसने प्रमुख उपकरण खरीद और साइट निर्माण गतिविधियों को बंद करने का फैसला किया है. इसके बाद अमेरिकी शॉर्ट सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च ने एक रिपोर्ट में अदाणी समूह की कंपनियों पर वित्तीय और लेखांकन धोखाधड़ी का आरोप लगाया था.

हालांकि, अदाणी समूह ने सभी आरोपों को खारिज कर दिया था लेकिन यह रिपोर्ट आने के बाद समूह की कंपनियों के शेयरों में भारी गिरावट आई थी. इसके बाद समूह ने वापसी के लिए रणनीति बनाई. इसके तहत उसने इक्विटी के रूप में पांच अरब डॉलर और कर्ज के रूप में इससे दोगुनी राशि जुटाई. साथ ही उसने अपने कुछ कर्ज का भुगतान किया. बाजार का भरोसा फिर कायम होने के बाद अदाणी समूह ने पेट्रोरसायन संयंत्र पर काम फिर शुरू किया. सूत्रों ने बताया कि भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की अगुवाई में ऋणदाताओं का गठजोड़ इस परियोजना का वित्तपोषण कर रहा है.

विदेश जाने के लिए कर चुकता प्रमाण पत्र मामले को लेकर सरकार का स्पष्टीकरण

बड़ी चूक के मामलों के लिए ही है प्रस्ताव

भाषा। नयी दिल्ली

विदेश जाने के लिए कर चुकता प्रमाणपत्र को अनिवार्य करने के बजट प्रस्ताव पर सोशल मीडिया में आक्रोश के बाद सरकार ने रविवार को स्पष्ट किया कि प्रस्तावित संशोधन सभी के लिए नहीं है. सरकार ने कहा कि ये प्रस्ताव केवल वित्तीय अनियमितताओं के आरोपियों या बड़े बकायदारों के लिए है और उन्हें ही इस तरह की मंजूरी लेनी होगी.

वित्त मंत्रालय ने वित्त विधेयक, 2024 में काला धन अधिनियम, 2015 का संदर्भ उन अधिनियमों की सूची में जोड़ने का प्रस्ताव किया है, जिसके तहत किसी भी व्यक्ति को कर चुकता प्रमाणपत्र हासिल करने के लिए अपनी देनदारियों को चुकाना होगा. मंत्रालय ने बयान में कहा, प्रस्तावित संशोधन में सभी निवासियों को कर चुकता प्रमाणपत्र लेने की जरूरत नहीं है.

आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 230 के अनुसार, प्रत्येक व्यक्ति को कर चुकता प्रमाणपत्र हासिल करने की जरूरत नहीं है. केवल कुछ व्यक्तियों के मामले में ही ऐसा करना जरूरी है. मंत्रालय ने कहा कि आयकर विभाग ने 2004 की अधिसूचना के जरिये स्पष्ट किया है कि कर चुकता प्रमाणपत्र केवल कुछ परिस्थितियों में भारत में रहने वाले व्यक्तियों को लेना होगा. ऐसे मामलों में, जहां व्यक्ति गंभीर वित्तीय अनियमितताओं में शामिल है.

इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश 94,151 करोड़ पर

नयी दिल्ली। इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश जून, 2024 में समाप्त तिमाही में पांच गुना होकर 94,151 करोड़ पर पहुंच गया है. एक साल पहले समान तिमाही में यह आंकड़ा 18,358 करोड़ रुपये था. मजबूत आर्थिक माहौल, सरकार की अनुकूल राजकोषीय नीतियां, निवेशकों का भरोसा और शेयर बाजारों में तेजी के बीच इक्विटी म्यूचुअल फंड को लेकर आकर्षण बढ़ा है. एम्फी के आंकड़ों के अनुसार, जून में उद्योग के प्रबंधन के तहत परिसंपत्तियां 59 प्रतिशत बढ़कर 27.68 लाख करोड़ रुपये हो गईं.

नियम सख्त बनाने पर काम कर रहा है डीपीआईआईटी

तंबाकू क्षेत्र में एफडीआई नियम और सख्त होंगे

भाषा। नयी दिल्ली

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय तंबाकू क्षेत्र में प्रचार-प्रसार की गतिविधियों पर रोक और तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) नियमों को और सख्त करने के प्रस्ताव पर काम कर रहा है. एक अधिकारी ने यह जानकारी देते हुए कहा कि कंपनियां इस बारे में नियमों को 'दरकिनार' करने की कोशिश कर रही हैं, जिसके मद्देनजर सरकार एफडीआई नियमों को सख्त करना चाहती है. फिलहाल तंबाकू के सिगार, चुरूट, सिगारिलो और सिगरेट के विनिर्माण में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) पर रोक है. हालांकि, तंबाकू क्षेत्र में किसी तरह के प्रौद्योगिकी सहयोग में एफडीआई की अनुमति है. इसमें फ्रेंचाइजी के लिए लाइसेंस, ट्रेडमार्क, ब्रांड नाम और प्रबंधन अनुबंध शामिल हैं. अधिकारी ने कहा, तंबाकू में एफडीआई प्रतिबंधित है, और क्षेत्र की प्रचार-प्रसार गतिविधियों को भी नियंत्रित करने की आवश्यकता है. ऐसे उत्पादों का प्रचार करके कुछ कंपनियां एक ऐसी तंत्र बनाने की कोशिश करती हैं जहां तस्करी बढ़ती है. उद्योग संवर्द्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) ने इस मुद्दे पर विभिन्न मंत्रालयों के विचार जानने के लिए एक मसौदा नोट जारी किया है. अधिकारी ने कहा कि प्रचार गतिविधियों में प्रॉक्सी विज्ञापन, विभिन्न तरीकों से ब्रांड प्रचार और ब्रांड के बारे में जागरूकता पैदा करना शामिल है.

अधिकारी ने कहा, हम कह रहे हैं कि तंबाकू क्षेत्र में एफडीआई प्रतिबंधित है और इसकी प्रचार गतिविधियों पर भी रोक लगाई जानी चाहिए.

विश्लेषकों की राय — 31 को अमेरिकी फेडरल रिजर्व ब्याज दरों की घोषणा करेगा

तिमाही नतीजों से तय होगी शेयर बाजार की दिशा

भाषा। नयी दिल्ली

अमेरिकी केंद्रीय बैंक के ब्याज दर पर निर्णय, कंपनियों के तिमाही नतीजे, वृहद आर्थिक आंकड़े और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की कारोबारी गतिविधियां इस सप्ताह शेयर बाजारों की दिशा तय करेंगी. विश्लेषकों ने यह राय जताई है.

उनका कहना है कि निवेशक आगे के संकेतकों के लिए वैश्विक बाजार के रुझान और कच्चे तेल की कीमतों के उतार-चढ़ाव पर भी नज़र रखेंगे. स्वस्तिका इन्वेस्टमार्ट लिमिटेड के शोध प्रमुख संतोष मीणा ने कहा, इस सप्ताह सभी का ध्यान वैश्विक संकेतकों... विशेषरूप से अमेरिकी बाजारों पर रहेगा. अमेरिकी फेडरल रिजर्व 31 जुलाई को ब्याज दर पर अपने निर्णय की घोषणा करेगा, जो बाजार की दृष्टि से महत्वपूर्ण होगा. बाजार इस साल ब्याज दर में संभावित कटौती की उम्मीद कर रहा है. इसके अलावा अमेरिका और चीन के अन्य व्यापक आर्थिक आंकड़ों पर भी सभी की नजर रहेगी. घरेलू मोर्चे पर कंपनियों के पहली तिमाही के नतीजे महत्वपूर्ण रहेंगे. सप्ताह के दौरान कई बड़ी कंपनियां जून तिमाही के नतीजों की घोषणा करेंगी.

इस सप्ताह गेल, अदाणी पावर, बैंक ऑफ बड़ौदा, बीएचईएल, कोल इंडिया, महिंद्रा एंड महिंद्रा, मारुति, टाटा स्टील, अदाणी एंटरप्राइजेज और टाटा मोटर्स तिमाही नतीजों की घोषणा करेंगी. मास्टर कैपिटल सर्विसेज के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अरविंदर सिंह नंदा ने कहा, बाजार का परिदृश्य प्रमुख घरेलू और वैश्विक आर्थिक आंकड़ों पर निर्भर करेगा. सप्ताह के दौरान भारत के बुनियादी ढांचा उत्पादन, विनिर्माण पीएमआई के आंकड़े आएंगे. इनके अलावा चीन के विनिर्माण पीएमआई आंकड़े, बीओई (बैंक ऑफ इंग्लैंड) का ब्याज दर पर निर्णय, अमेरिकी गैर-कृषि रोजगार के आंकड़े और फेडरल रिजर्व की प्रेस कॉन्फ्रेंस बाजार के लिए महत्वपूर्ण रहेगी. जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, आगे चलकर घरेलू बाजार की दिशा कंपनियों के तिमाही नतीजों से प्रभावित होगी. इसके अलावा अमेरिकी फेडरल रिजर्व और बैंक ऑफ इंग्लैंड की नीतिगत बैठक, अमेरिका के रोजगार के आंकड़े और यूरो क्षेत्र के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़े बाजार को दिशा देंगे. पिछला सप्ताह बाजार में काफी उतार-चढ़ाव रहा.

एफपीआई ने जुलाई में अबतक शेयरों में 33,600 रु करोड़ डाले

भाषा। नयी दिल्ली

नीतिगत सुधार जारी रहने की उम्मीद, सतत आर्थिक वृद्धि और कंपनियों के उम्मीद से बेहतर तिमाही नतीजों के बीच विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने इस महीने अबतक भारतीय शेयर बाजार में 33,600 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया है. हालांकि, सरकार द्वारा बजट में वायदा और विकल्प व्यापार (एफएंडओ) और इक्विटी निवेश से पूंजीगत लाभ पर कर में बढ़ोतरी के बाद एफपीआई ने पिछले तीन कारोबारी सत्रों (24-26 जुलाई) में शेयरों से 7,200 करोड़ रुपये से अधिक की निकासी की है. बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि भारतीय शेयर बाजार इस साल विदेशी निवेश आकर्षित करने के लिए अच्छी स्थिति में है. हालांकि, कुछ घटनाक्रमों की वजह से मासिक आधार पर इनमें कुछ उतार-चढ़ाव रह सकता है. बजाज फिनसर्व एएमसी के सीआईओ निमेश चंदन ने कहा, भारतीय शेयर बाजार और ऋण या बॉन्ड बाजार इस वर्ष अनुकूल स्थिति में हैं. इससे देश में विदेशी प्रवाह आकर्षित होना चाहिए. हालांकि, माह-दर-माह आधार पर इसमें कुछ उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है.

डिपॉजिटरी के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने इस महीने (26 जुलाई तक) शेयरों में शुद्ध रूप से 33,688 करोड़ रुपये का निवेश किया है. इससे पहले जून में शेयरों में 26,565 करोड़ रुपये का निवेश आया था. एफपीआई ने चुनावी नतीजों को लेकर असमंजस के बीच मई में शेयरों से 25,586 करोड़ रुपये निकाले थे. मॉरीशस के साथ भारत की कर संधि में बदलाव और अमेरिकी में बॉन्ड प्रतिफल में बढ़ोतरी की चिंताओं के कारण अप्रैल में एफपीआई ने शेयरों से 8,700 करोड़ रुपये से अधिक की निकासी की थी. मॉर्निंगस्टार इन्वेस्टमेंट रिसर्च इंडिया के एसोसिएट निदेशक प्रबंधक शोध हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा, आर्थिक रूप से भारत मजबूत स्थिति में है. इसके अलावा कंपनियों के तिमाही नतीजे उम्मीद से बेहतर रहे हैं.

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने टोक्यो के एडोगावा स्थित फ्रीडम प्लाजा में महात्मा गांधी की आवक्ष प्रतिमा का अनावरण किया, कहा

गांधी का अहिंसा का शाश्वत संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक जितना 80 साल पहले था

एजेंसी। टोक्यो

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने रविवार को कहा कि महात्मा गांधी का यह शाश्वत संदेश संघर्ष, ध्रुवीकरण और रक्तपात देख रही दुनिया पर आज भी लागू होता है कि समाधान युद्ध के मैदान से नहीं निकलते और कोई भी युग युद्ध का युग नहीं होना चाहिए. जयशंकर ने यह टिप्पणी टोक्यो के एडोगावा स्थित फ्रीडम प्लाजा में महात्मा गांधी की आवक्ष प्रतिमा का अनावरण करते समय की. जयशंकर 'क्वाड' (चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद) देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक के लिए लाओस से दो दिवसीय यात्रा पर रविवार को जापान पहुंचे. जयशंकर ने कार्यक्रम के दौरान गांधी के

शाश्वत संदेशों पर बात की. उन्होंने कहा, 'मैं आज यह कहना चाहता हूं कि जब हम दुनिया में इतना संघर्ष, इतना तनाव, इतना ध्रुवीकरण, इतना खून-खराबा देख रहे हैं, तो गांधी जी का यह संदेश बहुत महत्वपूर्ण है कि समाधान युद्ध के मैदान से नहीं निकलते और कोई भी युग, युद्ध का युग नहीं होना चाहिए. यह संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है, जितना 80 साल पहले था.' जयशंकर ने कहा, 'उनका (गांधी का) दूसरा संदेश स्थिरता, जलवायु अनुकूलन, हरित विकास, हरित नीतियों के संदर्भ में है. गांधी जी सतत विकास के मूल पैगंबर थे.' उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित कर जीने के सबसे बड़े समर्थक थे. विदेश मंत्री ने कहा, 'इसलिए गांधी जी का संदेश केवल सरकारों के लिए नहीं है, बल्कि इसे हर किसी को अपने निजी जीवन में अपनाना चाहिए. यह एक ऐसी चीज है, जिसे हम (अगली पीढ़ियों को) आगे पहुंचाते हैं. गांधी जी निश्चित रूप से समावेशिता के समर्थक थे और इसी चीज को हम आज भारत और दुनिया भर में देख रहे हैं.'

गांधी के बिना भारत को स्वतंत्रता के लिए और लंबा संघर्ष करना पड़ता

विदेश मंत्री ने कहा कि गांधी के बिना भारत को स्वतंत्रता के लिए शायद और लंबा संघर्ष करना पड़ता या वह किसी अलग दिशा में चला जाता. जयशंकर ने कहा कि भारत की स्वतंत्रता ने वास्तव में पूरी दुनिया को उपनिवेश मुक्त कर दिया, यह एक 'बहुत महत्वपूर्ण घटना' का प्रारंभिक बिंदु था. उन्होंने कहा, 'जब भारत आजाद हुआ, एशिया के अन्य हिस्से आजाद हुए, अफ्रीका आजाद हुआ, लातिन अमेरिका आजाद हुआ... आज जब हम कहते हैं कि भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, दुनिया बदल रही है, यह बहुध्रुवीयता की ओर बढ़ रही है, जी-7 जी-20 बन गया है, तो एक तरह से यह सब गांधी जी द्वारा अतीत में किए गए कार्यों का परिणाम है.'

जयशंकर व ब्लिंकन ने टोक्यो में क्षेत्रीय, वैश्विक मुद्दों पर चर्चा की

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने रविवार को अपने अमेरिकी समकक्ष एंटनी ब्लिंकन से मुलाकात की और द्विपक्षीय संबंधों तथा क्षेत्रीय एवं वैश्विक मुद्दों पर व्यापक चर्चा की. दोनों नेताओं ने टोक्यो में क्वाड (चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद) देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक के इतर मुलाकात की. जयशंकर ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, 'टोक्यो में आज विदेश मंत्री ब्लिंकन से मुलाकात कर बहुत अच्छा लगा. हमारा द्विपक्षीय एजेंडा लगातार आगे बढ़ रहा है. क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर व्यापक चर्चा हुई. 'क्वाड' विदेश मंत्रियों की कल होने वाली बैठक में शामिल होने के लिए उत्सुक हूं.' भारत, जापान, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया ने नवंबर 2017 में 'क्वाड' की स्थापना की थी.

चीन ने ताइवान में सम्मेलन में हिस्सा न लेने का दबाव बनाया

बीजिंग। चीन के राजनयिक कम से कम छह देशों के नेताओं पर ताइवान में प्रस्तावित चीन केंद्रित सम्मेलन में हिस्सा न लेने का दबाव बना रहे हैं. बैठक में भाग लेने की योजना बना रहे नेताओं ने यह जानकारी दी. बोलिविया, कोलंबिया, स्लोवाकिया, उत्तर मैसेडोनिया, बोस्निया एवं हर्जेगोविना और एक अन्य एशियाई देश (जिसने नाम उजागर करने से इनकार कर दिया) के नेताओं ने कहा कि उनके पास (ताइवान में होने वाली) बैठकों के संबंध में संदेश और फोन कॉल आ रहे हैं, जिसमें उनसे पूछा जा रहा है कि क्या वे ताइवान की यात्रा करने की योजना बना रहे हैं.

ब्रीफ खबरें

चीन में भूस्खलन से 11 लोगों की हुई मौत

बीजिंग। चीन के दक्षिण-पूर्वी हिस्से में भारी बारिश के कारण भूस्खलन होने से एक मकान ढह गया, जिससे 11 लोगों की मौत हो गई. चीनी मीडिया की खबर से यह जानकारी मिली. चीन की डिजिटल न्यूज वेबसाइट ''द पेपर'' में प्रकाशित खबर में बताया गया है कि एक अन्य घटना में, चीन के शंघाई में तूफान के कारण एक पेड़ के गिर जाने से एक कंपनी के प्रतिनिधि की मौत हो गई. अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि चीन में ये मौतें संभवतः उष्णकटिबंधीय चक्रवात 'गेमी' के कारण हुई.

ममता का 'अपमान' अच्छा नहीं : राउत

मुंबई। शिवसेना (उद्धव) नेता संजय राउत ने रविवार को कहा कि नयी दिल्ली में एक दिन पहली हुई नीति आयोग की बैठक में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का 'अपमान' लोकतंत्र के लिए अच्छा नहीं है. राउत ने पत्रकारों से कहा कि राज्यों के कई मुद्दे हैं, जिनसे निपटने की जरूरत है और किसी मुख्यमंत्री का माइक्रोफोन बंद करना लोकतांत्रिक मर्यादाओं के अनुरूप नहीं है. केंद्र द्वारा दिया जाने वाला धन भारत के लोगों का है. इसे विभिन्न करों के रूप में इकट्ठा किया जाता है. महाराष्ट्र को क्या मिला...

मादक पदार्थ तस्कर गिरोह का भंडाफोड़

चंडीगढ़। पंजाब पुलिस ने एक अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ तस्कर गिरोह का भंडाफोड़ किया है और दो लोगों को गिरफ्तार करने के साथ ही एक करोड़ रुपये से अधिक की नकदी बरामद की है. पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने रविवार को बताया कि आरोपी विदेश में रह रहे दो मादक पदार्थ तस्करों के लिए काम कर रहे थे. यादव ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'पंजाब पुलिस ने खुफिया जानकारी के आधार पर कार्रवाई करते हुए अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ तस्कर गिरोह का भंडाफोड़ किया है.

कार्यक्रम में भगदड़ से सात लोगों की हुई मौत

किन्शासा। कांगो की राजधानी किन्शासा में शनिवार रात एक संगीत कार्यक्रम के दौरान भगदड़ मच गई, जिससे सात लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए. किन्शासा के गवर्नर डैनियल बुम्बा ने बताया कि मशहूर गायक माइक कलमबाई राजधानी के मध्य में स्थित स्टेड डेस मार्टियर्स स्टेडियम में आयोजित संगीत कार्यक्रम में प्रस्तुति दे रहे थे, तभी वहां भगदड़ मच गई. अधिकारियों ने यह नहीं बताया कि स्टेडियम में भगदड़ कैसे मची. उन्होंने कहा कि घटना की जांच जारी है.

नेताजी के पड़पौत्र की प्रधानमंत्री से अपील

कोलकाता। महान स्वतंत्रता सेनानी सुभाष चंद्र बोस के पड़पौत्र चंद्र कुमार बोस ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से 18 अगस्त तक जापान के रेंकोजी से 'नेताजी के अवशेष' वापस लाने की अपील की. उन्होंने यह भी कहा कि इस मामले पर केंद्र सरकार की ओर से एक अंतिम बयान आना चाहिए, ताकि नेताजी के बारे में 'झूठी कहानियों' पर विराम लग सके. बोस ने कहा कि राजग सरकार द्वारा रिपोर्ट जारी करने के बाद यह स्पष्ट है कि 'नेताजी की मौत 18 अगस्त 1945' को ताइवान में एक विमान दुर्घटना में हुई थी.

आईएस कोचिंग सेंटर में तीन अभ्यर्थियों की मौत के बाद गम व गुस्सा

जिम्मेदार कौन? दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग

शुभम संदेश न्यूज नेटवर्क। नयी दिल्ली

दिल्ली के ओल्ड राजेंद्र नगर में राव आईएएस कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में पानी भरने से तीन छात्रों की मौत के बाद छात्रों में गुस्सा है. छात्रों ने इलाके में विरोध प्रदर्शन किया और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की. एक यूपीएससी अभ्यर्थी ने कहा, "हमारी मांग है कि इस लापरवाही के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाए. यहां बेसमेंट में खुली ये सभी चीजें अवैध रूप से संचालित की जा रही हैं और सुरक्षा के भी कोई उपाय नहीं हैं इसलिए इन सभी चीजों को रोका जाना चाहिए और कार्रवाई की जानी चाहिए." प्रदर्शन की खबर मिलने के बाद प्रदर्शनकारी छात्रों से एडिशनल डीसीपी सचिन शर्मा मिलने पहुंचे. उन्होंने ने कहा, "तीन लोगों की मौत हुई है. हम कुछ भी क्यों छिपाएंगे? हम आपको आश्वासन देते हैं कि कानूनी तौर पर जो भी संभव होगा हम करेंगे. जांच जारी है." वहीं सेंट्रल दिल्ली के डीसीपी एम हर्षवर्द्धन ने बताया कि इस मामले में कोचिंग इंस्टीट्यूट और इमारत के मैनेजमेंट के ख़िलाफ़ एफ़आईआर दर्ज की गई है. जांच जारी है और किसी भी दोषी को बख़्शा नहीं जाएगा. इस बीच, राव आईएएस स्टडी सर्कल ने बयान जारी कर कहा है कि देश की सेवा करने की तैयारी कर रहे होनहार युवाओं को खोने से हम बहुत दुखी हैं. घटना की जांच में सहयोग करने को प्रतिबद्ध हैं.

प्रदर्शन कर रहे छात्रों से मिलने पहुंचीं मालीवाल

प्रदर्शन कर रहे छात्रों से मिलने राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल भी घटनास्थल पहुंचीं थीं. आम आदमी पार्टी की सांसद स्वाति मालीवाल ने कहा, "बच्चे बहुत दुःखी हैं और बहुत गुस्से में हैं. 12 घंटे से ज्यादा हो गए हैं लेकिन अभी तक न दिल्ली सरकार के कोई मंत्री या दिल्ली की मेयर आई हैं, कोई अधिकारी नहीं आया है. इन बच्चों को अपने हाल पर छोड़ दिया गया है. मैं मानती हूं कि ये मौत कोई आपदा नहीं है बल्कि ये हत्या है, जितने भी दिल्ली सरकार के बड़े-बड़े लोग हैं उन पर एफआईआर दर्ज होनी चाहिए. जितने बच्चों की मौत हुई है उनके घर पर जाकर 1 करोड़ का मुआवजा देना चाहिए.

कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा यह मानव निर्मित त्रासदी

दिल्ली के राजेंद्र नगर इलाक़े के कोचिंग सेंटर में हुए हादसे पर कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने सवाल उठाए हैं. पवन खेड़ा ने कहा है कि क्या दिल्ली में कानून अपना काम कर रहा है? पवन खेड़ा ने समाचार एजेंसी पीटीआई से कहा, "बेसमेंट में पानी भरने की वजह से तीन बच्चों की जान चली गई. यह प्राकृतिक आपदा नहीं है, बल्कि यह मानव के द्वारा बनाई गई त्रासदी है." "दिल्ली में दूसरे राज्यों से पढ़ने के लिए बच्चे आते हैं. लेकिन क्या यह देखा जा रहा है जो ये कोचिंग सेंटर चल रहे हैं इनका ढांचा क़ानूनी तौर पर सही है? पानी के निकलने का क्या प्रबंधन है. क्या एमसीडी इन सब को देख रहा है." पवन खेड़ा ने कहा, "ये वो सवाल हैं जो कि इस हादसे के इर्द-गिर्द घूम रहे हैं.

ज़िम्मेदारों पर कार्रवाई होनी चाहिए: मेयर शैली

दिल्ली नगर निगम की मेयर शैली ओबेरॉय ने कहा है कि राजेंद्र नगर इलाक़े में हुए हादसे के लिए ज़िम्मेदार लोगों पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए. शैली ने समाचार एजेंसी एएनआई से कहा, मैंने एमसीडी कमिश्नर को दो आदेश दिए हैं. पहला दिल्ली में जितने भी कोचिंग सेंटर एमसीडी के अंतर्गत आते हैं और वो नियमों के ख़िलाफ़ चल रहे हैं, उन पर कार्रवाई होनी चाहिए." "दूसरा आदेश ये है कि अगर एमसीडी का कोई भी अधिकारी इस मामले के लिए ज़िम्मेदार है तो उस पर भी कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए." शैली ओबेरॉय ने कहा, "इस बिल्डिंग का कम्पलीशन सर्टिफिकेट 2021 में मिला था. इसमें साफ साफ लिखा था कि बेसमेंट का इस्तेमाल स्टोरेज और कार पार्किंग के लिए होगा.

गोलान पहाड़ियों पर घातक हमले के बाद इसराइल की जवाबी कार्रवाई

हिज़बुल्लाह के सात ठिकानों पर हमला

- शनिवार को गोलान पहाड़ियों में फुटबॉल की पिच पर रॉकेट हमले में 12 बच्चे व किशोर मारे गए थे
- इस हमले के बाद क्षेत्र में पैदा हुई व्यापक संघर्ष की आशंका, पीएम ने दी थी बदला लेने की चेतावनी

एजेंसी। अवीव

इसराइली एयर फोर्स ने कहा है उसने गोलान पहाड़ियों पर रॉकेट हमले के जवाब में लेबनान में हिज़बुल्लाह के ठिकानों पर हमला किया है. इसराइल के क़ब्ज़े वाली गोलान पहाड़ियों में फ़ुटबॉल की एक पिच पर रॉकेट हमले में 12 बच्चे और किशोर मारे गए थे. इसराइल ने कहा है कि हमला हिज़बुल्लाह ने किया है, जबकि हिज़बुल्लाह ने इससे इनकार किया है. रविवार की सुबह इसराइली सेना ने कहा कि उसने लेबनान के काफी अंदर हिज़बुल्लाह के सात ठिकानों पर हमला किया है. अभी ये पता नहीं चल पाया है कि इस हमले में कितने लोग हताहत हुए हैं. 7 अक्टूबर 2023 के बाद इसराइल की उत्तरी सीमा पर किया गया ये हमला मौतों के लिहाज़ से सबसे घातक था. इसराइली प्रधानमंत्री बिन्यामिन नेतन्याहू ने कहा था कि हिज़बुल्लाह को इसकी भारी कीमत चुकानी होगी. इसके कुछ ही घंटे बाद इसराइल ने हिज़बुल्लाह के ठिकानों पर हमला बोल दिया. इजराइल नियंत्रित 'गोलन हाइट्स' में शनिवार को हुए हमले से क्षेत्र में व्यापक संघर्ष की आशंका पैदा हो गई है. इजराइली सेना ने कहा है कि 'इसमें कोई संदेह नहीं है कि हिजबुल्ला ने इस हमले से सभी हदें पार दी हैं और हमारी प्रतिक्रिया से यह बात समझ आएगी. हम उस पल के करीब पहुंच रहे हैं, जब हमें एक पूर्ण युद्ध का सामना करना पड़ेगा.'

हिजबुल्ला का हमले से इनकार करना असामान्य बात

वहीं हिजबुल्ला के मुख्य प्रवक्ता मोहम्मद अफीफ ने 'एसोसिएटेड प्रेस' से कहा कि समूह 'इस बात से साफ इनकार करता है कि मजदल शम्स पर उसने हमला किया.' हिजबुल्ला का हमले से इनकार करना असामान्य बात है. इस हमले से पहले शनिवार को सीमा पार हिंसा हुई थी, जिसमें हिजबुल्ला ने उसके तीन लड़ाकों के मारे जाने की बात कही थी. हालांकि, उसने यह नहीं बताया कि यह हिंसा कहां हुई. इजराइल की सेना ने कहा कि उसकी वायुसेना ने सीमावर्ती गांव कफर किला में हिजबुल्ला के हथियार डिपो को निशाना बनाया. हमले के समय वहां आतंकवादी मौजूद थे. इजराइल पर हुए घातक हमले के बाद नेतन्याहू के कार्यालय ने कहा कि प्रधानमंत्री जल्द से जल्द अमेरिका से स्वदेश लौट रहे हैं. उनके कार्यालय ने कहा कि वह इजराइल पहुंचने के बाद सुरक्षा कैबिनेट की बैठक करेंगे. एक प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक जिहान सफादी ने 'चैनल 12' को बताया कि मृतकों में पांच छात्र शामिल हैं. इजराइली सेना ने कहा कि उसके विश्लेषण के अनुसार, रॉकेट दक्षिणी लेबनान के चेबा गांव के उत्तर में स्थित क्षेत्र से दागा गया था.

बड़ी संख्या में सरकार समर्थक सैनिकों को मारने का दावा

बमाको। माली के तुआरेग बहुल उत्तर क्षेत्र में विद्रोही गुटों ने अल्जीरिया से लगी सीमा के पास भीषण लड़ाई में बड़ी संख्या में सरकार समर्थक सैनिकों और 'वैगनर ग्रुप' के लड़ाकों को मारने का दावा किया है. 'वैगनर ग्रुप' भाड़े पर सैनिकों की भर्ती करने वाला रूस का निजी सैन्य संगठन है. सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो में नष्ट हुए वाहनों के पास माली के कई सैनिकों और श्वेत पुरुषों के शव बिखरे नजर आ रहे हैं. विद्रोही गुटों का यह दावा माली की सेना की ओर से शुक्रवार रात जारी एक बयान के बाद आया है, जिसमें विद्रोहियों के हमले में दो सैनिकों के मारे जाने, 10 अन्य के घायल होने और दो बख्तरबंद गाड़ियों तथा दो पिकअप ट्रक के नष्ट होने की जानकारी दी गई थी. बयान में सेना ने लगभग 20 विद्रोहियों को मार गिराने और उनके कई वाहनों को नष्ट करने का दावा भी किया था. हालांकि, दोनों पक्षों में से किसी के भी दावों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं की जा सकी है. स्वतंत्रता-समर्थक सीएसपी-डीपीए गठबंधन के प्रवक्ता मोहम्मद एल्माउलौद रमादान ने एक बयान में कहा कि तिनजावातेन गांव के बाहरी इलाके में दो दिन तक चली भीषण लड़ाई में विद्रोहियों ने "माली के सैनिकों और रूस के निजी सैन्य संगठन के लड़ाकों की पूरी टुकड़ी को करारी शिकस्त दी."

कांवड़ यात्रियों के लिए दिल्ली मेरठ मार्ग पर यातायात पाबंदी

एजेंसी। गाजियाबाद

पुलिस ने दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर यातायात पाबंदी लगाने के साथ ही सुरक्षा बढ़ा दी है. यह कदम एक दिन पहले एक कार द्वारा सड़क पर कुछ कांवड़ियों को कथित तौर पर टक्कर मारने की घटना के बाद उठाया गया है. यह जानकारी पुलिस ने दी. गाजियाबाद के पुलिस आयुक्त अजय कुमार मिश्रा ने बताया कि मोदीनगर के कादराबाद गांव से गाजियाबाद जिले के हर प्रवेश बिंदु- मेरठ रोड तिराहा, मोहन नगर, लोनी रोड, लिंक रोड, उत्तर प्रदेश-दिल्ली सीमा से दिलशाद गार्डन तक सड़क पर वाहनों के प्रवेश को रोकने के इंतजाम किए गए हैं. मिश्रा ने कहा, "इस यातायात योजना को सुनिश्चित करने के लिए पुलिस और यातायात पुलिस अतिरिक्त सतर्कता बरतेगी. मिश्रित आबादी के निकास बिंदु पर, उस क्षेत्र के नागरिक समाज के स्वयंसेवक पुलिस की मदद करेंगे और क्षेत्र में किसी भी अप्रिय गतिविधि की सूचना देंगे." शनिवार को, एक कार से कथित तौर पर टकराने से गुस्साये कांवड़ियों ने चालक को गाड़ी से बाहर निकाला और उसकी पिटायी की. उन्होंने कार को भी कथित तौर पर नुकसान पहुंचाया था. मिश्रा ने बताया कि घटना के समय कार मालिक नौबहार सिंह (40) भी वाहन में मौजूद था, जो मुरादनगर का रहने वाला है. चालक कथित तौर पर नशे की हालत में गाड़ी चला रहा था.

एसईसीएल अधिकारी का शव खदान की हौद में मिला

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में एक खदान में बारिश का पानी भर जाने के बाद लापता हुए 'साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड' (एसईसीएल) के एक अधिकारी का शव रविवार को 16 घंटे की तलाश के बाद बरामद किया गया.इस संबंध में एक अधिकारी ने बताया कि एसईसीएल के सहायक प्रबंधक (खनन) जितेंद्र नागरकर (41) शनिवार को शाम करीब साढ़े चार बजे कुसमुंडा कोयला खदान में लापता हो गए थे. अधिकारी ने कहा कि नागरकर और पांच अन्य लोग खदान की हौद में पानी के बहाव के रास्ते में फंस गए. उन्होंने बताया कि सभी ने खदान के ऊपरी हिस्से की तरफ आने की कोशिश की. अधिकारी ने कहा कि पांच लोग तो बाहर आ गए लेकिन नागरकर बह गए थे.

प्राधिकारियों ने पारंपरिक पूजा के बाद बारिश के मौसम में पहली बार महानदी में पानी छोड़ा

हीराकुंड बांध से बाढ़ का पानी छोड़ा, 7 जिलों में हाई अलर्ट

एजेंसी। भुवनेश्वर

हीराकुंड बांध के प्राधिकारियों द्वारा महानदी में इस मौसम में पहली बार बाढ़ का पानी छोड़े जाने के बाद ओडिशा सरकार ने रविवार को सात निचले जिलों के जिलाधिकारियों को 'हाई अलर्ट' पर रहने और लोगों को नदी के किनारे न जाने के लिए सतर्क करने का निर्देश दिया. बांध प्राधिकारियों ने पारंपरिक पूजा के बाद द्वार संख्या सात को खोला और उसके बाद अन्य द्वार भी खोले गए. कुल 20 द्वार तीन चरणों में खोले जाएंगे, ताकि ऊपरी जलग्रहण क्षेत्रों में भारी वर्षा के बीच अतिरिक्त पानी को बाहर निकाला जा सके. सुबह छह बजे हीराकुंड का जलस्तर 616.93 फुट

था, जबकि जलाशय की क्षमता 630 फुट है. जलाशय में पानी का प्रवाह 3,16,000 क्यूसेक था, जबकि बाहर छोड़े जा रहे पानी का प्रवाह 40,126 क्यूसेक था. राज्य सरकार ने एक बयान में कहा, 'संबलपुर, सोनपुर, नयागढ़, पुरी, कटक, जगतसिंहपुर और केंद्रपाड़ा के जिलाधिकारियों को निचले इलाकों के लोगों को महानदी के किनारे न जाने के लिए सचेत करने को कहा गया है. जानवरों को भी नदी के करीब जाने की अनुमति नहीं होगी.'

तमिलनाडु : मुख्यमंत्री का मेट्टूर बांध से पानी छोड़ने का निर्देश

चेन्नई। कर्नाटक से अधिक मात्रा में पानी आने के कारण सलेम स्थित मेट्टूर बांध के तेजी से भर जाने के मद्देनजर तमिलनाडु सरकार ने रविवार को राज्य के कावेरी डेल्टा जिलों की जरूरतों को पूरा करने के लिए जलाशय से पानी छोड़ने का निर्देश दिया. मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने स्थिति की समीक्षा के लिए एक बैठक की अध्यक्षता की जिसमें जल संसाधन मंत्री दुरईमुरुगन, शीर्ष अधिकारियों और अन्य लोगों ने शिरकत की. आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, कावेरी के जलग्रहण क्षेत्रों में भारी बारिश के कारण कर्नाटक ने 1.48 लाख क्यूसेक अतिरिक्त पानी छोड़ा है, जिससे मेट्टूर बांध का जलस्तर 109.20 फुट तक पहुंच गया है. बांध का अधिकतम जलस्तर 120 फुट है. उम्मीद है कि अगले तीन दिन में कर्नाटक पानी छोड़ना जारी रखेगा.

फैसला सपा प्रमुख ने विस अध्यक्ष को लिखा पत्र, कमाल अख्तर मुख्य सचेतक नियुक्त

माता प्रसाद पांडेय उप्र विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष होंगे

एजेंसी। लखनऊ

उत्तर प्रदेश विधानसभा में समाजवादी पार्टी (सपा) के वरिष्ठ सदस्य माता प्रसाद पांडेय नेता प्रतिपक्ष होंगे. यह पद सपा प्रमुख अखिलेश यादव के सांसद चुने जाने के बाद विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा देने की वजह से रिक्त हुआ है. सोमवार को विधानसभा सत्र की कार्यवाही शुरू होने से एक दिन पूर्व रविवार को अखिलेश यादव ने विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना को भेजे एक पत्र में माता प्रसाद पांडेय (82) को नेता प्रतिपक्ष बनाये जाने का अनुरोध किया. सपा ने पत्र सोशल मीडिया मंच ''एक्स'' पर पोस्ट किया है. यादव द्वारा विधानसभा अध्यक्ष को भेजे गये पत्र

के मुताबिक माता प्रसाद पांडेय विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष, महबूब अली-अधिष्ठाता मंडल, कमाल अख्तर-मुख्य सचेतक और राकेश कुमार उर्फ आर के वर्मा-उप सचेतक होंगे. लोकसभा चुनाव से पहले उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष की भूमिका का निर्वहन कर रहे थे. उन्होंने कन्नौज संसदीय क्षेत्र से लोकसभा सदस्य चुने जाने के बाद (मैनपुरी जिले की) करहल विधानसभा सीट से इस्तीफा दे दिया था. यादव की जगह अब विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष और सपा के वरिष्ठ सदस्य माता प्रसाद पांडेय नेता प्रतिपक्ष की भूमिका निभाएंगे.

पार्टी के एक नेता ने बताया कि यादव ने सिद्धार्थ नगर जिले की इटवा सीट से सपा विधायक पांडेय को विधानसभा में विपक्ष का नेता नियुक्त करने पर अपनी मुहर लगा दी है. इससे पहले नेता प्रतिपक्ष तय करने के लिए पार्टी विधायकों की बैठक हुई, जिसमें पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव को नेता प्रतिपक्ष का चयन करने के लिए अधिकृत किया गया.

विधानसभा के दो बार अध्यक्ष रह चुके हैं पांडेय

ब्राह्मण समाज से आने वाले पांडेय उत्तर प्रदेश विधानसभा के दो बार अध्यक्ष रह चुके हैं और सातवीं बार विधायक हैं. पांडेय पहली बार 1980 में फिर 1985 और 1989 में विधायक बने. इसके बाद 2002, 2007 और 2012 में पांडेय लगातार चुनाव जीतने में कामयाब रहे. हालांकि साल 2017 में वह पराजित हो गये लेकिन 2022 में वह फिर इटवा से विधायक निर्वाचित हुए. पांडेय 1990-1991 के बीच मुलायम सिंह यादव की कैबिनेट में चिकित्सा और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री रहे. 2002-2004 के बीच मुलायम की सरकार में उन्हें फिर से मंत्री बनाया गया और उन्हें श्रम एवं रोजगार मंत्रालय का प्रभार दिया गया. पांडेय पहली बार 2004-2007 के बीच उप्र विधानसभा के अध्यक्ष बने और 2012-17 के बीच फिर से इस पद पर रहे. अधिष्ठाता मंडल बनाये गये महबूब अली-अमरोहा, मुख्य सचेतक कमाल अख्तर-मुरादाबाद जिले के कांठ और सचेतक आरके वर्मा प्रतापगढ़ जिले के रानीगंज विधानसभा क्षेत्र से समाजवादी पार्टी के विधायक हैं.

विकलांगता के प्रति दृष्टिकोण में उल्लेखनीय बदलाव : चंद्रचूड़

एजेंसी। बेंगलुरु

भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) डी वाई चंद्रचूड़ ने कहा कि विकलांगता के प्रति हमारे दृष्टिकोण में उल्लेखनीय बदलाव आया है. बेंगलुरु में शनिवार को 'इंडिया एक्सेसिबिलिटी समिट एंड स्टेट डिसेबिलिटी कमीशनर्स कॉन्क्लेव' के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि यह बदलाव प्रशिक्षण, सार्वजनिक बैठकों और नीति-निर्माण से आया है. सीजेआई ने कहा, 'विकलांगता के प्रति हमारे दृष्टकोण में उल्लेखनीय बदलाव आया है. प्रशासनिक अधिकारियों की प्रशिक्षण अकादमियों में विकलांगता के बारे में संवेदनशीलता पैदा करने वाला समर्पित मॉड्यूल है. कुछ राज्यों में राज्य आयुक्त सेवाओं की उपलब्धता में सुधार लाने और लोगों के वास्तविक अनुभवों के आधार पर नीति-निर्माण के लिए सार्वजनिक बैठकें कर रहे हैं.' न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा कि निशक्त जनों के लिए पहुंच, स्वायत्तता, समान भागीदारी हासिल करने से पहले एक लंबा रास्ता तय करना है. उन्होंने कहा, 'हमें अभी भी लैंगिकता, शहरी-ग्रामीण विभाजन और विकलांगता के प्रकारों की विभिन्न अंतर्विभाजक असमानताओं के आधार पर विकलांग व्यक्तियों के सटीक आंकड़ों की आवश्यकता है.' प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि सरकारी और निजी संस्थानों में निशक्त जनों की भर्ती तेजी से बढ़ रही है, लेकिन कार्यस्थल की स्थितियां धीरे-धीरे ही ठीक हो रही हैं.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - सुरजीत सिंह, स्थानीय संपादक - संजय सिंह*. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - JHAHIN/2023/84487 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)